हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

शैलपुत्री नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं !

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, हस्त, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • सोमवार • 22 सितम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 282 • पृष्ठ 12

शैलपुत्री

मां दुर्गा को सर्वप्रथम शैलपुत्री के रूप में पूजा जाता है। हिमालय के वहां पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण उनका नामकरण हुआ शैलपुत्री। इनका वाहन वृषभ है, इसलिए यह देवी वृषारूढ़ा के नाम से भी जानी जाती हैं। इस देवी ने दाएं हाथ में त्रिशूल धारण कर रखा है और बाएं हाथ में कमल सुशोभित है। यही देवी प्रथम दुर्गा हैं। ये ही सती के नाम से भी जानी जाती हैं।

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,02,800	₹ 1,35,000

आज का इतिहास

1965 : भारत पाकिस्तान के बीच की लड़ाई में आज ही के दिन संयुक्त राष्ट्र की पहल पर युद्ध विराम हुआ।

2011 : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पटौदी के नवाब मंसूर अली खान पटौदी का निधन आज ही के दिन हुआ था।

न्यूज बाइट्स

मखाना बोर्ड के गठन से बदलेगी किसानों की किस्मत

पटना (नि.सं.) । केंद्र सरकार ने मखाना बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है, जिससे बिहार के करीब पांच लाख मखाना किसानों की किस्मत बदलने वाली है। बिहार देश का करीब 85 प्रतिशत मखाना उत्पादित करता है। इस बोर्ड के गठन से मखाना प्रोसेसिंग और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। जिसका सीधा लाभ बिहार को मिलने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना से राज्य भर में 703 नए पुलों का निर्माण शुरू

पटना (नि.सं.) । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षी "मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना" के तहत मौजूदा वित्तीय वर्ष यानी 2025-26 में राज्यभर में कुल 703 नए पुलों की स्वीकृति के साथ ही 15 सितंबर से निर्माणकार्य भी शुरू कर दिया गया है। इस योजना पर कुल 3,688 करोड़ रूपये की धनराशि खर्च की जाएगी। जिससे राज्य के हजारों गांवों को स्थायी और सुरक्षित सड़क संपर्क मिल सकेगा।

बिहार एसटीईटी एग्जाम के लिए 27 सितंबर तक आवेदन का मौका

पटना (नि.सं.) । बिहार स्पेशल स्कूल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट 2025 के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन प्रॉसेस 19 सितंबर से स्टार्ट हो चुकी है जो निर्धारित अंतिम तिथि 27 सितंबर 2025 तक जारी रहेगी। जो भी अभ्यर्थी टीचर बनने का सपना देख रहे हैं या आगे बीपीएससी टीआरई 4 में भाग लेना चाहते है हैं वे इस एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं। एप्लीकेशन फॉर्म केवल ऑनलाइन माध्यम से biharboardonline.com पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। आपकी सहूलियत के लिए इस पेज पर भी आवेदन का डायरेक्ट लिंक उपलब्ध करवाया गया है जिस पर क्लिक करके सीधे फॉर्म भरा जा सकता है।

विकास मित्रों व शिक्षा सेवकों को मिला तोहफा, टैबलेट और स्मार्टफोन खरीदने को आर्थिक मदद

विकास मित्रों को 25 हजार और शिक्षा सेवियों को मिलेंगे 10 हजार रुपए

निज संवाददाता | पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने ऐलानों की झड़ी लगा रखी है। उनके पिटारे में सभी वर्गों के लिए कुछ-न-कुछ है। आंगनवाड़ी, रसोईया दीदी, जीविका दीदी, शिक्षक एवं अन्य कैटेगरी के बाद सीएम ने विकास मित्रों और शिक्षा सेवकों के जरिए महादलित, ओबीसी, मुस्लिम समाज को संडे गिफ्ट देकर मास्टरस्ट्रोक लगा दिया है। सीएम ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी साझा किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार की सुबह अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर बताया है कि विकास मित्रों को टैब खरीदने के लिए 25-25 हजार और शिक्षा सेवियों को स्मार्टफोन करने के लिए 10-10 हजार रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने कहा है कि न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनकी सरकार लगातार काम कर रही है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग तक सरकार की विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में विकास मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए बिहार महादलित विकास मिशन के अन्तर्गत कार्यरत प्रत्येक विकास मित्र को टैबलेट क्रय हेतु एकमुश्त 25 हजार रूपए की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ताकि उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के डाटा संधारण एवं अन्य कामकाज में सुविधा हो सके। मुख्यमंत्री ने महादलित, दलित के साथ अल्पसंख्यक एवं अति पिछड़ा वर्ग के लिए भी ऐलान किया है। इन वर्गों के बच्चों तक शिक्षा का लाभ तथा अक्षर आंचल योजना के अधीन महिलाओं को साक्षर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे शिक्षा सेवकों (तालिमी मरकज सहित) को डिजिटल गतिविधियों के संपादन हेतु स्मार्ट फोन की सुविधा सरकार देगी।

परिवहन भत्ता 2500 हुआ

कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के डाटा मेंटेनेंस और अन्य कामकाज में सुविधा हो सके। इसके साथ ही विकास मित्रों का परिवहन भत्ता 1900 रुपए प्रति महीने से बढ़ाकर 2500 रुपए प्रति महीने और स्टेशनरी भत्ता 900 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे उन्हें क्षेत्र घूमने के साथ-साथ दस्तावेजों के स्टोरेज में सुविधा होगी।

एक बार में ही मिलेंगे 25 हजार रुपए

सीएम नीतीश ने अपने पोस्ट में लिखा कि न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग तक सरकार की विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में विकास मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए बिहार महादलित विकास मिशन के तहत कार्यरत हर विकास मित्र को टैबलेट खरीदने के लिए एकमुश्त 25 हजार रुपए की राशि दी जायेगी।

नये वकीलों को हर महीने मिलेंगे 5000 रुपये

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने वकीलों को बड़ी सौगात दी है। राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी है। इसके तहत बिहार में अब वकीलों को 5000 रुपया स्टाइपेंड दिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनडीए सरकार ने 1 जनवरी 2024 से नामांकित सभी नये अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाने वाले प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, नये वकीलों को तीन साल तक मिलेगा प्रतिमाह 5000 रुपये। एनडीए सरकार ने 1 जनवरी 2024 से नामांकित सभी नये अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाने वाले प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इसका भुगतान बिहार राज्य बार काउंसिल के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य के अधिवक्ता संघों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उन्हें ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को सहायता के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

फोन खरीदने के लिए 10-10 हजार रूपए की राशि दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

साथ ही शिक्षा सेवकों के लिए शिक्षण सामग्री मद में भुगतान की जा रही राशि को 3405 रूपए से बढ़ाकर 6 हजार रूपए प्रति केन्द्र प्रतिवर्ष किए जाने का निर्णय लिया गया है। सीएम ने कहा है कि इससे विकास मित्रों एवं शिक्षा सेवकों के मनोबल में वृद्धि होगी और वे अधिक उत्साह एवं लगन से अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे।

पीएम ने देश के नाम अपने संबोधन में जीएसटी और इनकम टैक्स सुधारों पर की बात

आज से रोजमर्रा की चीजें होंगी सस्ती : पीएम

पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जीएसटी के नए स्वरूप में मुख्य रूप से पांच और 18 फीसदी के दो ही स्लैब होंगे। रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएंगी। जिन सामानों पर पहले 12 फीसदी टैक्स लगता था, उसमें 99 फीसदी चीजें अब पांच फीसदी टैक्स के दायरे में आ गई हैं।

एजेंसी | नई दिल्ली

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में देश के लोगों को नवरात्रि की शुभमकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने देश के नाम संबोधन में कहा कि जीएसटी रिफॉर्म्स का फायदा देश के लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि त्योहारों के सीजन में सबका मुंह मीठा होगा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में जीएसटी सुधार और इनकम टैक्स में सुधार को डबल बोनेंजा बताया। इसके अलावा उन्होंने स्वदेशी अपनाने पर भी जोर दिया।

धानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान राज्य सरकारों से भी अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र मिलकर स्वदेशी उत्पादों पर जोर दें तो तस्वीर बदल सकती है। पीएम ने कहा कि हमें स्वदेशी चीजें खरीदने पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश के लोगों को वह चीजें खरीदनी चाहिए, जिसमें हमारे देश के लोगों का पसीना लगा हो।

साबुन, टूथपेस्ट, शैंपू, और नमकीन, सॉस, पास्ता जैसे पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर जीएसटी अब सिर्फ 5%। यूएचटी दूध, छेना, और पनीर पर टैक्स पूरी तरह खत्म।

32 इंच से बड़े टीवी, एयर कंडीशनर, और डिशवॉशर पर जीएसटी 28% से घटकर 18%।

33 जीवन रक्षक दवाएं और डायग्नोस्टिक किट्स टैक्स-फ्री, आयुर्वेद-होम्योपैथी दवाएं, चश्मा, और सर्जिकल उपकरणों पर 5% जीएसटी।

ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, ड्रिप सिंचाई उपकरण, और जैव-कीटनाशकों पर जीएसटी 12-18% से घटकर 5%।

बच्चों की पढ़ाई को बढ़ावा-पेंसिल, क्रेयॉन, और अभ्यास पुस्तिकाएं टैक्स-फ्री, ज्यामिति बक्सों पर 5% जीएसटी।

ऑटोमोबाइल सेक्टर में छोटी कार, बाइक, बस, और ऑटो पार्ट्स पर जीएसटी 28% से 18%।

निर्माण क्षेत्र में सीमेंट पर 18% और संगमरमर-ग्रेनाइट पर 5% जीएसटी से घर और ढांचागत विकास अब और किफायती।

हस्तशिल्प और वस्त्र उद्योग को नई जान मिली है। हस्तशिल्प मूर्तियों, खिलौनों, और मानव निर्मित फाइबर पर जीएसटी 12% या 18% से 5%। इससे कारीगरों की आजीविका मजबूत होगी और भारत की सांस्कृतिक धरोहर चमकेगी। होटल (7,500 रुपये प्रति दिन तक), जिम, सैलून, और योग सेवाओं पर जीएसटी 18% से 5% करने से सेवा क्षेत्र में नई रौनक आएगी। इन सुधारों से न केवल उपभोक्ता खुश हैं, बल्कि छोटे कारोबार और स्टार्टअप्स भी नए जोश के साथ आगे बढ़ेंगे।

मध्यम वर्ग के जीवन में आएगा बड़ा बदलाव

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब को, नियो मिडिल क्लास, मिडिल क्लास को डबल बोनेंजा मिल रहा है। जीएसटी कम होने से देश के लोगों के लिए अपने सपने पूरा करना आसान होगा। घर से लेकर सपनों की चीजें खरीदने पर कम खर्च होगा। घूमना-खरीदना सस्ता होगा, क्योंकि ज्यादातर होटल्स के कमरों पर भी जीएसटी कम की गई है।

दुकानदार भाई बहन जीएसटी बदलाव से उत्साह में : पीएम

मुझे इस बात की खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी बदलाव से उत्साह में है। वो इसे कस्टमर तक पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भवः के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नए जीएसटी में इसकी झलक दिखती है।

वन नेशन वन टैक्स का सपना हुआ साकार

वन नेशन वन टैक्स का सपना साकार हुआ। रिफॉर्म लगातार चलने वाली प्रक्रिया होती है। समय और जरूरत के साथ इसमें बदलाव होते हैं। इसलिए देश की वर्तमान जरूरतों और भविष्य को देखते हुए जीएसटी के नए रिफॉर्म लागू हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किया आधुनिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का उद्घाटन

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पटना में आधुनिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधायक विजय कुमार सिन्हा, शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह और भवन निर्माण मंत्री जयंत राज भी उपस्थित रहे। भवन निर्माण विभाग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त पहल से तैयार यह साइंस सिटी बिहार के छात्रों और आम नागरिकों को विज्ञान और नवाचार से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इसे पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम की स्मृति में समर्पित किया गया है।

साइंस सिटी में कुल पांच विज्ञान आधारित गैलरी हैं – बीई ए साइंटिस्ट गैलरी, बायोलॉजिकल साइंस गैलरी, चिल्ड्रन एक्टिविटी गैलरी, इन्वेंशन गैलरी और एडवेंचर आईलैंड। यहाँ 269 इंटरएक्टिव प्रदर्श हैं, जिनसे छात्र-छात्राएं स्वयं प्रयोग करके विज्ञान सीख सकेंगे।

ई-शिक्षा कोष पोर्टल से बच्चों की स्वास्थ्य जांच की होगी निगरानी

निज संवाददाता | पटना

राज्य के डेढ़ करोड़ बच्चों की स्वास्थ्य जांच की निगरानी ई-शिक्षा कोष पोर्टल से होगी। इसके लिए पोर्टल पर विकल्प खुल चुका है। बच्चों के आयरन, फोलिक एसिड की गोली के वितरण की भी जानकारी पोर्टल पर देनी होगी। इससे बच्चों के स्वास्थ्य जांच और दवाइयों के वितरण का डेटा राज्य स्तर पर केंद्रीकृत तरीके से एकत्र होगा। पहले ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर इसके लिए कोई विकल्प नहीं था। यह व्यवस्था होने से जिलों में हुए कार्य की सीधे राज्य स्तर से निगरानी हो सकेगी। मध्याह्न भोजन योजना निदेशक विनायक मिश्र ने सभी जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) मध्याह्न भोजन और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) समग्र शिक्षा अभियान को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के समन्वय से बच्चों की जांच की जाती है।

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में पहली से बारहवीं के बच्चों को स्वास्थ्य जांच (वर्ष में एक बार) और आयरन, फोलिक एसिड गोली को साप्ताहिक (प्रत्येक बुधवार) और कृमिनाशक गोली (छह-छह माह मार्च एवं सितंबर) के अंतराल पर दी जानी है। इसी की ई-शिक्षा कोष पोर्टल से निगरानी की जाएगी। इसे भारत सरकार की ओर से उपलब्ध कराया जाना है। प्रखंड और जिला स्तरीय कार्यालय को पोर्टल का एक्सेस प्रखंड और जिला स्तरीय कार्यालय को पोर्टल का एक्सेस दिया गया है। दोनों पदाधिकारियों को ही आंकड़ों की समीक्षा कर प्रविष्टि का कार्य कराना सुनिश्चित करना होगा। निदेशक ने कहा है कि प्रत्येक माह की सातवीं तारीख तक पिछले माह की रिपोर्ट दर्ज करनी होगी। 2024 में एक करोड़ 73 लाख बच्चों में से 33% बच्चों की ही स्वास्थ्य जांच की गई थी। हालांकि इस बारे में बताया गया कि जांच अधिक बच्चों की कराई गई थी, लेकिन इसकी रिपोर्टिंग नहीं हो सकी थी।

दस हजार किस्त पाने वाली महिलाओं को मिलेगा प्रशिक्षण, आज दी जायेगी किस्त

निज संवाददाता | पटना

रोजगार शुरू करने के लिए जिन महिलाओं को राज्य सरकार दस-दस हजार रुपये देगी, उन्हें जीविका के माध्यम से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके लिए जीविका की तैयारी अंतिम चरण में है और तीन अक्टूबर से प्रशिक्षण का कार्य शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। मालूम हो कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को रोजगार शुरू करने के लिए शुरुआत में दस-दस रुपये दिये जा रहे हैं।

पहली किस्त आज 50 लाख महिलाओं को दी जाएगी। इस संबंध में जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा ने कहा कि महिलाओं को यह प्रशिक्षण स्थानीय स्तर पर ही दिया जाएगा। जिस तरह के व्यवसाय शुरू करने के लिए महिला ने आवेदन किया है, उसी का प्रशिक्षण उन्हें दिया जाएगा। पशुपालन के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं को प्रशिक्षण पशु सखियों की ओर से दिया जाएगा। इसी प्रकार अन्य व्यवसाय के लिए प्रशिक्षण मिलेगा। इसका मकसद यह है कि महिलाएं जो भी रोजगार शुरू कर रही हैं, उन्हें उससे संबंधित तकनीकी और अन्य सारी जानकारी दी जाये। ताकि, वे और बेहतर ढंग से अपने रोजगार की शुरुआत कर सकें। इसके लिए महिलाओं को एक बुकलेट भी दिया जाएगा, जिसमें संबंधित जानकारियां रहेंगी। महिलाओं को चरणवार प्रशिक्षण दिया जाएगा। 50 और सौ महिलाओं का समूह बनाकर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। मालूम हो कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना में आगे और दो लाख रुपये तक हर महिला को व्यवसाय आगे बढ़ाने के लिए दिया जाएगा।

स्कूली बच्चों से भरी ऑटो को ट्रक ने टक्कर मारी, दो बच्चों समेत तीन की हुई मौत, छह से अधिक घायल

निज संवाददाता | छपरा

रविवार को छपरा के हरनबढा पुरानी पुल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो स्कूली बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई और छह से अधिक बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब एमएस पब्लिक स्कूल, मकेर के छात्र-छात्राएं छुट्टी के बाद ऑटो से घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने ऑटो को सीधी टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गया। हादसे में मौके पर ही ऑटो चालक और दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में 6 वर्षीय मिष्टी कुमारी, एक अन्य छात्र और ऑटो चालक शामिल हैं। चालक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। यह घटना दोपहर 2.30 बजे एनएच-722, मकेर थाना क्षेत्र के हरनबढा पुरानी पुल के पास घटी। घटना के बाद ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए और गुस्से में सड़क जाम लगा दिया। करीब 100 से अधिक लोग घटनास्थल पर मौजूद थे।

घायलों को तुरंत मकेर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। कई बच्चों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। हादसे के शिकार सभी बच्चे एमएस पब्लिक स्कूल में पढ़ते थे। घायल छात्रा सोनाली कुमारी ने बताया कि रविवार को भी उनके स्कूल की छुट्टी नहीं होती, बल्कि इसके बदले बुधवार को छुट्टी दी जाती है। मासूम बच्चों की मौत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में मातम पसरा और परिजन अस्पताल तथा गांव में रो-रोकर बेहाल रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से ट्रक चालक की पहचान और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़क जाम कर विरोध करेंगे।

न्यायमूर्ति पवनकुमार बाजंत्री बने पटना हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश

पटना (नि.सं.)। पटना उच्च न्यायालय को नया नेतृत्व मिल गया है। न्यायमूर्ति पवनकुमार भीमप्पा बाजंत्री ने पटना उच्च न्यायालय के 46वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में राजभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में शपथ ली। इस अवसर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें विधिवत शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्रिमंडल के सदस्य, न्यायपालिका और राजनीतिक जगत की कई प्रमुख हस्तियां समारोह में उपस्थित रहीं। समारोह में न्यायिक परंपरा और गरिमा का विशेष ध्यान रखा गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को न्यायमूर्ति बाजंत्री की नियुक्ति को मंजूरी दी थी।

समय पर पदोन्नति और पसंद आधारित पोस्टिंग से जवानों को मिला आत्मविश्वास

सीआईएसएफ में मानव संसाधन सुधार से जवानों का मनोबल ऊंचा

निज संवाददाता | पटना

बदलाव के चलते केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) इन दिनों अपने इतिहास के सबसे सकारात्मक दौर से गुजर रहा है। लंबे समय से देश के हवाई अड्डों, औद्योगिक इकाइयों और महत्वपूर्ण ढाँचागत परियोजनाओं की सुरक्षा में तैनात यह बल अब अपने कर्मियों के जीवन स्तर और कार्य-जीवन संतुलन पर भी गंभीरता से ध्यान दे रहा है। पहले जहां पदोन्नति की प्रक्रिया साल में केवल एक बार और रिक्तियों की उपलब्धता पर निर्भर हुआ करती थी, वहीं 2025 में एक बड़ा सुधार सामने आया। इस वर्ष बल ने प्रमोशन और पोस्टिंग की व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध बना दिया है। नतीजा यह रहा कि केवल एक साल में 13,520 अराजपत्रित और 406 राजपत्रित अधिकारियों को पदोन्नति मिली। यानी पिछले वर्षों की तुलना में लगभग नौ प्रतिशत कर्मियों की करियर आकांक्षाएं पूरी हुईं।

उल्लेखनीय यह भी रहा कि बल के इतिहास में पहली बार प्रमोशन समिति की कार्यवाही साल के शुरुआती पाँच महीनों में पूरी कर ली गई। डीआईजी से आईजी रैंक तक की विभागीय पदोन्नति समिति तय समय पर सम्पन्न हुई और उसके बाद सभी रैंकों के लिए पदोन्नति की राह सुगम हो गई। इससे यह संदेश गया कि संगठन अपने जवानों के भविष्य को लेकर प्रतिबद्ध है। एक कांस्टेबल ने कहा कि यह केवल नए पद की उपलब्धि नहीं है, बल्कि गर्व और अपनत्व की भावना का प्रतीक है। पदोन्नति के साथ-साथ पोस्टिंग नीति में भी आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। पहले पोस्टिंग का स्थान जवानों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय रहा करता था।

BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy
DY Yoga
DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga
DHMS Herbal Medicine
DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th
अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet
BTMS Traditional Medicine
BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga
BAcu. Acupuncture
MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2
अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट
अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279

Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

संक्षिप्त समाचार

लौन्द पंचायत में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवादा । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पटना के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नवादा के सचिव श्री धारेंद्र कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में आज दिनांक 21 सितम्बर 2025 को सिरदला प्रखंड के लौन्द सामुदायिक भवन परिसर में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 से संबंधित विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नवादा के हेड लीगल एड डिफेन्स काउंसिल श्री साजिद अयूब खान, पीएलवी श्री रामानुज कुमार एवं लौन्द पंचायत के मुखिया श्री गणेश राम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री साजिद अयूब खान ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम बच्चों की देखरेख, सुरक्षा, संरक्षण एवं पुनर्वास प्रदान करता है, ताकि वे एक सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम उन बच्चों के लिए है जिन पर अपराध के आरोप हैं या जो असहाय, परित्यक्त एवं शोषण के शिकार हैं। किशोर न्याय बोर्ड ऐसे बच्चों के मामलों की सुनवाई करता है और सुधार एवं पुनर्वास पर विशेष बल देता है। उन्होंने यह भी बताया कि बाल कल्याण समिति बच्चों की देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के पुनर्वास, देखरेख, गोद देने आदि की अनुमति प्रदान करती है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बच्चों की सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया।

जमीन विवाद में हुई मारपीट को लेकर प्राथमिकी दर्ज,एक गिरफ्तार

रजौली। थाना क्षेत्र के कसियाडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट मामले में पीड़ित द्वारा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस बलों ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दी है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में कसियाडीह गांव निवासी शंकर प्रसाद के सिर में गंभीर चोटें आई थी।घटना को लेकर पीड़ित शंकर प्रसाद ने मनोज प्रसाद एवं सुषमा देवी के अलावे एक नाबालिग लड़के के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाए थे।पुलिस बलों ने नामजद अभियुक्तों में मुरहेना गांव निवासी मोहन महतो के पुत्र मनोज प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है।गिरफ्तार व्यक्ति को रविवार को अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

दो बाइकों की आमने सामने की टक्कर में दो लोग घायल,गंभीर हालत में रेफर

» रॉन्ग साइड में चलने के कारण फिर हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना

रजौली। थाना क्षेत्र के अनुमंडल कार्यालय से थोड़ी दूर एनएच 20 पर रविवार की शाम के लगभग 7 बजे दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में सवार रहे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को स्थानीय लोगों की सहायता से अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया।अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक सतीश चंद्र सिन्हा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों की पहचान हरदिया गांव निवासी सकिंदर प्रसाद के 28 वर्षीय पुत्र विक्रम कुमार एवं महेश्वर कुमार के रूप में हुई है।चिकित्सक ने बताया कि घायल विक्रम कुमार के सिर एवं पैर में गंभीर चोटें आई है,जिसका प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु पावापुरी स्थित विम्स अस्पताल रेफर किया गया है।वहीं दूसरे घायल महेश्वर कुमार के पैर की हड्डी टूट गई है,जिसका प्राथमिक इलाज कर नवादा सदर अस्पताल रेफर किया गया है।वहीं अस्पताल परिसर में रहे हरदिया के लोगों ने बताया कि यह सड़क दुर्घटना रॉन्ग साइड में तीव्र गति से चलने के कारण हुआ है।साथ ही बताया कि बीते दो दिनों पूर्व भी एक स्कूटी सवार वृद्ध को रॉन्ग साइड से आ रहे एक अज्ञात टोटो चालक ने धक्का मार दिया था,जिससे वृद्ध का हाथ टूट गया था।रविवार की शाम को ठीक उसी जगह पर दोनों बाइकों की टक्कर में दोनों बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि घायलों का प्राथमिक इलाज के बाद रेफर किया गया है।पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

अस्पताल परिसर में इलाजरत घायल युवक

अपहरण के बाद मारपीट व फिरौती मामले दो लोग गिरफ्तार,भेजे गए जेल

रजौली। अनुमंडल कार्यालय के समीप में हुए अपहरण और फिरौती के एक सनसनीखेज मामले में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवादा नगर थाना के लोहनी बिगहा गांव निवासी दानी यादव के पुत्र विनय कुमार एवं रजौली के गिरगी गांव निवासी संजय सिंह के पुत्र सूरज कुमार के रूप में हुई है।इससे पूर्व भी पुलिस ने मामले का उद्भेदन करते हुए 25 अगस्त को महसई मोहल्ला निवासी दिलीप कुमार के बेटे संटु कुमार को जेल भेज चुकी है।अपहरण और फिरौती का यह मामला 11 अगस्त 2025 को तब सामने आया,जब फरहा गांव के निवासी शेरु कुमार ने रजौली थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई।अपनी शिकायत में शेरु कुमार ने बताया था कि वह अपने भतीजे राजा कुमार एवं अन्य दो दोस्तों के साथ रजौली अनुमंडल कार्यालय आए थे।उनके दोस्त अनुमंडल कार्यालय के अंदर चले गए और शेरू अपने भतीजे राजा के साथ शौच करने अनुमंडल कार्यालय के पीछे शौच के लिए चले गए।शौच करने के बाद जब दोनों युवक लौटे,तो इसी दौरान तीन मोटरसाइकिलों पर सवार करीब सात लोगों ने उन्हें रोका और लड़की से छेड़खानी का झूठा आरोप लगाते हुए गाली-गलौज की। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने शेरु कुमार की कनपटी पर पिस्तौल रखकर उन्हें और उनके भतीजे को अगवा कर लिया। उनके चेहरे पर गमछा बांधकर उन्हें नदी के रास्ते जंगल में ले जाया गया,जहां लाठी और पिस्तौल से उनकी बेरहमी से पिटाई की गई।मारपीट के बाद अपराधियों ने उनसे पैसे की मांग की और उनके मोबाइल से अलग-अलग ऑनलाइन स्कैनर्स के जरिए कुल 78,500 रूपये की फिरौती वसूली। पैसे मिलने के बाद उन्होंने दोनों को धमकी देकर छोड़ दिया कि अगर पुलिस को बताया तो जान से मार देंगे और पिस्तौल के साथ उनका बनाया हुआ वीडियो वायरल कर देंगे।शेरु कुमार की शिकायत के आधार पर रजौली थाना में पदस्थापित पीएसआई सचिन कुमार ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और जांच के दौरान संटु कुमार को धर दबोचा था,तब मामले का उद्भेदन हुआ था।थानाध्यक्ष के अनुसार संटु कुमार इस पूरे मामले में शामिल था और उसकी गिरफ्तारी इस गिरोह तक पहुंचने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।इसी कड़ी में छापेमारी कर दो और अभियुक्तों विनय कुमार और धनराज कुमार को गिरफ्तार किया गया है।साथ ही कहा कि दोनों गिरफ्तार लोगों से जरूरी पूछताछ के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

थाना परिसर से जेल जाते गिरफ्तार लोग

दर्द से बेहाल मरीज ने डॉक्टर के साथ किया गाली-गलौज व मारपीट,चिकित्सक ने दर्ज कराई प्राथमिकी

निज संवाददाता

रजौली। अनुमंडलीय अस्पताल में बीते शनिवार की रात्रि लगभग 7:55 मिनट पर बहादुरपुर पंचायत के अदलबिगहा गांव से सुरेश यादव अंगुली टूटा हुआ मरीज दर्द से बेहाल अपने परिजनों के साथ इलाज करवाने पहुंचा।इलाज के क्रम में मरीज ने ड्यूटी पर रहे चिकित्सक डॉ. अनुज कुमार को भद्दी-भद्दी गालियां देने लगा,जिसका चिकित्सक द्वारा विरोध किए जाने पर मरीज ने मारपीट भी किया।अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों ने घटना की गहरी निंदा की।साथ ही मरीज के विरुद्ध थाने में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी भी दर्ज करवाई है।बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों डॉक्टर के साथ की गई मारपीट की घंटा की निंदा की है।वहीं पीड़ित मरीज एवं उसके परिजनों से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया,किंतु उनका पक्ष सामने नहीं आ पाया। क्या है मामला :- पीड़ित डॉ. अनुज कुमार ने बताया कि अदलबिगहा गांव निवासी अर्जुन यादव के 55 वर्षीय पुत्र सुरेश यादव के एक हाथ की अंगुली टूटी हुई थी,जिसका इलाज करवाने वे अपने परिजनों के साथ अस्पताल आए थे।बिना देरी किए हुए मरीज का प्राथमिक इलाज कर टूटी हड्डी को सही करने का प्रयास किया जाने लगा।अंगुली टूटने के दर्द से मरीज पहले से परेशान था और हड्डी बैठाने के क्रम में मरीज ने भद्दी-भद्दी गालियां देने लगा,जिसका चिकित्सक द्वारा विरोध किए जाने पर मरीज उग्र हो गया और मारपीट करने लगा।इसी क्रम में अस्पताल कर्मियों द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने पर पुलिस बल भी अस्पताल पहुंची,किंतु चिकित्सक द्वारा मरीज के अंगुली का ड्रेसिंग करके बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया।चिकित्सक ने बताया कि मरीज का स्वभाव बिल्कुल अभद्र था।इसके कारण अन्य मरीजों को भी काफी परेशानी हुई।चिकित्सक ने मरीज के विरुद्ध थाने को लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी भी दर्ज करवाया है। मारपीट के बाद घंटों स्वास्थ्य सेवा रही बाधित :- मरीज द्वारा डॉक्टर के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट को लेकर अस्पताल में पदस्थापित चिकित्सकों ने रोष जताया एवं प्राथमिकी दर्ज होने के बाद काम पर लौटने की बात कही।इधर अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों को शनिवार की रात्रि से लेकर रविवार की सुबह तक डॉक्टर का इंतजार करना पड़ा।हालांकि जीएनएम द्वारा मरीजों की देखभाल की जाती रही।रविवार को प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार द्वारा आवश्यक निर्देश दिए जाने के बाद अस्पताल में चिकित्सक पुनः अपने कार्यों में जुट गए। क्या कहते हैं थानाध्यक्ष :- इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर के साथ हुई मारपीट,अस्पताल में तोड़फोड़ एवं सरकारी कार्य में बाधा को लेकर मरीज सुरेश यादव के विरुद्ध लिखित आवेदन मिला है।लिखित आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है।

ड्रेसिंग रूम में चिकित्सक के साथ झड़प करते मरीज

स्वास्थ्य जांच शिविर का किया गया आयोजन

निज संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड के जेपी आश्रम सोखोदेवरा में रविवार को कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम कौआकोल में "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दर्जनों मरीजों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया गया। मौके पर पीएचसी प्रभारी डॉ० रामप्रिय सहगल,चिकित्सक डॉ० सचिन सक्सेना,स्वास्थ्यकर्मी पंकज कुमार,मोहन कुमार राजवंशी,जितेंद्र कुमार,एएनएम मीना कुमारी,शिल्पी कुमारी के अलावे ग्राम निर्माण मंडल के डॉ० भारत भूषण शर्मा,कृषि विज्ञान केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ अंगद कुमार,अनिल कुमार,विकास कुमार,पिंटू पासवान,सरवन रविदास आदि मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्र को ले गायत्री परिवार द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा

निज संवाददाता

कौआकोल। सोमवार से शुरु हो रहे शारदीय नवरात्र को लेकर कौआकोल प्रखण्ड में रविवार को गायत्री परिवार के द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में 2000 से अधिक महिला श्रद्धालुओं ने अपने अपने सर पर कलश रखकर बाजार का परिभ्रमण किया। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु जोगाचक गांव अवस्थित गायत्री ज्ञान मंदिर परिसर से निकल कर कौआकोल बाजार से ब्लॉक मोड़ होते हुए रानीबाजार अवस्थित सूर्य मन्दिर के पास पहुंचे। जहां श्रद्धालुओं ने अपने अपने कलश में विधिवत जल भरकर वहां से पुनः बीझो गांव होते हुए गायत्री मंदिर स्थित पूजा मण्डप पहुंच कर कलश को रखा गया। आयोजक ने बताया कि सोमवार को विधिवत रुप से स्थापित कर मां दुर्गा की आराधना एवं नौ दिनों तक पाठ की जाएगी। जबकि दिन में हवन एवं सांय काल में प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। इधर नवरात्र शुरू होते ही पूरे प्रखण्ड में भक्ति भाव का माहौल देखा जा रहा है।

» 2000 से अधिक महिला श्रद्धालुओं ने लिया कलश यात्रा में भाग

कलश यात्रा में सुरेश प्रसाद, श्रीचंद्र प्रसाद,सरिता देवी,नीलम देवी बजरंग दल के मुकेश कुमार समेत हजारों श्रद्धालुजन शामिल थे।

परमचक गांव में दो महीनों से खराब पड़ा है ट्रांसफार्मर,किसानों को हो रही परेशानी

निज संवाददाता

रजौली। प्रखंड क्षेत्र के अमावां पश्चिमी पंचायत के परमचक गांव में बीते दो महीनों से ट्रांसफार्मर खराब पड़ा हुआ है।इससे दर्जनों किसानों को खेती करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।किसान मनोज कुमार,नरेश कुमार,धर्मेंद्र कुमार,कृष्णदेव प्रसाद एवं कौशल किशोर समेत दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि उनके खेतों में धान व मक्का की फसल लगी हुई है।फसलों के बेहतर उत्पादन में पानी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है।क्षेत्र के किसान खेतों के पटवन के लिए पानी वाले मोटर पर ही निर्भर रहते हैं,क्योंकि बारिश का कोई ठिकाना नहीं होता है।बीते दो माह से ट्रांसफार्मर के खराब होने से खेतों तक पहुंचने वाला बिजली बाधित है।ट्रांसफार्मर के खराब होने की शिकायत बिजली विभाग को ऑनलाइन दर्ज कराई गई है,बावजूद अबतक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से किसान चिंतित हैं।किसानों को डर है कि पानी के आभाव में उनका फसल नष्ट ना हो जाए।फसल के नष्ट होने से किसानों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।पीड़ित किसानों ने बिजली विभाग के पदाधिकारियों से खराब पड़े ट्रांसफॉर्मर को बदलने की गुहार लगाई है। इस बाबत बिजली एसडीओ राहुल कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है,किंतु किसानों के द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया है कि किसानों की सुविधा हेतु जल्द ही खराब पड़े ट्रांसफॉर्मर की मरम्मती करवा लिया जाएगा।

खराब पड़ा ट्रांसफॉर्मर

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता " का आयोजन

निज संवाददाता

नवादा। भारत विकास परिषद शाखा नवादा के द्वारा नवादा के अहिवरन पैलेश के हॉल में " राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता " कार्यक्रम किया गया ।राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष रामचंद्र कुमार सोनी एवं मंच संचालन प्रांतीय संगठन मंत्री मुन्ना प्रसाद ने किया । प्रतियोगिता में चार विद्यालय के छात्राएं भाग लिया , जिसमें वैदिक वाद्य यंत्र तबला , ढोल , वीणा , हार्मोनियम पर देश भक्ति एवं लोकगीत प्रस्तुत की भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर वन्देमातरम गीत गाकर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय उपाध्यक्ष अभिषेक कुमार , एवं डॉक्टर मनोज बरनवाल रहे । प्रवेक्षक के रूप में प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रोफेसर रंजन आशुतोष शरण रहे और संगीत का निर्णायक मंडल उदय कुमार सिन्हा और रंजित कुमार रहे । सभी चारों विद्यालय का टीम का नामकरण नदी के नाम से किया गया । वन्देमातरम गीत में प्रथम स्थान मॉडर्न रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल , मिर्जापुर नवादा एवं द्वितीय स्थान दयाल पब्लिक स्कूल , पार नवादा रहा , लोकगीत में प्रथम स्थान, प्रोजेक्ट इंटर कन्या विद्यालय रहा एवं द्वितीय स्थान ,मॉडर्न रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल मिर्जापुर रहा , हिंदी संस्कृत गीत में प्रथम स्थान , मॉडर्न रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल , मिर्जापुर नवादा एवं द्वितीय स्थान दयाल पब्लिक स्कूल रहा । सभी समूह गान प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र , मेडल और शिल्ड देकर सम्मानित किया गया , प्रथम स्थान आने वाला मॉडर्न रेसिडेंशियल स्कूल , मिर्जापुर नवादा के छात्राएं 12 अक्टूबर को प्रांतीय प्रतियोगिता जो बाढ़ में होगा उसमें शामिल होगा । भारत विकास परिषद राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता प्रत्येक वर्ष कराती है इससे अपना भारतीय संस्कृति संगीत का बच्चों में विकास होता है भारत विकास परिषद का उद्देश्य ही सेवा , समर्पण , संस्कार समाज देना है , कार्यक्रम में सभी विद्यालय के छात्राएं का गार्जियन एवं स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहकर अपने विद्यालय के बच्चियों का उत्साहवर्धन किया ।

रजौली में जियो के ट्रांसफार्मर से छठ और दुर्गा पूजा श्रद्धालुओं को खतरा,प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

निज संवाददाता

रजौली। रजौली नगर पंचायत स्थित धनार्जाय नदी और छठ घाट के रास्ते में लगे जियो प्राइवेट कंपनी लिमिटेड के ट्रांसफार्मर ने इस साल शारदीय नवरात्र और आगामी छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस ट्रांसफार्मर के कारण नदी से कलश में जल भरने और छठ घाट तक जाने वाले श्रद्धालुओं को संभावित खतरे का सामना करना पड़ सकता है। यह मामला तब और गंभीर हो गया जब कुछ महीने पहले एक मजदूर को इसी जगह पर करंट भी लग गया था।स्थानीय निवासियों और विभिन्न धार्मिक समितियों ने प्रशासन से इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत ध्यान देने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। जान का खतरा और बार-बार टल रही सुनवाईः- श्री सूर्य नारायण देव मंदिर के उपाध्यक्ष जयंत सिंह ने बताया कि कुछ महीने पहले मंदिर में काम कर रहे एक मजदूर को करंट लगा था, जिसकी सूचना जियो के टेक्नीशियन विकास कुमार को दी गई थी। उन्होंने ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द हटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष मनीष सिंह ने इसे ग्रामीणों के लिए 'भारी रोष' का विषय बताया, खासकर छठव्रतियों के लिए यह मुख्य रास्ता है, जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है।छठ पूजा समिति के अध्यक्ष राजा सिंह ने बताया कि करीब एक साल से बिजली विभाग और जियो कंपनी के अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया जा रहा है, लेकिन वे बार-बार इस मामले को टाल रहे हैं। जियो के टेक्नीशियन विकास कुमार ने कहा कि अगर बिजली विभाग के एसडीओ चाहें तो जम्फर हटाकर 24 घंटे के भीतर ट्रांसफार्मर हटा सकते हैं। प्रशासन की ओर से आश्वासनः- थाने में रविवार को आयोजित शांति समिति की बैठक में श्री सूर्यनारायण देव मंदिर के अध्यक्ष संदीप वर्मा ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया।इस पर अंचल अधिकारी गुफरांन मजहरी ने एक लिखित आवेदन देने को कहा और समस्या का तत्काल निराकरण करने का आश्वासन दिया।विश्व हिंदू परिषद के नगर उपाध्यक्ष अरविंद विश्वकर्मा ने बताया कि कई बार पत्राचार के माध्यम से भी अधिकारियों को सूचित किया गया, लेकिन बिजली विभाग और जियो कंपनी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। बजरंग दल के प्रखंड संयोजक पिंटू कुमार वर्मा ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द वहां से हटाकर किसी दूसरे स्थान पर लगाया जाना चाहिए।इधर रजौली बिजली विभाग के एसडीओ राहुल कुमार ने बताया कि डिपॉजिट चार्ज वाले वर्क को स्यवं कराना होता है।उन्होंने बताया कि पिछले बार हीं डिवीजन पेपर बनाकर जिओ कंपनी को भेज दिया गया है, लेकिन जिओ कंपनी के लोग इसपर ध्यान नहीं दे रहे हैं।जिओ कंपनी वाले को सुपरविजन चार्ज जमा कर काम करना चाहिए,पेपर बनने के बाद भी जिओ कंपनी वाले अंदेखा कर रहें हैं।वैसे मंगलवार को स्थलीय निरीक्षण करेंगे,इस दौरान जिओ कंपनी वाले अधिकारी मौके पर मौजूद रहें और इस मामले का निष्पादित कराएं।

श्रद्धालुओं को नदी में प्रवेश करने वाले रास्ते में गड़ा गया ट्रांसफार्मर

» मुख्य रास्ता बाधित, छठव्रतियों और दुर्गा पूजा समिति में रोष, एक साल से नहीं हुई सुनवाई

दवा बिक्रेता संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष बने उमाशरण एवं उपाध्यक्ष बने विजय कुमार

निज संवाददाता

नरहट (नवादा)। रविवार को नरहट प्रखंड दवा विक्रेता संघ का चुनाव नरहट चांदनी चौक स्थित श्रीराम मेडिकल में संपन्न कराया गया। प्रखंड दवा विक्रेता संघ का चुनाव नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष राजन कुमार की अध्यक्षता में कराया गया। सर्व प्रथम नरहट दवा विक्रेताओं ने जिला से आये सभी पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। चुनाव प्रकिया में सर्वसम्मति से नरहट दवा विक्रेता संघ प्रखण्ड अध्यक्ष के पद पर उमा शरण गुप्ता को और उपाध्यक्ष के पद पर विजय कुमार का चयन किया गया। वहीं सचिव राकेश कुमार वर्मा एवं संयुक्त सचिव रणजीत कुमार उर्फ पप्पू, संगठन सचिव प्रमोद कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष मोहम्मद साबिर हसन उर्फ सब्बू का चयन किया गया। चुनाव के बाद चर्चा में प्रखंड दवा विक्रेता द्वारा जिला संघ को अवगत कराया गया कि नरहट में दर्जनों अवैध रूप से दवा दुकान और नर्सिंग होम का संचालन किया जा रहा है। लाइसेंसी दवा दुकान से अधिक मात्रा में दवा अवैध रूप वाली दवा दुकानों में रखी जाती है। औषधि निरीक्षक द्वारा समय समय पर सिर्फ लाइसेंसी दवा दुकानों की जांच करते हैं। बिना लाइसेंस की दवा दुकानों की जांच नहीं किया जाता है, जिससे कुकुरमुत्ता की तरह अवैध नर्सिंगहोम एवं दवा दुकान का संचालन किया जा रहा है। मौके पर दवा विक्रेता संघ जिलाध्यक्ष राजन कुमार, सचिव योगेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव मनोज कुमार मुन्ना, संगठन सचिव परवेज अख्तर, कोषाध्यक्ष पंकज कुमार चौरसिया आदि मौजूद थे।

जिला संघ के पदाधिकारी एवं अन्य

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम का निर्देश

निज संवाददाता

रजौली। दुर्गा पूजा को लेकर रजौली थाना परिसर में एसडीओ स्वतंत्र कुमार सुमन की अध्यक्षता में एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एसडीपीओ गुलशन कुमार, सीओ गुफरान मजहरी और थानाध्यक्ष राजेश कुमार सहित पूजा समितियों के आयोजक और स्थानीय लोग शामिल हुए।बैठक का मुख्य उद्देश्य शारदीय नवरात्र के दौरान शांति और सद्भाव बनाए रखते हुए पूजा-अर्चना कराना था। एसडीओ स्वतंत्र कुमार सुमन ने सभी आयोजकों से अपील करते हुए कहा कि पूजा को भाईचारे के साथ संपन्न कराया जाए। उन्होंने पूजा पंडालों के लिए कड़े दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें 100% लाइसेंस लेना अनिवार्य है। यह लाइसेंस पूजा शुरू होने से लेकर विसर्जन तक मान्य होगा।एसडीओ ने बताया कि सभी पूजा पंडालों में बिजली कनेक्शन, फायर सेफ्टी उपकरण और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पंडालों में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग रास्ते बनाने का निर्देश दिया गया है। विसर्जन के लिए पहले से निर्धारित मार्गों का ही उपयोग किया जाएगा, जिसमें किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा।एसडीपीओ गुलशन कुमार ने बैठक में यह स्पष्ट किया कि पूजा के दौरान डीजे पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।उन्होंने कहा कि उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रखने के लिए पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी और सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जाएगी। सभी पदाधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा मनाने की अपील की। बैठक में प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि रविंद्र कुमार उर्फ बबलू यादव,रजौली पश्चिमी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विनय सिंह, अरविंद कुमार विश्वकर्मा, राजकुमार यादव, जगदीश यादव, टूटू राय, कुंदन कुमार सहित पूजा समितियों के सदस्य व गाने मान्य व्यक्ति मौजूद थे।

शांति समिति की बैठक में मौजूद एसडीओ एवं सीडीपीओ व अन्य

संक्षिप्त समाचार

किसान की करंट लगने से मौत

गयाजी। शेरघाटी प्रखंड के योगापुर पंचायत अंतर्गत कदवा गांव में रविवार को खेत देखने गए किसान उदय कुमार (45 वर्ष), पिता सीता यादव की करंट लगने से मौत हो गई। खेत में घास के बीच गिरे बिजली के तार की चपेट में आने से किसान मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। परिजन जब तक पहुंचे, तब तक देर हो चुकी थी। उन्हें तुरंत शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई सुनील कुमार ने बताया कि उदय कुमार खेत में अकेले गए थे, जिससे समय रहते किसी की मदद नहीं मिल सकी। उनका कहना है कि खेतों में जगह-जगह जर्जर तार लटके रहते हैं, जिनकी मरम्मत बिजली विभाग द्वारा नहीं की जाती। इसी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। पूर्व मुखिया जितेंद्र यादव ने भी विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगर समय रहते तारों की मरम्मत नहीं की गई तो किसानों की जान पर खतरा बना रहेगा। उन्होंने प्रशासन और बिजली विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही शेरघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए गया के एएनएमसीएच भेज दिया गया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और ग्रामीणों में भी गहरी नाराजगी देखी जा रही है।्र

फल्गु नदी मे अपने पूर्वजों का मोक्ष की प्राप्ति के लिए किया तर्पण

मानपुर। मानपुर प्रखंड स्थित फल्गु नदी के पूर्वी छोर पर 17 दिवसीय पितृपक्ष मेला मे रविवार को अमावस्या के दिन पितरों को जल तर्पण के लिए सूर्योदय के साथ फल्गु तट पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब। दोपहर बाद तक पिंडदानियों का भीड़ जारी रहा। अपने पितरों के आत्मा की शांति व उनके मोक्ष प्राप्ति की कामना को लेकर देश के विभिन्न राज्यों से आये श्रद्धालुओं सहित शहर व जिले के मानपुर क्षेत्र के हजारों से अधिक लोगों ने पूरे विधि विधान व आस्था के साथ अपने पितरों को जल तर्पण किया। तर्पण करते हुए सतीश कुमार साहनी ने बताया कि 17 दिवसीय पितृपक्ष मेला के अंतिम दिन आश्विन मास के कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि को पितरों को जल तर्पण की परंपरा है। मानपुर मल्लाह टोली फल्गु नदी के पूर्वी तट पर प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में पिंडदानी लोग तर्पण करते हैं।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, रेड क्रॉस सोसाइटी भवन में 10 विशेषज्ञ डॉक्टर रहेंगे मौजूद

नालंदा। नालंदा में आज(रविवार) निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बिहार शरीफ स्थित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भवन में सुबह 7:30 से 9 बजे तक संचालित होगा। शिविर में 10 विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी मौजूद रहेंगे। बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निदान करेंगे। इसके अलावा हड्डी एवं नस के लिए डॉ. सुमित राज, तीन फिजिशियन डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. इंद्रजीत कुमार, आंखों के लिए डॉ. अरविंद सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि कुमार, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम, होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. गौतम कुमार और श्रवण संबंधी समस्याओं के लिए ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप कुमार सिंह भी उपलब्ध रहेंगे। यहां मधुमेह की जांच भी की जाएगी। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा नालंदा के सचिव राजेश कुमार ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं। अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच कराएं। स्वस्थ जीवन की ओर यह एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की यह साप्ताहिक पहल सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्था के इस प्रयास से न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा मिल रही है, बल्कि नियमित स्वास्थ्य जांच की संस्कृति भी विकसित हो रही है।

राजगीर में गरजे प्रशांत किशोर, कहा- आगे की तरक्की के लिए जन सुराज चाहिए

निज संवाददाता। नालंदा

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को नालंदा के राजगीर में आयोजित 'बिहार बदलाव सभा' को संबोधित किया। इन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर हमला बोला। पीटीजेएम कॉलेज मैदान में हजारों की संख्या में एकत्रित जनता के समक्ष किशोर ने कहा कि बिहार को अब सड़क-बिजली से आगे बढ़कर शिक्षा और रोजगार की गारंटी चाहिए। अपनी 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत विभिन्न जिलों में जनसंपर्क कर रहे प्रशांत किशोर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राजगीर नीतीश कुमार का गृह जिला है और यहां की स्थिति दूसरे जिलों से निश्चित रूप से बेहतर है। सड़क और बिजली की स्थिति अच्छी है, लेकिन शिक्षा, रोजगार और भ्रष्टाचार जो बिहार की मूल समस्याएं हैं, वे नालंदा में भी उतनी ही गंभीर हैं जितनी अन्य जिलों में।

नीतीश शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए: राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार के 20 साल के शासनकाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि नीतीश कुमार को 20 साल का अवसर मिला है। जो उनसे बन पड़ा, वह उन्होंने किया। अब वे शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं। नालंदा की जनता को दिख रहा है कि आगे की तरक्की के लिए जन सुराज चाहिए, नई व्यवस्था चाहिए। प्रशान्त किशोर ने मुख्यमंत्री के गृह जिले में भी शराबबंदी की असफलता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का गृह जिला होने का मतलब यह नहीं है कि यहां शराब नहीं बिक रहा। हर गांव, हर घर में शराब मिल रहा है। भ्रष्टाचार भी नालंदा में उतना ही है जितना दूसरे जिलों में।

नालंदा को फिर से ज्ञान की भूमि बनाने का संकल्प: ऐतिहासिक नालंदा विश्वविद्यालय की भूमि राजगीर में बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि यह बिहार के गौरव की भूमि है। बिहार का सबसे गौरवशाली इतिहास नालंदा से जुड़ा है। जन सुराज का सपना है कि बिहार को फिर से ज्ञान की भूमि बनाया जाए और इस परिकल्पना में नालंदा की भूमिका सबसे बड़ी है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि अब सड़क-बिजली-पानी से ऊपर उठकर बच्चों की पढ़ाई और रोजगार के लिए वोट कीजिए। नई व्यवस्था बनाइए और किसी भी हालत में लालटेन को वापस जलने मत दीजिए।"

बच्चे कलम को सरस्वती मानते: प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल पर भी तीखा हमला बोला। हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का कलम फेंकना उनके चरित्र को दिखाता है। हम बिहार के बच्चे कलम को सरस्वती मानते हैं, इसकी पूजा करते हैं। यह आदमी मां सरस्वती के स्वरूप कलम को हवा में फेंक रहा है। इस बार जनता इन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने आरजेडी को "अपहरण, रंगदारी और गुंडागर्दी वाली पार्टी" बताया और कहा कि "शेर बूढ़ा भी हो जाए तो घास नहीं खाता, मांस ही खाता है।" प्रशांत किशोर ने दावा किया कि वे राजगीर में पहली बार नहीं आए हैं और पहले भी नीतीश कुमार के साथ यहां आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि लोग समझ गए हैं कि बुनियादी ढांचे के विकास के बाद अब शिक्षा और रोजगार पर फोकस करना जरूरी है। सभा में उपस्थित जनता के बीच जन सुराज के नारे गूंजते रहे और लोगों ने प्रशांत किशोर के भाषण का जोरदार स्वागत किया।

मृतक के परिजनों से मिले बसपा प्रभारी

निज संवाददाता। गुरुआ

गुरुआ प्रखंड के पलुहारा पंचायत के दुब्बी गांव के मजदूर शिव चौधरी का तीन दिन पहले अचानक पेट दर्द होने पर इलाज के दौरान मौत हो गया था जिससे पीड़ित परिवार काफी आहत है इस घटना की खबर पाकर रविवार को बसपा के जिला प्रभारी राघवेंद्र नारायण यादव ने अपने समर्थकों के साथ दुब्बी गांव में पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिलकर सांत्वना दिया इसके साथ ही इस दुःख की घड़ी में धैर्य पूर्वक रहने की ढ़ाढ़स दिया। इस संबंध में बसपा प्रभारी राघवेंद्र नारायण यादव ने बताया कि हमलोग मृतक के परिजन को सरकारी सहायता दिलाने के लिए एक बार जिला प्रशासन से मिलकर गुहार लगाएंगे। इस मौके पर बसपा उपाध्यक्ष बजाहत परवेज खान, भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सौरभ राज, गुप्ता यादव, अनिल पासवान, राजेश गुप्ता, रवि पासवान योगेंद्र यादव, पप्पू यादव उर्फ पप्पू ट्रिक, राकेश कुमार चौधरी, बसपा नेत्री गणिता यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

समुदाय के सदस्यों से एकजुट रहने का आह्वान कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति की बैठक

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति ने बिहार शरीफ स्थित रित मोटल मंगला में बैठक की और अपनी एकजुटता दिखाई। बैठक में समुदाय के प्रमुख नेताओं ने चुनावी रणनीति और सामुदायिक विकास के मुद्दों पर गहरी चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रवेश कुमार पंडित ने समुदाय के सदस्यों से एकजुट रहने का आह्वान किया। समिति के अध्यक्ष सुबोध पंडित ने चुनावी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कहा कि यह चुनावी समर है। जब तक समाज की ओर से कोई स्पष्ट आह्वान नहीं होता है, तब तक आप लोग किसी भी राजनीतिक पार्टी को साथ देने का वचन न दें।

जल्द छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा: संगठन के सचिव संजीव कुमार बिट्टु ने बैठक में एक उत्साहजनक घोषणा की।

उन्होंने बताया कि समाज द्वारा खरीदी गई जमीन पर बहुत जल्द छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। यह पहल समुदाय की शैक्षणिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आप सभी संगठित रहें। एकता में ही हमारी असली शक्ति है। बैठक में नालंदा जिले के सभी प्रखंडों से प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रमुख उपस्थित व्यक्तित्वों में ओम प्रकाश पंडित, नरेश पंडित, सुनील पंडित, सुजीत पंडित, राजीव रंजन पंडित, प्रवीण पंडित, प्रदुमन कुमार, अर्जुन पंडित, रमेश पंडित, रणधीर पंडित और अरविंद पंडित शामिल थे।

डोभी-गया मार्ग पर सड़क हादसे में वृद्ध की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

निज संवाददाता। शेरघाटी/गयाजी

डोभी-गया मुख्य मार्ग पर रविवार सुबह करमौनी स्थित कुरुमडीह मोड़ के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। सुबह लगभग सात बजे एक तेज रफ्तार हाईवा ने 65 वर्षीय सिवल मांझी, निवासी पंडरी, को टक्कर मार दी। हादसे में मांझी की मौके पर ही मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी और शोक का माहौल बन गया।हादसे की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने गुस्से में सड़क पर टायर जलाकर जाम कर दिया। देखते ही देखते गया-डोभी मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। इस दौरान बस, ट्रक, कार और दोपहिया वाहनों में सवार यात्रियों को भीषण परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई यात्री घंटों तक भूखे-प्यासे सड़क पर ही फंसे रहे और बच्चे व बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान दिखे।

गर्मी और धूप से यात्रियों की हालत और खराब होती चली गई। इधर, सूचना मिलते ही डोभी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। हालात बिगड़ते देख बीडीओ लक्ष्मण कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों को पारिवारिक लाभ योजना के तहत 20 हजार रुपये का चेक सौंपा और आपदा प्रबंधन से मुआवजे की राशि शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्रशासनिक पहल और मुआवजे की घोषणा के बाद ग्रामीण शांत हुए और जाम समाप्त कराया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल, गया भेज दिया।

हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं, लोगों ने प्रशासन से मांग की कि सड़क हादसों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और तेज रफ्तार वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

सीताकुण्ड सफाई में लेवर घोटाले का आरोप, पार्षद ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

निज संवाददाता। मानपुर

गया नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-53 के पार्षद हसनैन अली ने सीताकुण्ड की सफाई कार्य में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। नगर आयुक्त व महापौर को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि पहली पाली में 50 और दूसरी पाली में 50 लेवर सफाई कार्य के लिए तैनात किए जाने का आदेश था, लेकिन मौके पर पहली पाली में 24 लेवर और दूसरी पाली में 22-23 लेवर ही पाए गए।

पार्षद ने बताया कि जब इस मामले में उन्होंने संबंधित कर्मियों से बात की तो गोलमोल जवाब दिया गया। वहीं, उमाजी नामक अधिकारी ने यह कहते हुए पल्ला झाड़ लिया कि जितने लेवर दिए गए हैं, वही पर्याप्त हैं। पार्षद ने आरोप लगाया कि निगम के कुछ लोग फर्जी लेवर दिखाकर पैसा बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मांग की है कि रोजाना 50 लेवर की उपस्थिति की जांच की जाए और उनकी हाजिरी ऑनलाइन पैनल के माध्यम से दर्ज की जाए। साथ ही यदि गड़बड़ी पाई जाए तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पार्षद ने चेतावनी दी कि यदि मामले की पारदर्शी जांच नहीं हुई तो वह जनहित में आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पितृपक्ष मेला के अंतिम दिन डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने फल्गु तट पर किया विशेष पूजा-अर्चना

निज संवाददाता। गयाजी

पितृपक्ष मेला महासंगम के अंतिम दिन बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गया के फल्गु तट पर विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पितरों और देश के वीर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए जल तर्पण किया। मंदिर परिसर में पुजारियों और श्रद्धालुओं ने उप मुख्यमंत्री का पारंपरिक स्वागत किया। सिन्हा ने सीताकुंड मंदिर और विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में तुलसी अर्चना की। इसके बाद उन्होंने तीर्थयात्रियों में फल वितरण किया और सरकारी व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि पितृपक्ष हमें पूर्वजों के आशीर्वाद और उनके महत्व को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि गया की आध्यात्मिक परंपरा अद्वितीय है और यह स्थान न केवल बिहार बल्कि संपूर्ण भारत की आस्था का केंद्र है। विष्णुपद मंदिर हिंदू धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु पिंडदान और तर्पण के लिए आते हैं। उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार जनता के विकास और आस्था के केंद्रों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मंदिर की आस्था और परंपरा ने इसे देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख तीर्थस्थल बना दिया है। साथ ही, सर्किट हाउस में डिप्टी सीएम ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेता संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहे हैं और राजनीति को अपनी जागीर समझते हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर सीधे टिप्पणी की और कहा कि ये नेता परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे हैं तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। वोटर आईडी विवाद पर डिप्टी सीएम ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि संबंधित क्षेत्र से नाम हटाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस मुद्दे को बेवजह तूल दे रहा है। सिन्हा ने जनता से अपील की कि वे अफवाहों और भ्रामक प्रचार से दूर रहें और सरकार के विकास कार्यों पर भरोसा बनाए रखें। डिप्टी सीएम ने अंत में कहा कि सरकार विकास और सुशासन पर ध्यान केंद्रित कर रही है और विपक्षी बिना प्रमाण के आरोप लगाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है।

दुर्गा पूजा पंडालों के लिए अस्थायी बिजली कनेक्शन अनिवार्य

निज संवाददाता। नालंदा

शारदीय नवरात्र को लेकर नालंदा में दुर्गा पूजा की तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के चौक-चौराहों से लेकर प्रखंड मुख्यालयों तक पूजा पंडालों का निर्माण हो रहा है। वहां आकर्षक सजावट और चकाचौंध भरी रोशनी का इंतजाम किया जा रहा है। इस बार पूजा समितियों के लिए बिजली विभाग ने अस्थायी कनेक्शन लेना अनिवार्य कर दिया है। इसलिए अपने पंडालों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाने से पहले अब समितियों को अस्थाई कनेक्शन लेना होगा।

पैकेज रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं: राज्य विद्युत बोर्ड ने पूजा पंडालों के लिए तीन दिवसीय अस्थायी बिजली कनेक्शन की पैकेज दरें निर्धारित कर दी हैं। पूजा समितियों के लिए राहत की बात यह है कि इस साल की दरें पिछले साल के समान ही रखी गई हैं। इससे आयोजकों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

अस्थाई कनेक्शन के लिए पैकेज दरें: नियमानुसार, पंडालों में लगने वाले बिजली लोड के आधार पर कनेक्शन लेना होगा। एक किलोवाट के लिए 2,049 रुपए, दो किलोवाट के लिए 2,990 रुपए, तीन किलोवाट के लिए 4,004 रुपए और 20 किलोवाट तक के लिए 22,716 रुपए का भुगतान करना होगा। पिछले साल शहरी क्षेत्र की लगभग 142 पूजा समितियों ने अस्थायी बिजली कनेक्शन लिया था।

सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की अपील: बिजली विभाग ने पूजा समितियों से पंडाल निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। शॉर्ट सर्किट जैसी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पंडालों में केवल उच्च गुणवत्ता के पीवीसी सर्विस वायर का ही उपयोग करें। इसके अतिरिक्त पंडाल निर्माण के दौरान एलटी और 11 हजार वोल्ट की लाइनों से कम से कम तीन फीट की दूरी बनाए रखने की हिदायत दी गई है।

घटिया गुणवत्ता के तारों का उपयोग नहीं करने दी सलाह: बिहारशरीफ शहरी डिविजन के कार्यपालक अभियंता विकास कुमार ने पूजा समितियों से नियमों का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया। वहीं, बिहारशरीफ ग्रामीण डिविजन के कार्यपालक अभियंता रूपक कुमार का कहना है कि, समिति सदस्यों को कटे-फटे या घटिया गुणवत्ता के तारों का उपयोग न करने की सलाह दी जा रही है। "हमारा मुख्य उद्देश्य पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की बिजली संबंधी दुर्घटना से बचाव है।

निर्बाध विद्युत आपूर्ति की तैयारी: दुर्गा पूजा के दौरान अबाधित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग व्यापक तैयारियों में जुटा है। डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफार्मरों की अर्थिंग और अन्य तकनीकी खामियों को दूर किया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जहां-जहां पूजा पंडाल बनाए जा रहे हैं, वहां की वायरिंग की मरम्मत का काम चल रहा है।

आवेदन प्रक्रिया जल्द होगी शुरू: बिजली विभाग की ओर से बताया गया है कि अस्थायी कनेक्शन के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। पूजा समितियों को इसके लिए औपचारिक नोटिस भी जारी किया जाएगा। विभाग का आग्रह है कि समितियां समय रहते आवेदन करें ताकि पूजा से पहले कनेक्शन की व्यवस्था पूरी हो सके।

संक्षिप्त समाचार

अनियंत्रित अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मां की मौत बेटा सहित दो जख्मी

करगहर(रोहतास)। थाना क्षेत्र के सासाराम चौसा पथ में करगहर पांडेय पुल के समीप रविवार को एक अज्ञात वाहन ने तीन लोगों को रौंद दिया । जिन्हें स्थानीय लोगों ने सीएचसी में भर्ती कराया । जहां चिकित्सकों ने जांचोपरांत महिला को मृत घोषित कर दिया । जबकि दो को प्राथमिक उपचार के बाद मुक्त कर दिया । घटना के संबंध में बताया जाता है कि बड़हरी थाना क्षेत्र के महेशपुर निवासी सुनिल गोस्वामी के पुत्र नीतीश कुमार गोस्वामी अपनी मां गीता देवी और चेनारी थाना क्षेत्र के मुजियां निवासी जीजा अमित कुमार के साथ मार्केटिंग करने के लिए बाजार आ रहा था । इस बीच पीछे से तेज गति से आ रहे एक अनियंत्रित पिकअप ने टक्कर मार दी । जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गया । घटना को अंजाम देकर चालक वाहन लेकर फरार हो गया।चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर चंदन कुमार ने बताया कि महिला के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हुई है । पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया ।

प्रबंधन अध्ययन संकाय द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का सफल आयोजन

डेहरी /रोहतास।गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय 2025 बैच के नवागंतुक छात्रों के स्वागत हेतु एक जीवंत और यादगार फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देव मंगल सभागार में आयोजित हुआ जो परंपरा, प्रतिभा और एकता का उत्सव था। सत्र की शुरुआत गणेश वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई, जिसमें सफल शैक्षणिक यात्रा के लिए आशीर्वाद की कामना की गई। कार्यक्रम में प्रबंधन संकाय के डीन प्रोफेसर विवेक शर्मा ,परीक्षा नियंत्रक डॉ कुमार आलोक प्रताप, अकादमी निदेशक सुदीप कुमार सिंह ,संकाय सदस्य प्रोफेसर सुधांशु वर्मा, प्रोफेसर रजनीश रत्न, प्रोफेसर राजीव रंजन एवं जनसंपर्क अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे। सम्मानित अतिथियों ने नवागंतुकों को हार्दिक शुभकामनाएं और प्रेरणादायक संदेश दिए जिसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन और समग्र विकास के महत्व को रेखांकित किया गया। इस आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला रही जिसमें जोशीले नृत्य, मधुर गीत और प्रभावशाली कविता पाठ शामिल थे, जो छात्रों की विविध प्रतिभाओं को उजागर करते थे। शाम का मुख्य आकर्षण था मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर प्रतियोगिता रही जिसका मूल्यांकन रंधीर कुमार कर्ण और मोहम्मद गौहर हसनैन द्वारा किया गया। परिचय, प्रतिभा प्रदर्शन और प्रश्नोत्तर के उत्साही दौर के बाद, यह प्रतिष्ठित उपाधियाँ बीबीए हेतु मिस्टर फ्रेशर राजप्रताप सिंह एवं मिस फ्रेशर प्राची तथा एमबीए हेतु मिस्टर फ्रेशर रवि कुमार एवं मिस फ्रेशर साक्षी को प्रदान की गईं, जिन्होंने अपने आत्मविश्वास और आकर्षण से निर्णायकों को प्रभावित किया। फ्रेशर पार्टी का संयोजन फैकल्टी मेम्बर मिसेज पम्मी कुमारी, मिस्टर निखिल निशांत एवं मिस स्वाति राज सिंह के निर्देशन में हुआ। इस अवसर पर समस्त फैकल्टी मेम्बर एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और उत्साहपूर्ण डीजे सत्र के साथ हुआ, जिससे छात्रों को यादगार पल और एफ एम एस परिवार से जुड़ाव की गहरी अनुभूति मिली।

पुलिस ने दो एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राजपुर ,रोहतास । राजपुर प्रखंड के बघैला थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रिया गांव से पुलिस ने दो एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । गिरफ्तार अभियुक्त में भोला सिंह उर्फ भोला महतो उम्र करीब 57 वर्ष पिता स्वर्गीय कन्हैया सिंह एवं शनिचरी देवी उम्र करीब 55 वर्ष पति भोला सिंह उर्फ भोला महतो शामिल है । गिरफ्तार दोनों अभियुक्त के विरुद्ध सासाराम कोर्ट से एनबीडब्ल्यू वारंट निर्गत था । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष करण कुमार ने दी ।

सभी पूजा पंडालों में बिजली का कनेक्शन लेना किया अनिवार्य : विद्युत कार्यपालक अभियंता

सासाराम/ रोहतास । विद्युत विभाग ने दुर्गा पूजा पंडालों में अस्थाई बिजली कनेक्शन लेना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए विद्युत विभाग द्वारा पूजा पंडाल कमिटी को अस्थायी कनेक्शन हेतु फॉर्म भी उपलब्ध कराया जा रहा है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने बताया कि शहर एवं ग्रामीण इलाकों में जितने भी पूजा पंडाल बनेंगे वहां बिजली आपूर्ति व्यवस्था को पूजा शुरू होने से पहले ही दुरुस्त कर दिया जाएगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की पूजा समितियां पंडाल में खपत के अनुमान और भार के अनुसार बिजली कनेक्शन ले सकती है। पूजा समितियां को एक किलोवाट के कनेक्शन के लिए 2049, दो किलोवाट के लिए 2990, तीन किलोवाट के लिए 4004 रुपए देने होंगे। तीन किलोवाट से अधिक भार के कनेक्शन पर अलग अलग दर निर्धारित है। दुर्गापूजा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु बिजली कंपनी के कर्मियों को फीडर, एलटी लाइन और ट्रांसफार्मरों की पूरी तरह जांच कर मरम्मत करने का निर्देश दिया गया है ताकि पूजा के दौरान तार टूटने, आपूर्ति बंद होने की संभावना नहीं रहे। उन्होंने बताया कि पूजा पंडालों में अस्थाई कनेक्शन के लिए पूजा समिति को विद्युत सब डिवीजन में आवेदन देना होगा। यदि पंडालों के समीप या किसी जगह पर फॉल्ट आता है, तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा। इसके लिए भी विद्युत बोर्ड द्वारा तैयारी पूर्ण कर ली गयी है। उन्होंने साफ कहा कि दुर्गापूजा समितियां संबंधित अवर प्रमंडल से संपर्क स्थापित कर अस्थायी कनेक्शन ले लें। बिना कनेक्शन लिए बिजली का उपयोग करने पर कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई से बचने के लिए अस्थायी बिजली कनेक्शन लेना जरूरी है। अवैध कनेक्शन से बिजली उपयोग करने पर शॉर्ट सर्किट या अन्य दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वैध कनेक्शन जरूरी है। बिजली की चोरी के कारण राजस्व का नुकसान होगा। पूजा समितियों को संबंधित अवर प्रमंडल के पास आवेदन करना होगा ताकि जांच के बाद कनेक्शन दिया जा सके। बिना कनेक्शन के बिजली का उपयोग करना नियमों का उल्लंघन है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिजली का दुरुपयोग रोकने के लिए अस्थाई कनेक्शन अनिवार्य किया गया है। विद्युत विभाग के अधिकारी पूजा पंडालों की जांच करेंगे। जिस पंडाल में बिना कनेक्शन के बिजली उपयोग किया जा रहा होगा उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

सेवा पर्व के तहत वन विभाग ने मंगरवलिया स्कूल में किया पौधारोपण

» डीएफओ मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में छात्रों के बीच कराया क्विज प्रतियोगिता

राजपुर। रोहतास वन प्रमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में वन विभाग द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पर्व मनाया जा रहा है.जिसके तहत शनिवार को क्षेत्र अंतर्गत मंगरवलिया मिडिल स्कूल प्रांगण में 225 पौधे का रोपण किया गया. जानकारी देते हुए रेंज ऑफीसर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि सेवा पर्व अभियान वन विभाग मना रहा है.इसके तहत मंगरवलिया स्कूल प्रांगण में वनपाल संतोष कुमार,वनरक्षी अनिश कुमार, विकाश कुमार एवं अन्य वन कर्मियों,जनप्रतिनिधियों,शिक्षक एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति में 225 पौधा का रोपण किया गया.जिसके उपरांत छात्रों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया. यह अभियान विभाग द्वारा दो अक्टूबर तक अनवरत जारी रहेगा.

प्रबंधन अध्ययन संकाय द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का सफल आयोजन

निज संवाददाता

सासाराम, रोहतास। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय ने 2025 बैच के नवागंतुक छात्रों के स्वागत हेतु एक जीवंत और यादगार फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम देव मंगल सभागार में संपन्न हुआ और परंपरा, प्रतिभा तथा एकता का उत्सव बना। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई, जिसमें छात्रों की शैक्षणिक सफलता और उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद की कामना की गई। समारोह में प्रबंधन संकाय के डीन प्रोफेसर विवेक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुमार आलोक प्रताप, अकादमी निदेशक सुदीप कुमार सिंह, संकाय सदस्य प्रोफेसर सुधांशु वर्मा, प्रोफेसर रजनीश रत्न, प्रोफेसर राजीव रंजन एवं जनसंपर्क अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सम्मानित अतिथियों ने नवागंतुक छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएं और प्रेरणादायक संदेश दिए। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन और समग्र विकास के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को अपने लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में उत्साहित किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी भरपूर श्रृंखला रही। जोशीले नृत्य, मधुर गीत और प्रभावशाली कविता पाठ ने छात्रों की विविध प्रतिभाओं को दर्शाया और कार्यक्रम में उत्साह का वातावरण बनाए रखा। शाम का मुख्य आकर्षण रहा मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर प्रतियोगिता। इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन रंधीर कुमार कर्ण और मोहम्मद गौहर हसनैन ने किया। परिचय सत्र, प्रतिभा प्रदर्शन और प्रश्नोत्तर के उत्साही दौर के बाद, बीबीए के लिए मिस्टर फ्रेशर राजप्रताप सिंह एवं मिस फ्रेशर प्राची और एमबीए के लिए मिस्टर फ्रेशर रवि कुमार एवं मिस फ्रेशर साक्षी को यह प्रतिष्ठित उपाधियाँ प्रदान की गईं। उन्होंने अपने आत्मविश्वास और आकर्षण से निर्णायकों और दर्शकों दोनों को प्रभावित किया। फ्रेशर पार्टी का संयोजन फैकल्टी मेंबर्स मिसेज पम्मी कुमारी, मिस्टर निखिल निशांत और मिस स्वाति राज सिंह के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में समस्त फैकल्टी मेंबर्स और शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता के लिए अकोढ़ी गोला में साइकिल रैली का आयोजन

निज संवाददाता

(अकोढ़ी गोला) रोहतास। रोहतास जिले के 212 डेहरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अकोढ़ी गोला प्रखंड में मतदाता जागरूकता अभियान (SVEEP) के तहत एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन ने किया। रैली अकोढ़ी गोला प्रखंड कार्यालय से शुरू होकर अकोढ़ी गोला बाजार तक निकाली गई।इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, सभी पंचायतों के पंचायत सचिव, आवास सहायक, शिक्षक, और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का उद्देश्य मतदाताओं को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करना और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना था।यह आयोजन SVEEP कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर मतदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

महिला रोजगार योजना के नाम पर लिए जा रहे पैसे

निज संवाददाता

» लाभ दिलवाने के नाम पर जीविका दीदी के सीएम ने लिए पैसे

अकोढी गोला (रोहतास)। महिला रोजगार योजना के नाम पर बड़ा खेल खेला जा रहा है इस योजना के लाभ दिलवाने के नाम पर पैसे लिए जा रहे हैं। ताजा मामला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पकड़िया पंचायत के महुअरी और बुधुआ गांव से है। जहां पर जीविका समूह के सीएम के द्वारा महिला रोजगार योजना का लाभ (10000) दिलवाने के नाम पर प्रति महिला से 1000 रुपए मांग की गई तथा लि भी गई है। पत्रकारों से बातचीत में कई महिलाओं ने बताया कि जीविका संगठन के सीएम जो कि बुधुआ , महुअरी गांव में विभिन्न समूह का संचालन करती है उसके द्वारा पैसों की मांग की गई है, यही नहीं जीविका दीदियों का बैठक कभी समय पर नहीं होता है,, सप्ताह और महीने में जमा की जाने वाली पैसे महिलाओं के डायरी पर मेंटेन नहीं होता है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि समूह के सीएम द्वारा मनमानी ढंग से समूह का संचालन की जाती है। मामला प्रकाश में आने तथा वीडियो वायरल होने पर डेहरी अनुमंडल पदाधिकारी निलेश कुमार ने अकोढी गोला प्रखंड विकास पदाधिकारी को जांच के आदेश दिए है। इस मामले में जीविका के सीएम ने कहा कि बकाया पैसे जीविका दीदियों से मांगा गया है, योजना का लाभ के लिए पैसे नहीं मांगी गई है।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

निज संवाददाता

अकोढ़ी गोला (रोहतास)। दरिहट थाना परिसर में आगामी दुर्गा पूजा को लेकर शनिवार को थानाध्यक्ष रवि रंजन प्रियदर्शी की अध्यक्षता में पूजा कमिटी, जनप्रतिनिधि व समाजसेवी की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवनियुक्त थानाध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन सभी पूजा कमिटी को सख्ती के साथ करना होगा, आयरकोठा थाना क्षेत्र में 11 स्थलों पर पूजा पंडाल बनेगी, लाइसेंस लेना अनिवार्य है,विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था के लिए मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पुलिस बल को तैनात किया जाएगा। बैनर पर पूजा समिति व सदस्यों के नाम और मोबाइल नंबर अंकित करना। रात्रि 10:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी आग और बिजली से बचाव के लिए समुचित व्यवस्था। भीड़ का अनुमान, विसर्जन स्थल, समय और रूट चार्ट की जानकारी पहले से उपलब्ध कराना। किसी भी प्रकार के राजनीतिक या धार्मिक उन्माद से बचाव। जिप सदस्य नथुनी पासवान, मनोज गुप्ता, राजेन्द्र सिंह, राजाराम पाल, सुभाष कुमार उर्फ मिठू सिंह,उपमुखिया गुप्तेश्वर सिंह,धनोज सिंह,संजीत कुमार, प्रमेन्द्र यादव,सोनू कुमार, कृष्णा गुप्ता उर्फ सर जी,उमा चंद्रवंशी, सतेंद्र सिंह,चंदन कुमार,उदय कुमार,धनजी कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

अनुमंडल क्षेत्र के सभी कस्बों में शारदीय नवरात्र सह दुर्गापूजा को लेकर माहौल हुआ भक्तिमय

निज संवाददाता

बक्रिमगंज/रोहतास । अनुमंडल क्षेत्र के सभी कस्बों में शारदीय नवरात्र सह दुर्गापूजा को लेकर माहौल भक्तिमय हो गया है । अनुमंडल के बिक्रमगंज मुख्यालय समेत राजपुर,नासरीगंज, कारा काट,दिनारा,संझौली,सूर्यपुरा,दावथ व अन्य शहरी व ग्रामीण कस्बों में भी दुर्गापूजा पंडाल निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है । जगह-जगह पर आकर्षक पंडालों और भव्य प्रतिमाओं को तैयार करने में पूजा समितियां दिन-रात जुटी हैं ।

भक्तों ने की कलश स्थापना की पूरी तैयारी :-मां दुर्गा की आराधना के लिए सभी भक्तों ने अपने-अपने घरों में कलश स्थापित करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं । रविवार को अनुमंडल क्षेत्र के सभी कस्बों में पूजन सामग्री,मिट्टी के कलश,नारियल,चुनरी,आम पत्ता, वस्त्र,पुष्प,फल एवं मिष्ठान आदि की खरीदारी के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी । इससे पूरे दिन बाजारों में रौनक बनी रही ।

सोमवार को माता शैलपुत्री का होगा पूजन :-नवरात्र के प्रथम दिन सोमवार को अहले सुबह से ही भक्त कलश स्थापना कर नवदुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री का पूजन-अर्चन करेंगे । श्रद्धालुओं में इसे लेकर गहरा उत्साह है । हर गली-मोहल्ले में भक्तिमय वातावरण के साथ देवी गीत गूंज रहे हैं ।

सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर अनुमंडल प्रशासन सतर्क :-दुर्गापूजा के दौरान भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की है । एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि दुर्गापूजा के अवसर पर अनुमंडल के सभी पंडालों व मुख्य बाजारों में साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं और विधि-व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है । पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं । श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी । वहीं एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने कहा कि दुर्गापूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक योजना बनाई गई है । सभी प्रमुख पंडालों व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी । यातायात व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया है । किसी भी तरह की अफवाह या अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है ।

धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी :-पंडालों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी तैयारी चल रही है । कई जगहों पर झांकी,भजन-कीर्तन, देवी जागरण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन होगा,जिससे वातावरण और भी भक्तिमय बनेगा ।

लड्डुई गांव के ग्रामीणों ने किया वोट बहिष्कार का किया एलान

निज संवाददाता

करगहर (रोहतास) । अधिकारियों के तानाशाही रवैए के कारण लड्डुई गांव में निर्माण हो रहे पंचायत सरकार भवन का कार्य रोक अकोढ़ी गांव में निर्माण करने के निर्णय से आक्रोशित ग्रामीणों ने वोट का बहिष्कार किया है । ग्रामीण वशिष्ठ मुनि सिंह राम प्रवेश सिंह चराचार पति सिंह , तेज बहादुर सिंह ,यदु कहार , संजय महतो , कुमुद रंजन भारती , प्रमोद राम , फूलचंद राम ,महेंद्र खरवार ,दशरथ महतो ,आशिक मियां आदि ने बताया कि पंचायत सरकार भवन निर्माण के लिए लड्डूई गाव में स्थित बिहार सरकार की भूमि की जांच कर अंचलाधिकारी द्वारा 30 डिसमिल जमीन का एन ओसी दिया गया । तत्पश्चात विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में ले आउट कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया । उन्होंने बताया कि सरकार भवन परिसर में आने-जाने के लिए पुल निर्माण, मिट्टी भराई , सबमर्सिबल और कलम निर्माण का कार्य किया गया । इस बीच अधिकारियों द्वारा कार्य रोक कर पंचायत सरकार भवन अकोढ़ी में निर्माण का आदेश दिया गया । अधिकारियों के मनमानी पूर्ण रवैए से बिफरे ग्रामीणों ने एक बैठक आयोजित की गई । जिसमें निर्णय लिया गया कि आगामी विधानसभा चुनाव में ग्रामीण मतदान का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने बताया कि मतदान बहिष्कार में लड्डुई, बिशनपुर गांवों के साथ पांडेपुर , जलवाइयां और महेशपुर के ग्रामीणों ने सहयोग देने का ऐलान किया है ।

दुर्गापूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित,डीजे पर प्रतिबंध, प्रशासन की ओर से गोताखोरों का पुख्ता इंतजाम

निज संवाददाता

कारकाट/ रोहतास । रविवार को कारकाट थाना परिसर में दुर्गापूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक में मुख्य रूप से बीडीओ राहुल कुमार सिंह,कारकाट थाना के एसआई मिथलेश कुमार राम व रोहित कुमार सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं पूजा समिति अध्यक्ष व सचिवों ने हिस्सा लिया । इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने बैठक में शांति पूर्वक दुर्गापूजा पर्व आयोजित करने का निर्देश दिया । उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा पर्व के दौरान पूजा पंडाल पर किसी प्रकार का डीजे बजाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा । पूजा समिति को भी इस बात का ख्याल रखना होगा कि पूजा पंडाल में किसी प्रकार का भगदड़ न हो । कमिटी द्वारा वॉलिंटियर का भी व्यवस्था हो एवं सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन के अनुसार ही दुर्गापूजा में कोई समारोह आयोजित किया जाय । बीडीओ ने बताया कि क्षेत्र के हर पंडाल में कमेटी द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर की व्यवस्था करना है । एसआई रोहित कुमार ने कहा कि त्योहार को सौहार्द्रपूर्ण और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को कहा । मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह,एसआई मिथलेश कुमार राम,रोहित कुमार,पुलिस अधिकारी,पुलिस कर्मी,जेडीयू नेता जयशंकर पटेल,बीडीसी अजय साह, जितेंद्र कुमार पाल,सरपंच राजेंद्र राम, जनार्दन राम,अनिल गुप्ता,बीस सूत्री उपाध्यक्ष आशुतोष सिंह,चंदन कुमार सिंह,धीरज कुमार,रॉकी रोशन, कौशल कुमार,रविंद्र,कन्हैया,गंगा दयाल सहित अन्य लोग थे ।

धर्मान्तरण रोकने को विहिप सख्त, उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

निज संवाददाता

डेहरी-ऑन-सोन,(रोहतास) ।विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के शिष्टमंडल ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर रोहतास जिले में सक्रिय जेम्स संस्था पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।शिष्टमंडल में विहिप के प्रांत मंत्री संतोष सिसौदिया तथा रोहतास जिला मंत्री यश उपाध्याय शामिल थे। उपमुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि 7 सितंबर को डेहरी ऑन सोन स्थित जेम्स संस्था के होस्टल में रहने वाली बच्चियों के साथ दुराचार की गंभीर घटना सामने आई। घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे संस्था की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है। विहिप नेताओं ने आरोप लगाया कि जेम्स संस्था वर्षों से लोभ, लालच और प्रलोभन देकर अनेक जिलों में धर्मान्तरण की गतिविधियां चला रही है। पहले भी बच्चियों के गायब होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिला मंत्री यश उपाध्याय ने कहा, धर्मान्तरण का कड़ा विरोध करना हमारा कर्तव्य है। किसी को भय या लालच देकर धर्म बदलवाना हमारी संस्कृति पर आघात और समाज की एकता को तोड़ने का षड्यंत्र है। यह न केवल असंवैधानिक है बल्कि गंभीर अपराध भी है। उन्होंने मांग की कि ऐसे संस्थानों को तुरंत बंद किया जाए और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई कर पीड़िताओं को न्याय दिलाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि की थी खुदकुशी

भागलपुर। भागलपुर इशाकचक स्थित व्यायामशाला के पास महिला की मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गया है। रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हुई है कि उसने खुदकुशी की है। फंदे से लटकने की वजह से उसकी मौत हुई थी। इशाकचक थानाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुदकुशी की पुष्टि हुई है। आठ सिंतबर को राजन कुमार की पत्नी मनीषा कुमारी की मौत हुई थी। परिजनों ने शव फंदे से लटके होने की बात कही थी। हालांकि पुलिस को घटना की जानकारी देर से दी गई थी। उससे पहले शव को फंदे से उतारी भी चुके थे। इसलिए मृतका के मायके वालों ने शंका जाहिर की थी। मनीषा के कमरे से दो पन्ने का सुसाइड नोट मिला था। जिसमें लिखा था कि उसे पति से प्यार नहीं मिलता था। इस कारण से वह खुदकुशी कर रही हैं।

नशीला पदार्थ पर लगाम लगाने को चला अभियान

भागलपुर। भागलपुर शहरी क्षेत्र में नशीला पदार्थ की खरीद बिक्री पर लगाम के लिए पुलिस की तरफ से अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को सिटी डीएसपी-1 अजय चौधरी के नेतृत्व में सर्च अभियान चलाया गया। दोपहर में सिटी डीएसपी के साथ सर्किल इंस्पेक्टर, तिलकामांझी और बरारी थानेदार के साथ बड़े पैमाने पर लाइन से महिला और पुरुष सिपाही छापेमारी दल में शामिल रही। टीम ने चार घंटे तक तिलकामांझी, जवारीपुर, तुलसीनगर समेत जीरोमाइल इलाके में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान टीम दुकानों की जांच करती रही। हालांकि इस दौरान टीम को कुछ खास सफलता नहीं मिली है।

हाजिरी बना अनुपस्थित रहने पर शोकॉज

भागलपुर| मारवाड़ी कॉलेज में शनिवार को सोशियोलॉजी विभाग के हेड डॉ. संगीत कुमार के अनुपस्थित रहने से नाराज छात्रों ने हंगामा किया। कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्र बजरंग कुमार भगत और अन्य छात्रों ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. एससी राय से शिकायत की कि हेड हाजिरी बनाकर अक्सर बाहर चले जाते हैं। शिकायत के बाद हाजिरी रजिस्टर की जांच की गई तो आरोप सही मिला। जब उनसे संपर्क किया गया तो उन्होंने किसी आकस्मिक काम के लिए अवकाश लेने की बात कही। हालांकि छात्रों ने आरोप लगाया कि जब वे लोग प्रभारी प्राचार्य से शिकायत करने पहुंचे तब हेड से व्हाट्सअप पर छुट्टी का आवेदन मंगाया गया। इधर हेड ने कहा कि उनकी मां की तबीयत अचानक बिगड़ जाने के कारण उन्हें निकलना पड़ा। उन्होंने आवेदन दिया है। इधर प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि हाजिरी बनाकर अनुपस्थित रहने के लिए हेड की हाजिरी काटते हुए उन्हें शोकॉज किया गया। दूसरी ओर टीएनबी कॉलेज में भी बोनाफाइड सर्टिफिकेट के लिए काउंटर पर छात्रों की भीड़ लगी रही।

पांच नई उच्च उत्पादक व जलवायु-अनुकूल किस्मों को अनुशंसित किया

भागलपुर। किसान गोष्ठी में कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए भागलपुर| कृषि विभाग आत्मा की ओर से शनिवार को सबौर प्रखंड के ई-किसान भवन में खरीफ फसल प्रबंधन विषय पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड के प्रगतिशील किसान शामिल हुए। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कृषि अधिकारी एवं कर्मियों को जमीनी स्तर पर कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने की सलाह दी। आत्मा डिप्टी पीडी प्रभात सिंह ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया। श्रद्धा गर्ग ने खरीफ मौसम में विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताया। सहायक तकनीकी प्रबंधक (एटीएम) जूही कुमारी ने खरीफ फसलों के बेहतर उत्पादन के तकनीक के बारे में किसानों को जानकारी दी। स्वर्ण संध्या ने मशरूम उत्पादन के लिए महिला किसानों को प्रेरित किया। मौके पर कृषि समन्वयक पशुपति नाथ, अंबुज, संजीव, रितेश व अन्य थे। सिटी रिपोर्टर| भागलपुर बीएयू, सबौर में राज्य समन्वित किस्म परीक्षण (एससीवीटी) रबी 2025-26 की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बीएयू के निदेशक अनुसंधान डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बैठक की। बैठक में बहुवर्षीय व बहुस्थलीय आंकड़ों के आधार पर पांच नई उच्च उत्पादक व जलवायु-अनुकूल किस्मों को राज्य के लिए अनुशंसित किया गया। विशेषज्ञों की राय है कि ये किस्में बिहार की खाद्यान्न और पोषण सुरक्षा को नई उंचाइयों तक ले जाएंगी। डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बताया कि इन किस्मों का कठोर परीक्षण किया गया है। ये बिहार की विविध कृषि-जलवायु परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है। पुसा के निदेशक अनुसंधान डॉ. एके सिंह ने कहा कि संयुक्त मूल्यांकन से यह सुनिश्चित हुआ है कि केवल सर्वाधिक उत्पादक और रोग प्रतिरोधी किस्में ही किसानों तक पहुंचे। बैठक के निष्कर्षों को अब रिसर्च काउंसिल मीटिंग, रबी 2025-26 में प्रस्तुत कर औपचारिक अधिसूचना, बीज उत्पादन और राज्यव्यापी विस्तार शुरू की जाएगी।

बाढ़ कहकर स्थगित किया छात्र दरबार, छात्र पहुंच गए

भागलपुर| टीमएबीयू में बाढ़ को कारण बता शनिवार को लगने वाला छात्र दरबार स्थगित किए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र विवि पहुंच गए। विवि ने छात्र दरबार नहीं लगने की सूचना पूर्व में जारी की थी। लेकिन डिग्री और सर्टिफिकेट के लिए छात्र पहुंच गए। ये वैसे छात्र थे जिन्हें छात्र दरबार स्थगित रहने की सूचना नहीं मिल सकी थी। सुबह थोड़ी संख्या में पहुंचे छात्रों की संख्या दोपहर तक काफी हो गई। वे पहले सीनेट हॉल पहुंचे। लेकिन उन्हें बताया गया कि छात्र दरबार स्थगित कर दिया गया है। छात्र कहने लगे कि कैंपस से पानी उतर गया है। उन्हें सर्टिफिकेट के लिए बुलाया गया था। आक्रोशित छात्र परीक्षा विभाग के काउंटर पर चले गए। इधर सीनेट हॉल बंद कर दिया गया। परीक्षा काउंटर पर सर्टिफिकेट देने में अफरातफरी की स्थिति हो गई। भीड़ इतनी कि नाम पुकारे जाने पर संबंधित छात्र काउंटर तक जा नहीं पा रहे थे। इससे छात्रों की नाराजगी और बढ़ गई। वे लोग काउंटर पर हंगामा करने लगे। विवि ने पुलिस को बुलाया। लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही थी।

बांका में चलती ट्रेन से गिरकर मैकेनिक की मौत

बांका। बांका में ट्रेन से गिरकर मैकेनिक की मौत हो गई। घटना अजगैबीनाथ धाम के पास अब्जुगंज रेलवे हाल्ट के पास हुआ। मृतक की पहचान शंभूगंज थाना क्षेत्र के चूटिया गांव निवासी मोहम्मद नसीम (44) के रूप में हुई है। नसीम मुंबई की एक निजी कंपनी में मैकेनिक के रूप में कार्यरत थे। वह कुछ महीने पहले अपनी बेटी की शादी की तैयारियों के लिए गांव आए थे। शनिवार को वह लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस से मुंबई लौट रहे थे। अब्जुगंज हाल्ट के पास उनका पैर फिसल गया। वह चलती ट्रेन से पटरी पर गिर गए। मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना के समय मौजूद लोगों ने घायल नसीम की मदद करने की बजाय वीडियो बनाने में समय व्यतीत किया। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वह दर्द से कराह रहे थे। जीआरपी ने परिवार को घटना की सूचना दी।

पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग: नसीम तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनकी पत्नी नाजीन को अब पांच बच्चों की चिंता सता रही है। परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं। घटना के बाद से परिजन शोक में डूबे हैं। समाजसेवी मोहम्मद गालिब रजा सहित कई लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

बांका में अज्ञात लड़की का नदी किनारे मिला शव

बांका। बांका में शनिवार की देर शाम 17 वर्षीय अज्ञात किशोरी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ है। अमरपुर थाना क्षेत्र के तारडीह और लौसा गांव के बीच स्थित लोडिया सिंचाई डांड पुल के पास शव पड़ा हुआ मिला। मृतका लाल रंग की टी-शर्ट और ब्लैक लोअर पहनी हुई थी। जांच में सामने आया कि युवती के गले पर गहरा काला निशान था, जिससे गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा आंख और शरीर के कई हिस्सों पर चोट के निशान भी पाए गए, वहीं दोनों हाथों पर जख्म के निशान थे।

चरवाहा ने नदी किनारे देखा शव: ग्रामीणों ने बताया कि शाम के समय एक चरवाहा मवेशी को पानी पिलाने नदी किनारे गया था, तभी उसकी नजर शव पर पड़ी। उसने तुरंत गांववालों को सूचना दी। देखते ही देखते आसपास के गांव—तारडीह, लौसा, फरीदपुर, रजौन थाना क्षेत्र के रूपसा समेत कई इलाकों से लोग घटनास्थल पर जुट गए।

किराएदार का कब्जा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर घर खाली

निज संवाददाता| भागलपुर

- 14 साल से मकान मालिक को रेंट नहीं मिला, प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

भागलपुर में एक महिला किराएदार ने घर पर 16 साल से कब्जा कर रखा था। न रेंट दे रही थी और न ही घर खाली कर रही थी। मकान मालिक ने काफी कोशिश की पर कोई फायदा नहीं हुआ। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने रविवार को मकान को अतिक्रमणमुक्त कराया। दरअसल, विजय कुमार शाह की मां विमला देवी का मकान किराए पर महावरी देवी को दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने विमला देवी के पक्ष में फैसला सुनाया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के मंडरोजा स्कूल के पास का है।

2009 से कब्जा कर रखा था: रविवार को जिला प्रशासन की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और मकान को खाली कराया। इस दौरान विरोध भी हुआ और थोड़ी देर के लिए हंगामा की स्थिति बन गई, लेकिन पुलिस ने हालात को नियंत्रित कर लिया। मकान मालिक विजय कुमार शाह ने बताया कि 2009 से मकान पर अवैध कब्जा था। कई बार समझाने के बावजूद मकान खाली नहीं किया गया, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया गया। कोर्ट के आदेश पर आज मकान को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

बिना नोटिस के मकान खाली कराया: वहीं, किराएदार महावरी देवी का कहना था कि 2009 से यहां रह रही हूं। विमला देवी की मृत्यु के बाद बिना नोटिस दिए जिला प्रशासन ने मकान खाली कराया। मकान खाली करवाने के दौरान उनके परिवार के कुछ सदस्य अस्पताल में भर्ती हैं, घर में सिर्फ महिलाएं थी। हालांकि विरोध और हंगामे के बावजूद जिला प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार मकान को कब्जा मुक्त करा दिया।

मुंगेर जिले के गंगा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

निज संवाददाता| मुंगेर

मुंगेर में शारदीय नवरात्र के पहले जिला प्रशासन ने गंगा घाटों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं। हल्की सर्द मौसम की शुरुआत के साथ गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। जिला प्रशासन ने कष्टहरणी घाट, बबुआ घाट और सोझी घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए SDRF की टीमें तैनात की हैं। साथ ही प्रशिक्षित गोताखोरों को भी लगाया गया है। सभी संवेदनशील घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है। स्थानीय पुलिस बल की भी तैनाती की गई है।

SDRF की टीमें गंगा घाटों पर कर रही लगातार पेट्रोलिंग: SDRF की टीमें गंगा घाटों पर लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं। गहरे पानी वाले क्षेत्रों में गोताखोरों को विशेष निगरानी में रखा गया है। घाटों पर अनाउंसमेंट सिस्टम लगाया गया है। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

घाटों की साफ-सफाई का काम तेजी से जारी: नगर निगम और स्वच्छता कर्मियों द्वारा घाटों की साफ-सफाई का काम तेजी से किया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी संसाधन तैयार रखे हैं। DM निखिल धनराज निप्पणीकर ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। गहरे पानी में न जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग गंगा स्नान के लिए घाटों पर पहुंच रहे हैं।

बेगूसराय में गला रेतकर युवक की हत्या

निज संवाददाता| बेगूसराय

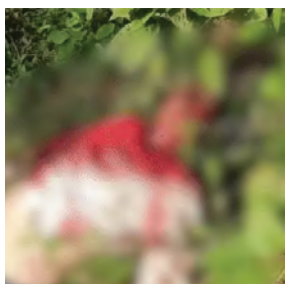

बेगूसराय में अपराधियों ने गला रेतकर एक युवक की हत्या कर दी। गुप्ता-लखमीनियां बांध के पास शव मिला है। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र की है। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने शव देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम पहुंची। डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है। इस दौरान घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई है। मृतक की पहचान मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदीरी गांव निवासी रमाकांत सिंह के पुत्र मुरारी कुमार(30) के तौर पर हुई है। दवा कंपनी में एमआर का काम करता था। पिछले चार साल से ससुराल मधुरापुर पुवारी टोला में रह रहा था।

फोन करके घर से बुलाया था: जानकारी के मुताबिक शनिवार रात 8 बजे के करीब किसी ने फोन करके घर से बुलाया था। घर से जाने के कुछ देर बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। देर रात तक नहीं लौटने के बाद परिवार के सदस्यों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। बांध के पास लाश झाड़ी में मिली है। घटनास्थल से 20 मीटर की दूरी पर खून बिखरा है। आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों ने बेरहमी से मारा है। परिजन फिलहाल कुछ बोलने की स्थिति में नहीं है।

जांच में जुटी पुलिस: इस संबंध में तेघड़ा थानाध्यक्ष अमलेश कुमार ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी। बांध के बगल में एक शव पड़ा हुआ है। सुबह के समय घूमने निकले लोगों ने सबसे पहले शव को देखा है। गर्दन पर गहरे धारदार हथियार से प्रहार किया है। पहचान की कोशिश की जा रही है।

पत्नी ने लगाई फांसी, वीडियो बनाता रहा पति, मौत

निज संवाददाता| भागलपुर

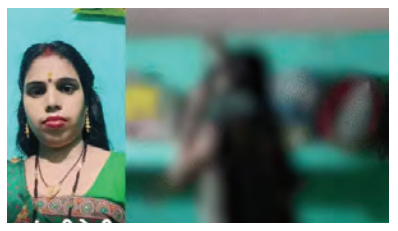

भागलपुर की एक महिला ने दिल्ली में पति के सामने खुदकुशी कर ली। वहीं पति विद्यानंद राय पत्नी को बचाने की बजाय उसके सुसाइड का वीडियो बनाता रहा। सुसाइड का लाइव वीडियो सामने आया है। जिसमें महिला एक छोटे से टेबल पर खड़ी होकर गले में फंदा बांध रही है। कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो जाती है। इस दौरान पास ही उनके बच्चे रो रहे हैं, हालांकि वो वीडियो में दिख नहीं रहे हैं, लेकिन उनके रोने की आवाज आ रही है। इतना ही नहीं है, पति पत्नी को सुसाइड के लिए उकसा रहा है। वीडियो में वो बोलता सुनाई दे रहा है, 'केवल फंदा ही बांधती रहोगी या लटकोगी भी...' साथ ही वो रो रहे बच्चों को डांट रहा है और कहता है- 'क्यों रो रहे हो, जाती है तो जाने दो...।' मृतका की पहचान कहलगांव थाना क्षेत्र के चांदनी देवी(31) के तौर पर हुई है। चांदनी की मुजफ्फरपुर जिले के पिपरा थाना क्षेत्र निवासी विद्यानंद राय से 12 साल पहले शादी हुई थी। पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है सुसाइड वीडियो में: महिला के सुसाइड का 1 मिनट 7 सेकेंड का वीडियो सामने आया है। ये वीडियो पुलिस को पति के मोबाइल से ही बरामद हुआ है। जिसमें महिला पंखे के हुक से चादर का फंदा बनाती दिख रही है। इस दौरान मौके पर मौजूद पति वीडियो बना रहा है। वीडियो में बच्चे की आवाज आ रही है, वो अपने पिता से पूछ रहा है कि मां क्या कर रही है। पास में बेटी भी खड़ी थी। मां को फंदे पर लटका देख रोने लगी। जिसके बाद विद्यानंद राय उसे डांटने लगता है। कहता है क्यों रो रही हो। जाती है तो जाने दो। वो उकसाते हुए कहता है कि सिर्फ बांधती रहोगी या लटकेगी भी। इसके बाद महिला फंदे को गले में फंसा लेती है। पति की ओर कुछ देर देखती है, उसकी आंखों में आंसू हैं। लेकिन पति उसे सुसाइड करने से नहीं रोकता है और कुछ ही देर बाद महिला फंदे से लटक जाती है। 20 से 25 सेकेंड वो फंदे से लटककर तड़पती रहती है और उसकी मौत हो जाती है। मामला दिल्ली के गाजीपुर थाना क्षेत्र का है।

महिला के नाम पर था 4 लाख का लोन: भाई के मुताबिक, पति विद्यानंद राय ने पत्नी चांदनी के नाम पर माइक्रो फाइनेंस कंपनी से करीब चार लाख रुपए का लोन लिया था। जिसे वो चुका नहीं पा रहा था। इधर, फाइनेंस कर्मी की ओर से लोन चुकाने का दबाव बनाया जा रहा था। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था। पति अक्सर कहता था कि जाओ मर जाओ। जिसके बाद महिला ने जान दे दी।

घटना से एक दिन पहले हुई थी बात: भाई: मृतका के भाई राकेश मंडल ने बताया कि बहन के देवर ने फोन किया था। फोन पर उसने बताया, 'आपकी बहन की मौत हो गई है। परिवार वालों को धमकी दी जा रही है कि दिल्ली पहुंचोगे तो जान से मार देंगे।' 'बहन के तीन बच्चे हैं। सबसे छोटा बेटा 5 साल का है। मौत से एक दिन पहले बहन से बातचीत हुई थी। दूसरे दिन पता चला कि उसकी मौत हो गई है। सुसाइड का वीडियो दिल्ली के थाना में दिया गया है।' 'बैक ग्राउंड से जो आवाज आ रही है, वह बहनोई की है। बहन के नाम से जीजा ने लोन उठाया था। इसी को लेकर उन्होंने आत्महत्या के लिए उसकाया। जीजा दिल्ली में सीएनजी ऑटो चलाता है।' मृतका के पिता राधे मंडल ने कहा कि 'शादी के 12 साल हो चुके हैं। दिल्ली से ही फोन पर घटना की सूचना मिली। हमारे पास कोई सबूत नहीं है। इसलिए थाने में अब तक आवेदन नहीं दिया है। एक वीडियो मिला है, जिसे थाना को दे दिया है। हम कुछ भी नहीं चाहते हैं।

बेगूसराय के सिमरिया घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़

निज संवाददाता| बेगूसराय

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 22 सितंबर से हो रही है। सोमवार को कलश स्थापना और मां भगवती के प्रथम स्वरूप शैल पुत्री की पूजा होगी। उससे पहले रविवार को महालया के अवसर पर पूजा-अर्चना के लिए गंगा जल लेने के लिए बेगूसराय के सिमरिया घाट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, लखीसराय, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, जमुई, गया, जहानाबाद के अलावा नेपाल से भी पहुंचे हैं। एक लाख से अधिक भक्तों के आने की संभावना है। सिमरिया में गंगा किनारे आने वालों की भीड़ रात से ही लगने लगी थी। दिन भर भीड़ उमड़ती रही।

पंडाल में चंद्रयान की झलक दिखेगी: सिमरिया घाट पर भक्तों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। घाट पर गोताखोर और एसडीआरएफ की टीम मौजूद है। पूजा को लेकर विशेष थीम पर पंडाल सजाए जा रहे हैं। पंडालों में कहीं चंद्रयान दिखेगा तो कहीं अयोध्या में बने श्रीराम मंदिर की झलक दिखेगी। बेगूसराय के तीन सौ से अधिक मंदिरों में प्रतिमा को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

हाथी पर मां दुर्गा का आगमन: ज्योतिष अनुसंधान केंद्र गढ़पुरा के संस्थापक पंडित आशुतोष झा ने बताया कि इस वर्ष शुभ फलाफल लेकर मां भगवती दुर्गा का आगमन हो रहा है। हाथी पर मां का आगमन अति शुभकारी है। नवरात्र के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन और लाल अरहुल के फूल से भगवती की पूजा विशेष फलदायक होता है। भगवती का आगमन तो शुभ है। लेकिन विदाई मनुष्य पर हो रहा है, जो अशुभ है।

दो अक्टूबर को विजयादशमी पर सर्वार्थ सिद्ध योग: प्रथम दिन कलश स्थापन और माता शैल पुत्री की पूजा अर्चना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू होगा। 23 सितंबर को भगवती के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी की पूजा, 24 सितंबर को माता के तृतीय स्वरूप चन्द्र घंटा की पूजा, 25 सितंबर को चौथे स्वरूप कूष्मांडा की पूजा एवं 26 सितंबर को पांचवें स्वरूप स्कंदमाता की पूजा होगी। 27 सितंबर को षष्ठ स्वरूप कात्यायनी की पूजा होगी। 28 सितंबर को सप्तम स्वरूप कालरात्री की पूजा, बेल निमंत्रण, पत्रिका प्रवेश होगा। 29 सितंबर को आठवें स्वरूप की पूजा, नव पत्रिका प्रवेश, सरस्वती आह्वान, निशा पूजा होगा। 30 सितंबर को महाअष्टमी व्रत, महागौरी दर्शन, नवम स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा, हवन, बलिदान होगा। 1 अक्टूबर को महानवमी एवं बलिदान होगा। 2 अक्टूबर विजयादशमी को अपराजिता पूजा, कलश विसर्जन, जयंती धारण और नवरात्र पारण के साथ नीलकंठ दर्शन करना चाहिए। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग है तथा किसी भी दिशा में यात्रा की जा सकती है।

जदयू नेता राजेश कुमार कांग्रेस में शामिल

निज संवाददाता| बेगूसराय

- बेगूसराय में प्रदेश अध्यक्ष बोले- पार्टी मजबूत हुई, ऐनडीए के विपरीत हवा बह चुकी

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बेगूसराय में राजनीतिक फेरबदल हो गया है। बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र में जदयू का चर्चित चेहरा राजेश कुमार अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। आज आयोजित अति पिछड़ा अधिकार सम्मेलन-सह-बहुजन मिलन समारोह में वे कांग्रेस में शामिल हुए। समारोह में कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस के विधान मंडल दल के नेता शकील अहमद खान व युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रकाश गरीबदास सहित कई नेता उपस्थित थे। खातोपुर में आयोजित समारोह स्थल पर लोगों की काफी भीड़ थी। ढ़ोल-बाजे के साथ नेताओं का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि राजेश कुमार पार्टी में शामिल हुए हैं, जिससे कांग्रेस मजबूत हुई है। राहुल गांधी के वोट अधिकार रैली से कांग्रेस लोगों की लड़ाई लड़ रही है। बिहार में एनडीए सरकार के विपरीत हवा बह चुकी है, सरकार के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। जिनका वोटर लिस्ट से नाम हटाया गया है। खासकर समाज के निचले पायदान पर लोगों का नाम कटा है।

राहुल गांधी सामाजिक न्याय की बात करते: चुनाव आयोग की ओर से क्लीन चिट देने के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को यह भी बताना चाहिए की 65 लाख 64 हजार जो नाम हटाए गए, वह कौन लोग थे और क्यों हटाए गए। हटाने का क्या कारण था, यह भी बोले की यह नाम हटाए गए हैं या नहीं हटाए गए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सामाजिक न्याय की बात करते हैं। 26 से हर घर अधिकार सम्मेलन होगा। माई बहन योजना, 200 यूनिट बिजली और अन्य घोषणाओं की बात करेंगे। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक पटना में होगी, जहां सामाजिक न्याय पर बड़ी चर्चा होगी। खासकर ओबीसी और ईसीबी के अधिकार पर विशेष चर्चा की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण में ओबीसी, ईबीसी और एससी-एसटी सबकी हिस्सेदारी होगी।

कार्यक्रम कांग्रेस के लिए अच्छा संकेत: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रकाश गरीब दास ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम कांग्रेस के लिए अच्छा संकेत है। हर वर्ग के लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। राजेश मुखिया का कांग्रेस में शामिल होना शानदार है। बेगूसराय कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है, हर सीट पर हम मजबूत हैं, जिसका गवाह यह भीड़ है। कांग्रेस विधान मंडल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा भाजपा से अलग है। भाजपा चाहती है प्रोपगंडा के आधार पर देश में सरकार बनाई जाए। कांग्रेस पार्टी ने देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलाई। महात्मा गांधी, नेहरू, पटेल, अबुल आजाद के नेतृत्व में देश को गुलामी से आजाद मिली थी।

आईटीसी मुंगेर में 14 साल से नहीं हुआ यूनियन चुनाव

निज संवाददाता| मुंगेर

- मजदूरों ने निकाला आक्रोश मार्च, प्रशासन को दी आंदोलन तेज करने की चेतावनी

मुंगेर में आईटीसी के मजदूरों ने रविवार को यूनियन चुनाव कराने की मांग को लेकर आक्रोश मार्च निकाला। मजदूर नेताओं के नेतृत्व में निकली इस रैली में बड़ी संख्या में स्थायी और अस्थायी कर्मी शामिल हुए। रैली की शुरुआत आईटीसी भवन परिसर से हुई। मजदूरों का जत्था माधोपुर मार्ग होते हुए तीन नंबर गुमटी तक पहुंचा। श्रमिकों ने हाथों में तख्तियां लेकर निवर्तमान अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने 'चुनाव कराओ, हक दिलाओ' और 'मजदूर एकता जिंदाबाद' जैसे नारे लगाए।

14 सालों से यूनियन चुनाव लंबित: मजदूर नेता जयराज गौतम ने कहा कि आईटीसी में 14 वर्षों से यूनियन चुनाव लंबित है। कंपनी प्रबंधन इस मामले में टालमटोल कर रहा है। श्रमिक प्रतिनिधि चुनने का यह संवैधानिक अधिकार है। जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। सदर बीडीओ आर.के. राघव और राजस्व अधिकारी प्रभात कुमार को मजिस्ट्रेट के तौर पर लगाया गया। पुलिस बल जुलूस के आगे-पीछे चलता रहा। मजदूर नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही चुनाव की तिथि घोषित नहीं की गई तो आंदोलन का स्वरूप और व्यापक होगा। उनका कहना है कि कंपनी की उदासीनता से श्रमिकों में असंतोष बढ़ रहा है। आक्रोश मार्च के दौरान वातावरण पूरी तरह मजदूर नारों से गूंजता रहा।

हक नहीं मिलने तक संघर्ष रहेगा जारी: यूनियन से जुड़े पदाधिकारियों ने कहा कि वे किसी कीमत पर अपने अधिकार से पीछे हटने वाले नहीं हैं। उनका संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक चुनाव संपन्न कराकर मजदूरों को उनका हक नहीं दिलाया जाता। आईटीसी कर्मियों का कहना था कि आईटीसी जैसे बड़े औद्योगिक संस्थान में श्रमिकों की आवाज को दबाना अनुचित है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल कर चुनाव कराने से ही विवाद और तनाव खत्म हो सकता है। आईटीसी भवन परिसर में जुलूस का समापन हुआ, जहाँ मजदूर नेताओं ने पुनः अपनी माँग दोहराई और चेतावनी दी कि उनकी आवाज़ को अनसुना करने की स्थिति में आंदोलन और उग्र हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

शांति -सदभाव के लिए हुई बैठक

आरा| डीएम कार्यालय में डीएम और एसपी के संयुक्त बैठक में दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। अध्यक्षता डीएम तनय सुल्तानिया और एसपी राज ने संयुक्त रूप से की। इसमें अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) चंदेश्वर प्रसाद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर–1) राजकुमार साह, पुलिस उपाधीक्षक (ट्रैफिक) मनोज कुमार सुधांशु, शांति समिति के सदस्य तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश एवं सुरक्षा प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित डीएम और एसपी ने संयुक्त रूप से कहा कि दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

दो बाइक की टक्कर में दो घायल

आरा| आरा सलेमपुर रोड़ में सलेमपुर बाजार के पास शनिवार को दिन में दो बजे के आसपास दो बाइक।की आमने सामने की टक्कर में दोनों बाइक पर सवार दो लोग घायल हो गए। घायलों में अंकित कुमार 18 वर्ष पिता पवन कुमार मीरगंज बड़हरा और कृष्णा तुरहा 20 वर्ष पिता लाल बाबू तुरहा धरमपुरा थाना धोबहा शामिल है। घटना के बाद दोनों घायलों के परिजनों ने सदर अस्पताल पहुंच घायल का इलाज कराया। इलाज कर रहे डॉक्टर ने बताया कि घायल कृष्णा तुरहा को पैर में ज्यादा लगी है इलाज किया जा रहा है।

प्रभुनाथ सिंह की रिहाई के लिए मशाल जुलूस निकाला

आरा। युवा संघर्ष समिति, आरा ने शनिवार को पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह की रिहाई की मांग को लेकर विशाल मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान सैकड़ों युवक हाथों में मशाल और तख्तियां लिए जयप्रकाश नारायण चौक से शहीद भवन, कचहरी रोड होते हुए पुनः जेपी चौक तक मार्च किए। पूरे मार्ग में प्रभुनाथ सिंह को रिहा करो और प्रभुनाथ सिंह जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे। संयोजक अंशु सिकरिवार ने कहा कि प्रभुनाथ सिंह सर्वसमाज के नेता रहे हैं मुख्यमंत्री के पुराने सहयोगी और समता पार्टी के संस्थापक हैं। विकास सिंह ने कहा कि प्रभुनाथ बाबू की रिहाई से एनडीए को सारण समेत पूरे बिहार में जबरदस्त राजनीतिक बढ़त मिलेगी।

आज निकलेगी लक्ष्मी नारायण की शोभायात्रा

आरा| नगर की 400 वर्ष पुरानी रामलीला समिति के तत्वावधान में रविवार को लक्ष्मी नारायण की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा वृंदावन के कलाकारों और सैकड़ों रामभक्तों की सहभागिता के साथ पुरानी अदालत स्व. जगदीश बाबू के गोला से प्रारंभ होगी। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए रमना मैदान पहुंचेगी। रमना मैदान में पूजा-अर्चना और झंडारोहण का आयोजन होगा। इसके बाद वाराणसी से आए कलाकारों द्वारा भव्य आरती की जाएगी। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष सोनू राय, सचिव शंभूनाथ प्रसाद, उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता एवं संरक्षक मंडल के श्री 108 महंत किंकर दास समेत कई गणमान्य उपस्थित रहेंगे। समिति के उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष की रामलीला विशेष और आकर्षक होगी। वृंदावन के कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से कहा हैं कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाएं।

मांग को लेकर किया नुक्कड़ सभा

आरा| भोजपुर, बक्सर, कैमूर व रोहतास जिले को मिलाकर शाहाबाद कमिश्नरी का गठन करने और इसका मुख्यालय आरा में स्थापित करने की मांग के समर्थन में शनिवार आरा रेलवे स्टेशन के परिसर में नुक्कड़ सभा की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता धीरेंद्र प्रसाद सिंह ने की और संचालन अशोक मानव ने किया। सभा को संबोधित करते हुए धीरेन्द्र सिंह, अशोक मानव, लोहिया अंबेडकर मंच के अध्यक्ष डा. रघुवर चंद्रवंशी, डा. राज पांडे, अधिवक्ता देवेंद्र प्रसाद, अमरेंद्र कुमार, निकेश पांडे, अमित पांडे, अभिषेक चौरसिया, प्रयाग यादव व लव सिंह ने कहा कि अगर बिहार सरकार ने शीघ्र शाहाबाद कमिश्नरी की घोषणा कर उसका मुख्यालय आरा में स्थापित नहीं किया, तो आंदोलन और अधिक तेज किया जाएगा। इन स्थानों पर आगामी 21 या 22 सितंबर को नुक्कड़ सभा और जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा 23 सितंबर की दोपहर 1 बजे आरा बार एसोसिएशन में सेमिनार आयोजित किया जाएगा, जिसके माध्यम से बिहार सरकार का ध्यान शाहाबाद कमिश्नरी के गठन व मुख्यालय आरा में स्थापित करने की मांग की ओर आकर्षित किया जाएगा। सभा में बक्सर से प्रो. उदय शंकर राय, कैमूर से शिव प्रसन्न दुबे और रोहतास से डा. हरिहर सिंह ने भी संघर्ष समिति का समर्थन किया ।

बक्सर के स्कूली बच्चों ने दिखाई गंगा के प्रति जागरूकता

बक्सर। बक्सर में भारतीय सभ्यता और संस्कृति में गंगा नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि जीवन और आस्था की प्रतीक मानी जाती है। हजारों सालों से गंगा ने मानव सभ्यता को भौतिक और आध्यात्मिक संपोषण प्रदान किया है। यही कारण है कि गंगा को हमारी संस्कृति में मां का दर्जा दिया गया है। लेकिन आधुनिक समय में बढ़ते प्रदूषण ने गंगा की स्वच्छता और निर्मलता को गंभीर चुनौती दी है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (National Clean Ganga Mission) की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य गंगा को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाना है। इसी क्रम में शनिवार, 20 सितम्बर 2025 को बक्सर के एम.पी. हाई स्कूल और केंद्रीय विद्यालय के प्रांगण में जिला गंगा समिति द्वारा "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया।

गंगा की पवित्रता और स्वच्छता का संदेशः कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से गंगा की पवित्रता और स्वच्छता का संदेश दिया। बच्चों की रचनात्मकता और उनकी सोच ने साफ किया कि नई पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण और गंगा की निर्मल धारा को बनाए रखने के लिए कितनी गंभीर है। प्रतियोगिता में प्रस्तुत किए गए चित्र और लेखों में गंगा को जीवन रेखा बताते हुए उसे प्रदूषणमुक्त रखने का आह्वान किया गया।

सामूहिक रूप से गंगा नदी को प्रदूषण से बचाने की शपथः इस मौके पर मौजूद शिक्षकों ने बच्चों को गंगा के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के बारे में बताया और उन्हें अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने की प्रेरणा दी। सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से शपथ ली कि वे गंगा नदी को प्रदूषण से बचाएंगे और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में योगदान देंगे। यह शपथ केवल एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का प्रतीक थी। "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम ने न केवल बच्चों में गंगा की रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी यह संदेश दिया कि गंगा की पवित्रता और स्वच्छता केवल सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

भोजपुर में ट्रेन से गिरने से महिला की मौत

आरा। भोजपुर में ट्रेन से गिरने से एक महिला की मौत हो गई। हादसे के दूसरे दिन मृतका की पहचान हुई है। मृतका फूलकुमारी देवी(50) हरदास टोला गांव की रहने वाली थी। शुक्रवार को दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर कुल्हड़िया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2-3 के बीच ट्रेन से नीचे गिर गई थी। मृतका के भतीजे रंजय यादव ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पांच बजे घर से दवा लेने के लिए निकली थी। देर शाम तक घर नहीं लौटी। इसके बाद परिवार के सदस्य खोजबीन करने लगे। लेकिन कुछ पता नहीं चला। दूसरे दिन गांव से एक लड़की ट्यूशन पढ़ने गई थी। जिसे चाची की मौत की जानकारी मिली। जिसके बाद हमलोगों को सूचना दी गई। जानकारी मिलने के बाद स्टेशन पर पहुंचे। चप्पल और साड़ी से पहचान हुई। आरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव को गांव लेकर आ गए।

परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हालः मृतका के तीन बच्चे हैं। 2 बेटा अमित कुमार, अमरजीत कुमार और एक बेटी सुमिन्ता देवी है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

नेशनल हाईवे -922 पर खड़े ट्रक से टकराया बालू लदा ट्रेलर

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में 20 वर्षीय चालक की मौत, खराब वाहन बनते दुर्घटनाओं का कारण, खलासी अस्पताल में भर्ती

बक्सर के राष्ट्रीय राजमार्ग NH-922 पर रविवार को प्रताप सागर और चंदा गांव के बीच एक सड़क हादसा हुआ। बालू से भरा ट्रेलर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सिकंदरपुर निवासी ट्रेलर चालक शिवम कुमार (20) की मौके पर मौत हो गई। टक्कर में ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने ट्रेलर में फंसे खलासी को निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार उसकी स्थिति गंभीर है। अभी तक खलासी की पहचान नहीं हो पाई है।

नियंत्रण खोने से हुआ हादसाः प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, हाईवे पर खड़ा ट्रक खराब था। चालक मिस्त्री का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान आरा की तरफ से आ रहे ट्रेलर के चालक को झपकी आ गई। वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और खड़े ट्रक से टकरा गया। नया भोजपुर थाना पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल किया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक को आई झपकी लग रहा है।

तेज रफ्तार के चलते होते हादसेः स्थानीय लोगों का कहना है कि, NH-922 पर ऐसी घटनाएं आम हैं। खराब वाहनों को समय पर नहीं हटाया जाता, जो दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है।ऐसे में तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहन अक्सर खड़े ट्रकों से टकरा जाते हैं और बड़े हादसे का कारण बनते हैं।

पुलिस मामले की जांच में जुटीः ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाईवे पर खराब वाहनों को तुरंत हटाने की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इस दर्दनाक हादसे ने न केवल एक परिवार की खुशियां छीन लीं । बल्कि एक बार फिर हाईवे सुरक्षा की पोल भी खोल दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और गंभीर रूप से घायल खलासी का इलाज जारी है।

भोजपुर में करंट लगने से मजदूर की मौत

निज संवाददाता। आरा

- रेलवे क्रॉसिंग के पास हाई टेंशन तार की चपेट में आने से हादसा, आरा मिल से घर लौट रहे थे

भोजपुर में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। रेलवे क्रॉसिंग के पास हाई टेंशन तार की चपेट में आने से हादसा हुआ है। मृतक की पहचान लाल बहादुर यादव(62) के तौर पर हुई है। आरा मिल में काम करते थे। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव के पास की है। मृतक के छोटे भाई बीरेंद्र यादव ने बताया कि भैयार हर दिन की तरह शनिवार को काम करने के लिए गए हुए थे। काम खत्म होने के बाद रेलवे ट्रैक पार करके पैदल ही घर लौट रहे थे। अंधेरा होने के कारण बिजली का तार दिखाई नहीं दिया। जिसके चपेट में आने से उनकी जान चली गई।

पत्नी और बच्चों का बुरा हालः परिजनों को स्थानीय ग्रामीणों से मौत की जानकारी मिली। जिसके बाद परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सौंप दिया है। परिवार में पत्नी कबूतरी देवी, चार बेटा उमेश, ब्रजेश, परशुराम, रमेश और एक बेटी संजू देवी है। सभी का रो-रोकर बुरा है।

भोजपुर में 15 साल के लड़के की मौत

निज संवाददाता। आरा

- घर से शौच के लिए निकला था, करहा में डूबने से गई जान, इकलौता बेटा था

भोजपुर में करहा(पानी भरे गड्ढे) में डूबने से 15 साल के लड़के की मौत हो गई। 24 घंटे बाद दूसरे दिन शव मिला है। मृतक की पहचान कातर गांव निवासी रमेश कुमार के पुत्र सूरज कुमार(15) के तौर पर हुई है। घटना हसन बाजार बगीचे के पास की है। पिता सूरज कुमार ने बताया कि इकलौता बेटा था। शुक्रवार की सुबह घर से शौच के लिए निकला था। इस दौरान पैर फिसलने से करहा में डूब गया। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिवार के सदस्य खोजबीन के लिए निकले, लेकिन कुछ पता नहीं चला। दूसरे दिन शनिवार को ग्रामीणों ने शव देखा। जिसके बाद पानी से बाहर निकाला गया।

घर में मचा कोहरामः मामले की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक तीन भाई-बहन में दूसरे नंबर पर था। परिवार में मां संध्या कुमारी और दो बहन काजल कुमारी, पलक कुमारी है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

जहरीली गैस की चपेट में आने से एक की मौत

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में बोरिंग चैंबर से मोटर निकालने उतरे तीन, 2 की बची जान

बक्सर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव में रविवार को कुएं के अंदर बने बोरिंग चैंबर में एक दुर्घटना हुई। मोटर निकालने के लिए कुएं में उतरे जयप्रकाश कुशवाहा (54) जहरीली गैस की चपेट में आ गए। उन्हें बचाने गए अजय कुशवाहा (35) और जसवंत कुशवाहा (40) भी गैस से प्रभावित हो गए। जिला पार्षद प्रतिनिधि रिंकू यादव ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीणों की तत्काल कार्रवाई से अजय और जसवंत को बचा लिया गया। लेकिन जयप्रकाश कुशवाहा की मौत हो गई। मृतक अपने परिवार के मुखिया थे। घटना की सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गैस की चपेट में आने से मौतः रिंकू यादव ने बताया कि काफी दिनो से मोटर खराब होने के कारण खेत की सिंचाई नहीं हो पा रही थी। कुएं के अंदर से सिंचाई करने वाले मोटर को कुएं अंदर सीढ़ी लगाकर उतरे हुए थे। जो गैस की चपेट में आ गए। आसपास लोग मौजूद रहे जिनकी तत्परता से सभी को बाहर निकाला हॉस्पिटल पहुंचाया गया। लेकिन एक की मौत हो गई। मुफस्सिल थाना प्रभारी चंदन कुमार के अनुसार मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

सांस लेने में हो रही थी परेशानीः इसके बारे मे जानकारी देते हुए डॉक्टर चंद्रमणि विमल कुमार ने बताया कि गहरे कुएं या बंद चैंबर में लंबे समय तक हवा का प्रवाह न होने के कारण वहां कार्बन डाईऑक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड, मीथेन या हाइड्रोजन सल्फाइड जैसी जहरीली गैसें जमा हो जाती हैं। ये गैसें रंगहीन और गंधहीन होती हैं, जिससे अंदर जाने वाले व्यक्ति को पता ही नहीं चलता और सांस लेने में परेशानी होने लगती है। कुछ ही मिनटों में व्यक्ति बेहोश होकर गिर जाता है और मौत भी हो सकती है।

आरा में दिव्यांगजन खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

निज संवाददाता। आरा

वीर कुंवर सिंह स्टेडियम एवं आरा क्लब में समाज कल्याण विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं बिहार पैरास्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजन खेल प्रतियोगिता हुआ। प्रतियोगिता में भोजपुर एवं बक्सर के दिव्यांग खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर पूरे उत्साह और जोश के बीच प्रतियोगिता को उत्सव के रूप में मनाया गया। प्रतियोगिता में पैरा एथलेटिक्स एवं पैरास्पोर्ट्स के तहत जैवलिन थ्रो, शॉटपुट थ्रो, डिस्कस थ्रो और सिंगल्स मुकाबले शामिल थे। इस आयोजन में भोजपुर जिला प्रशासन, बिहार राज्य पैरास्पोर्ट्स एसोसिएशन, समाज कल्याण विभाग एवं पीडब्ल्यूडी की भी अहम भूमिका रही। मौके पर कई समाजसेवी, स्थानीय प्रतिनिधि, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे। पुरुष वर्ग के जैवलिन थ्रो में शिवचरण त्रिपाठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अभिनव कुमार द्वितीय और सचिन पांडेय तृतीय स्थान पर रहे। शॉटपुट थ्रो में हरिओम मिश्र ने बाजी मारी, वहीं सत्यनारायण कुमार, धूलि यादव और शिवचरण त्रिपाठी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सिंगल्स में पंकज कुमार वर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया। उनके बाद राजेश कुमार यादव और शिव बिहारी सिंह ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। खेल प्रतियोगिता के अंत में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं दिव्यांग खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होती हैं। साथ ही इन खेलों से दिव्यांगजन अपनी क्षमताओं को निखारकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।

बक्सर में नदी में मूर्ति विसर्जन और डीजे पर रोक

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिला प्रशासन ने दुर्गापूजा को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने गंगा नदी और अन्य जल स्त्रोतों में मूर्ति विसर्जन पर रोक लगा दी है। सभी पूजा समितियों को कृत्रिम तालाबों में ही प्रतिमा विसर्जन करना होगा। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और एसपी शुभम आर्य ने कहा कि नदी में मूर्ति विसर्जन से जल प्रदूषण बढ़ता है। नगर निकायों को कृत्रिम तालाब बनाने के निर्देश दिए गए हैं। विसर्जन के बाद मूर्तियों के अवशेषों का सुरक्षित निस्तारण किया जाएगा।

मूर्तियों की ऊंचाई 20 फीट और ऊपरी संरचना 40 फीट तकः प्रशासन ने डीजे बजाने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। केवल परंपरागत वाद्य यंत्र और स्वीकृत साउंड सिस्टम का उपयोग किया जा सकेगा। नियम तोड़ने वाली पूजा समितियों पर कार्रवाई की जाएगी। मूर्तियों की ऊंचाई 20 फीट और ऊपरी संरचना 40 फीट तक सीमित रखनी होगी। मूर्तियों में जहरीले रंगों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। विसर्जन जुलूस पुराने रूट से ही निकलेगा।

बिना लाइसेंस जुलूस निकालने पर कार्रवाईः पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जुलूस के लिए अनुमति लेना जरूरी है। जुलूस में हथियार ले जाना, भड़काऊ गाने बजाना और नारेबाजी करना दंडनीय अपराध होगा। बिना लाइसेंस जुलूस निकालने पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन का सहयोग करने की अपीलः जिला पदाधिकारी ने बताया कि प्रशासन की यह सख्ती गंगा नदी को प्रदूषण से बचाने और जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए है। उन्होंने पूजा समितियों और आमजन से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और पर्व को सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में मनाएं।

सभी शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्यः अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि अनुज्ञप्ति निर्गत करने से पूर्व जुलूस हेतु सभी शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा। जुलूस का लाइसेंस जिस व्यक्ति के नाम पर निर्गत किया जायेगा, उसकी पहचान निश्चित रूप से किया जाय। जुलूस में उत्तेजक, भड़काऊ गाना, नारेबाजी नही किया जायेगा। जुलूस में शामिल कम से कम 10 से 15 लोगों का आधार कार्ड, पहचान पत्र एवं मोबाइल नंबर प्राप्त करें।

जिला पदाधिकारी द्वारा पूजा समिति के सभी सम्मानित सदस्यों से निम्न बिंदुओं के संबंध में अनुरोध किया गया– 1. सभी पूजा पंडालों/विसर्जन जुलूस हेतु लाइसेंस लेना अनिवार्य है। 2. मूर्ति की अधिकतम ऊंचाई 20 फीट से ज्यादा न हो। उपरी संरचना की ऊंचाई 40 फीट तक सीमित हो। 3. मूर्ति की उपरी संरचना के निर्माण में पारा, कैडमियम, आर्सेनिक, शीशा और क्रोमियम जैसी जहरीली भारी धातुओं वाले कृत्रिम रंगों का उपयोग न हों। 4. पंडालों में CCTV लैस के साथ पंडालों में वैध बिजली कनेक्शन, फायर एण्ड सेफ्टी का भी ध्यान रखना जरूरी है। 5. भीड़ नियंत्रण एवं पार्किंग की व्यवस्था को लेकर तैयारी करने का दिशा निर्देश दिया गया। 6. पूजा समितियों द्वारा पूजा कार्य में लगे वॉलेंटियर के नाम, मोबाइल नंबर एवं आधार कार्ड का विवरणी प्रदान करना। सभी वॉलेंटियर को आई0डी0कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया है। 7. पुराने रूट पर ही जुलूस के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त किया जाय। 8. DJ पर पूर्णतः प्रतिबंध, कृत्रिम तालाब में प्रतिमा विर्सजन किया जाय। 9. जुलूस में हथियार ले जाना अथवा प्रदर्शन किया जाना आर्म्स एक्ट के तहत प्रतिबंधित है।

आरा में आज पांच घंटे तक बिजली कटेगी

निज संवाददाता। आरा

आरा में आज(रविवार) अलग-अलग इलाकों में पांच घंटे तक बिजली कटेगी। पुरानी पुलिस लाइन GIS और जापानी PSS से सुबह 8 बजे से 11 बजे तक सप्लाई बाधित रहेगी। इस दौरान बिजली इक्विपमेंट का मेंटेनेंस और हाईटेंशन तार के पास पेड़ों की छंटाई की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में जर्जर तार-पोल को ठीक किया जाएगा। इसके अलावा 33/11 KV विद्युत शक्ति उपकेंद्र बहियारा से सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी। मेंटेनेंस को लेकर बहियारा, फरहंगपुर, चांदी, नरबीरपुर, नरही, भदवर, अम्बानरबीरपुर, खनगांव, हरदासटोला, भैरोटोला, रूपचकीया और कुंजन टोला के आसपास के क्षेत्रों में बिजली नहीं रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सौरभ कुमार ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। बिजली से जुड़ा कार्य समय से निपटा लें। पानी स्टोर करके रख लें। मेंटेनेंस वर्क पूरा होते ही बिजली सप्लाई चालू कर दी जाएगी।

इन इलाकों में कटेगी बिजलीः सिंडिकेट फीडर के पुरानी पुलिस लाइन, नाला मोड़, चौधरियाना, सिंडिकेट, तरी मुहल्ला, आम्रपाली मार्केट, आर्य समाज और एमपीबाग के आसपास के क्षेत्र। टाउन थाना फीडर के डी. ई.ओ. ऑफिस, एस. पी ऑफिस, नगर निगम, सिविल कोर्ट, एम. पी. बाग, बाबू बाजार, टाउन थाना, शाहिद भवन, महावीर टोला, पार्क-भव्यू में सप्लाई बाधित रहेगी। पकड़ी फीडर के डॉ. ईशा, मदन जी के हाता, मालती हॉस्पिटल, सदर एसडीओ आवास के इलाकों में बिजली कटेगी। मौलाबाग फीडर के गायत्री मंदीर, एस. बी. कॉलेज, कब्रिस्तान, व्यास केशव प्रेस, शांति नगर, न्याय नगर में बिजली गुल रहेगी।

स्वच्छता जागरुकता के तहत दौड़, युवा संवाद व श्रमदान किया गया

निज संवाददाता। आरा

जिला गंगा समिति द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत स्वच्छता जागरूकता दौड़, युवा संवाद और श्रमदान किया गया। दौड़ को प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा, जिला समन्वयक, जिला परियोजना पदाधिकारी ने एक साथ हरी झंडी दिखाकर समाहरणालय परिसर से शुभारंभ किया। पुरानी पुलिस लाइन, सिंडिकेट चौक मीरगंज होते हुए गांगी नदी के सूर्य मंदिर परिसर में समाप्त हुई। वहां पर युवा संवाद किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, जिला गंगा समिति के गंगा दूतों एवं मेरा युवा भारत के युवाओं के बीच संवाद स्थापित किया गया। सूर्य मंदिर परिसर और आसपास के जगह पर नगर निगम के साथ मिलकर श्रमदान किया गया। डीआरडीए डायरेक्टर ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिले के प्रत्येक युवाओं को इस स्वच्छता की सेवा स्वच्छ उत्सव में अपनी सहभागिता देनी होगी तभी अपना जिला स्वच्छ एवं सुंदर बनेगा। प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा ने कहा स्वच्छता को उत्सव के रूप में ले। इस मौके पर जिला सलाहकार तरल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जिला समन्वयक आई टी सी,राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी एनसीसी के कमांडेंट और सैकडों की संख्या में युवा उपस्थित रहे। नेतृत्व और संचालन अमित कुमार सिंह जिला परियोजना पदाधिकारी, जिला गंगा समिति ने किया।

संक्षिप्त समाचार

लहसुना थाने में दुर्गा पूजा शांति समिति की बैठक

मसौढ़ी ।प्रखंड के लहसुना थाने में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने की। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान शांति बनाए रखने में पुलिस के साथ आम जनता की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।उन्होंने सभी से अपील की कि पर्व के दौरान कोई ऐसा कार्य न किया जाए जिससे शांति भंग हो। बैठक थाना क्षेत्र में जहां-जहां पूजा आयोजन होगा,वहां के आयोजकों ने प्रशासनिक नियमों पर अपने विचार रखे। लाउडस्पीकर प्रतिबंध का पालन करने का आग्रह किया।उन्होंने सभी से शांतिपूर्वक और नशामुक्त रहकर पूजा आयोजन करने की अपील की। स्थानीय लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने को कहा गया। साथ ही सभी समुदायों से एक-दूसरे का ख्याल रखते हुए पूजा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का आग्रह किया गया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य उदय सिंह अरुण प्रसाद सहित जनप्रतिनिधि लोग भी मौजूद रहे।

कुर्की करने पहुंची पुलिस, आरोपी ने किया सरेंडर

मसौढ़ी !थाना क्षेत्र के सरबंधी गांव में हत्या के आरोपी के घर रविवार को कुर्की जब्ती करने पुलिस पहुंची तो आरोपी ने सरेंडर कर दिया। बताया जाता है कि विगत 2 वर्षों पूर्व उक्त हंसाडीह गांव निवासी पंकज कुमार उर्फ चित्तू हत्याकांड के आरोपी मुकेश कुमार जो हत्या के बाद से ही फरार चल रहा था।जो न्यायालय के आदेश तथा पुलिस दबिश के बाद भी सरेंडर नहीं कर रहा था।जिसके बाद न्यायालय के द्वारा कुर्की जब्ती का आदेश दिया गया। न्यायालय के आदेश पर थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के साथ भारी पुलिस बल कुर्की जब्ती के लिए दिनेश सिंह के घर पहुंची।कुर्की की बात सुनकर आरोपी सरेंडर कर दिया।जिसके बाद कुर्की जब्ती पर रोक लगा दिया गया।

पुलिस ने बड़ी हत्या की साजिश नाकाम, दो गिरफ्तार और एक नाबालिग हिरासत में

बाढ़। थाना क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के पास से दो देसी कट्टे बरामद किए गए हैं। एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस को शनिवार शाम सूचना मिली कि कुछ लोग फोरलेन के पास किसी अपराध की योजना बना रहे हैं। थाना अध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह के नेतृत्व में तत्काल छापामारी की गई और संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी धीरज पांडे का नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र के सौंसा गांव की एक युवती से प्रेम संबंध था। युवती के भाई रोहित पांडे इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे। इसी कारण धीरज और उसके साथियों ने रोहित की हत्या की योजना बनाई थी। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपियों को हथियार उपलब्ध कराए गए थे। एनटीपीसी थाना क्षेत्र के ढीबर गांव के राजू पासवान और अथमलगोला थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव के प्रहलाद सिंह ने आरोपियों को देसी कट्टा उपलब्ध कराए थे और गोली चलाने की जिम्मेदारी भी इन्हीं को सौंपी गई थी। बाढ़ थाना पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण यह संभावित हत्याकांड समय रहते टल गया। पुलिस अधिकारियों ने इस छापामारी में शामिल पुलिसकर्मियों की सराहना की और उनके पुरस्कार की अनुशंसा की है।

इनरव्हील क्लब्स ने मिलकर मनाया 'नवरात्रि डांडिया धमाल', 130 सदस्य हुए शामिल

पटना। इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट-325 के 25 क्लबों ने मिलकर एक भव्य 'नवरात्रि डांडिया धमाल' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बोरिंग रोड स्थित रोटी बैंक्वेट में हुआ, जिसमें पटना, समस्तीपुर, छपरा और मुजफ्फरपुर के क्लब्स शामिल थे। इस रंगारंग आयोजन में करीब 130 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की आयोजक पूर्व अध्यक्ष सुधा झा ने बताया कि इस डांडिया का उद्देश्य सदस्यों को अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ पल निकालकर आपस में मिलने-जुलने, मस्ती करने और आपसी प्रेम-सद्भाव को बढ़ाना था। इस अवसर पर इनरव्हील संस्था की बिहार और झारखंड की अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। सदस्यों को एक साथ खुशियाँ बांटते देखकर उन्होंने बहुत खुशी जताई। कार्यक्रम में पीडीसी सुनीता जायसवाल, पीडीसी गायत्री आर्यानी और पीडीसी पूनम ठाकुर के अलावा सभी क्लबों की अध्यक्ष और सीजीआर भी मौजूद थीं।

अशोक चौधरी आरोपों का जबाब मीडिया को दे - शोभा पटेल

फतुहा। भाजपा के भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा कि जदयू के जिम्मेदार पदाधिकारी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि प्रशांत किशोर की ओर से लगाए गए आरोप को ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी को पूरी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए । उन्हें तमाम आरोपों पर अपना जवाब देना चाहिए। पार्टी को उनका जवाब चाहिए शनिवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत का कुर्बानी देकर पार्टी को बनाया है। इसे किसी तरह से लूटने नहीं देंगे। पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि पार्टी अग्नि परीक्षा से गुजर रही है। उनहोंने कहा कि इस तरह गंभीर आरोप पहली बार पार्टी के किसी मंत्री पर लगे हैं । यह सामान्य बात नहीं है। यह पूछे जाने पर की क्या मंत्री इस्तीफा देंगे नीरज कुमार ने कहा कि यह कैसे तय कर सकते हैं। शोभा पटेल ने कहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर किस तरह के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है।ऐसी स्थिति में पार्टी की छवि खराब नहीं करना चाहिए। इन आरोपियों को मीडिया के सामने आकर बताना चाहिए। चुप्पी साधने से काम नहीं चलेगा।

शून्य से शिखर तक पहुंचा बीएमएस, दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न, वेबसाइट का किया गया लोकार्पण

निज संवाददाता

पटना। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की बिहार प्रांत इकाई की दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक रविवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। समापन अवसर पर संगठन की बिहार इकाई की आधिकारिक वेबसाइट (biharbms.org) का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. सुरेन्द्रन ने कहा कि पूरे देश में बीएमएस की छह हजार तीन सौ यूनियनें सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि बीएमएस ने शून्य से अपनी यात्रा की शुरुआत की थी और आज यह संगठन अपने क्षेत्र में शिखर पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी विचार, राष्ट्रवादी कार्यकर्ता और राष्ट्रवादी कार्य पद्धति के आधार पर बीएमएस का कार्य निरंतर बढ़ रहा है और संगठन विस्तार की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बी. सुरेन्द्रन ने संगठन विस्तार और नये युवा कार्यकर्ताओं को जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने जिले और क्षेत्र में संगठन को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला ने कार्यकर्ताओं में जुझारूपन और सक्रियता बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर संगठन की गतिविधियों को बढ़ाना और स्थानीय श्रमिकों के कल्याण के लिए योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करना जरूरी है। कार्यसमिति बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख राणा प्रताप जी ने मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर बीएमएस बिहार इकाई की वेबसाइट का लोकार्पण किया गया, जिसमें डाक विभाग के पीएमजी (उत्तरी) पवन कुमार और डीपीएस (मुख्यालय) पवन कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रदेश कार्यसमिति की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष राजेश कुमार लाल ने की, जबकि संचालन प्रांतीय महामंत्री संजय कुमार सिन्हा ने किया। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के संयुक्त महामंत्री मनीष कुमार, वित्त सचिव मुकेश कुमार सिन्हा, प्रांतीय उपाध्यक्ष राम बाबू सिंह, उमा कुमारी, प्रमोद राम, प्रांतीय मंत्री शम्भु चौबे, सिम्पी कुमारी, राजेश कुमार, कार्यालय मंत्री अनंत कुमार शांडिल्य, अखिल भारतीय कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ के संगठन मंत्री मुरारी प्रसाद, शकील अहमद, चितरंजन पांडेय, राकेश भारती, सुनील कुमार, बलिराम पांडेय, विकास कुमार सहित विभिन्न जिलों के श्रमिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, नए यूनियनों के निर्माण और श्रमिकों के कल्याण को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बीएमएस ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भविष्य में बिहार में श्रमिक कल्याण और रोजगार सुरक्षा के लिए लगातार सक्रिय रहेंगे और प्रदेश के सभी क्षेत्रों में अपनी पहुंच मजबूत बनाएंगे।

चंद्रवंशी महासभा ने संगठन की मजबूती के लिए की चर्चा

निज संवाददाता

मसौढ़ी। रविवार को नगर के संघतपर मुहल्ले में रामजी सर के कमिटी हॉल में चंद्रवंशी महासभा की एक बैठक डॉ अरविंद कुमार चंद्रवंशी की अध्यक्षता में हुई।बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा की गयी.आगामी 12अक्टूबर को चंद्रवंशी महासभा की बैठक आयोजित की जाएगी.इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वृहद पैमाने पर प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया है। और संगठन में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाए।जब तक हम सभी संगठित होकर एक नहीं होंगे समुदाय का विकास संभव नहीं है।चंद्रवंशी महासभा एक जात का नही जमात का राजनीति करना चाहती है।महासभा संगठन के माध्यम से प्रखंड कमेटी के माध्यम से प्रखंड और पंचायतों में कमेटी का गठन कर मुख्यधारा से जोड़ना है।इस मौके पर संघ के उपाध्यक्ष विजय चंद्रवंशी पूर्व प्रखंड प्रमुख रमाकांत रंजन किशोर दिनेश चंद्रवंशी योगेंद्र चंद्रवंशी मुंशी प्रसाद चंद्रवंशी पिंकू चंद्रवंशी मनीष सोनू पप्पू जैकी अरुण चंद्रवंशी अबोध कुमार उर्फ शेरा सतेंद्र चन्द्रवशी भरत चंद्रवंशी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

2लीटर देशी कट्टा और 26.250लीटर विदेशी शराब बरामद

निज संवाददाता

मसौढ़ी। धनरूआ थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है।पुलिस ने एक ई रिक्शा चालक को दो लीटर देशी शराब व एक मोटर साइकिल के 26.250लीटर विदेशी शराब बरामद की है। पकड़े गए आरोपी धनरूआ थाना क्षेत्र के शहरु गांव निवासी मनोज प्रसाद के पुत्र मोनू कुमार व चकजीरा गांव निवासी प्रमोद प्रसाद उर्फ सतीश कुमार के पुत्र लालू कुमार है।इस मामले में थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के चकजीरा गांव निवासी प्रमोद प्रसाद उर्फ सतीश कुमार के पुत्र लालू कुमार शराब का अवैध कारोबार करता है। जिसकी सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर एक बाइक के साथ 26.250लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। वही धनरूआ गैस गोदाम के पास से एक ई रिक्शा से दो लीटर देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

जन सुराज पार्टी ने शुरू किया लोकतांत्रिक उम्मीदवार चयन अभियान, संगठन विस्तार और जनता से संवाद पर जोर

निज संवाददाता

पटना। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जन सुराज पार्टी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। पार्टी के वरिष्ठ रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने घोषणा की है कि पार्टी के उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और लोकतांत्रिक होगी। इसके लिए पार्टी ने राज्यव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें जमीनी कार्यकर्ताओं और संस्थापक सदस्यों के सुझावों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। पार्टी प्रवक्ता सैयद मसीह उद्दीन ने बताया कि अन्य राजनीतिक दलों की तरह "आलाकमान संस्कृति" को थोपने के बजाय जन सुराज पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेतृत्व के विचारों के आधार पर टिकट वितरण का नवाचारी प्रयोग कर रही है। उनका कहना है कि यह प्रयोग भविष्य में बिहार की राजनीति की दिशा बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। इस अभियान के तहत 22 सितंबर से 26 सितंबर और 3 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक पूरे राज्य के 243 विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में पार्टी मुख्यालय से भेजे गए दो केंद्रीय पर्यवेक्षक, जिला प्रभारी और जिलाध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में उस विधानसभा क्षेत्र के आवेदक उम्मीदवारों की सामाजिक और राजनीतिक स्थिति, प्रभाव और चुनावी क्षमता पर विस्तार से चर्चा होगी। बूथ, पंचायत, प्रखंड और विधानसभा स्तर के पदाधिकारी, साथ ही पार्टी के संस्थापक और प्राथमिक सदस्य मौखिक और लिखित सुझाव देंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय परिषद, राज्य कोर कमेटी, राज्य कार्यकारिणी, जिला और अनुमंडल समिति के सदस्य भी इसमें शामिल होंगे। युवा, महिला, किसान, अनुसूचित जाति, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी भी अपने सुझाव देंगे। जन सुराज पार्टी का दावा है कि राज्य के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में संगठन और संभावित उम्मीदवार मिलकर "बिहार बदलाव यात्रा" कर रहे हैं। इसके चलते जनता में पार्टी की व्यापक पकड़ बन रही है और भारी समर्थन भी मिल रहा है।संगठन विस्तार पर पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी 8053 ग्राम पंचायतों और 251 नगर निकायों के साथ-साथ सभी मतदान केंद्रों तक अपना संगठनात्मक ढांचा मजबूत कर रही है। प्रत्येक पंचायत में पंचायत सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ और मजबूत हो।

बिहार पंच सरपंच संघ ने अपनी मांगों को लेकर , आक्रोश मार्च निकाल कर किया घेराव प्रदर्शन

निज संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश पंच सरपंच संघ बिहार के बैनर तले 9 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के वादा खिलाफी, टाल मटोल की नीति, आश्वासन एवं घोषणा को धरातल पर लागू नहीं करने के खिलाफ आक्रोष मार्च निकालकर मुख्यमंत्री का घेराव प्रदर्शन किया गया, जिसका नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष आमोद निराला एवं प्रदेश उपाध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। प्रदर्शन में 2001 से पेंशन चालू करने, पंचायती राज आयोग का गठन करने, एमएलसी चुनाव का वोटर बनाने, सम्मान सुरक्षा सुविधा वेतन बीमा भत्ता पेंशन अधिकार देने, ग्राम कचहरी को सर्व सुविधा संपन्न सुदृढ़ समृद्ध करने, गांव की सरकार को पूर्ण अधिकार देने, गांधी जी का सपना साकार करने, न्याय पगड़ी देने, लाइसेंसी हथियार देने, लंबित वेतन भुगतान करने आदि मांगों से संबंधित गगनभेदी नारे लगाया गया। प्रदेश अध्यक्ष आमोद निराला ने कहा कि उक्त आंदोलन नौ सूत्री मांगों को लेकर तथा बिहार सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं पंचायती राज मंत्री के द्वारा दी गई आश्वासन घोषणा के बावजूद मांग धरातल पर नहीं उतारा जा रहा है। सरकार द्वारा वादा खिलाफी , टालमटोल की नीति अपनाई जा रही है। शांतिपूर्वक जनतांत्रिक तरीके से जुझारू आंदोलन किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष किरण देव यादव ने संबोधित करते हुए 2001 से पेंशन चालू करने, पंचायती राज आयोग का गठन करने, एमएलसी चुनाव का वोटर बनाने, लोकसभा में 10% एवं विधानसभा चुनाव में 20% राजनीतिक भागीदारी देने, सम्मान सुरक्षा सुविधा वेतन बीमा भत्ता पेंशन अधिकार देने, सर्व सुविधा संपन्न , सुदृढ़ एवं समृद्ध करने, लाइसेंसी हथियार निर्गत करने, लंबित राशि भुगतान करने, एनओसी का अधिकार देने, प्रहरी का बहाली करने एवं बहाल प्रहरी को लंबित वेतन भुगतान करने की मांग सरकार से किया। कहा कि जो पंच सरपंच का बात करेगा , वह बिहार में राज करेगा। आंदोलन में समस्तीपुर जिला अध्यक्ष महेश राय, प्रदेश महासचिव दिलीप सिंह, सहरसा जिला अध्यक्ष विनोद यादव, मधेपुरा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, मुंगेर जिला अध्यक्ष राकेश रंजन, संगठन प्रभारी नागेश्वर सिंह, प्रदेश सचिव आर के शेट्टी, जमुई जिला अध्यक्ष केदार प्रसाद, रामस्वरूप यादव, गीतांजलि कुमारी, देवनारायण रजक, प्रहरी संघ के प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, लाल मंडल भागवत राम सहित हजारों प्रतिनिधि भाग लिये।। तत्पश्चात मुख्यमंत्री के नाम स्मार पत्र सौंपा गया।

बिहार की राजनीति में नई इबारतः एनसीपी की 'सूजन संकल्प सभा' 24 सितंबर को पटना में

निज संवाददाता

पटना। राष्ट्रीयवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) बिहार प्रदेश इकाई 24 सितंबर 2025 को पटना के रविंद्र भवन, वीरचंद पटेल पथ में बड़ी 'बिहार सूजन संकल्प सभा' आयोजित कर बिहार की राजनीति में नई दिशा देने जा रही है। सभा सुबह 11 बजे से शुरू होगी और इसमें राज्यभर से 10,000 से अधिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों के शामिल होने की संभावना है। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सूर्यकांत कुमार सिंह ने कहा कि यह सभा पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगी और जनता से सीधे संवाद का अवसर प्रदान करेगी। पार्टी का लक्ष्य है बिहार के हर वर्ग तक पहुँच बनाना और सभी तबकों को राज्य के विकास की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करना। एनसीपी 2025 के विधानसभा चुनावों में स्वतंत्र रूप से सभी 243 सीटों पर उतरने की तैयारी में है। सभा की तैयारियों में प्रदेश महासचिव नील गौरव, कुमार विशाल और मीडिया प्रभारी रंजन प्रियदर्शी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष सूर्यकांत कुमार सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है और यह सभा बिहार की राजनीति में एनसीपी की सशक्त उपस्थिति की शुरुआत साबित होगी।

जेठुली गांव में हत्या के बाद आक्रोशित परिजनों ने सड़क जाम किया, यातायात बाधित

निज संवाददाता

पटना। नदी थाना क्षेत्र स्थित जेठुली गांव में शनिवार देर रात हुई गोलीबारी की घटना के बाद रविवार को हालात और बिगड़ गए। गोलीकांड में मारे गए 45 वर्षीय बस्सु मियां का शव गांव पहुंचते ही, आक्रोशित परिजन और ग्रामीण अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे 106 पर उतर आए और सड़क जाम कर दिया। दोपहर में, मृतक के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शनकारियों ने लगभग एक घंटे तक वाहनों का आवागमन पूरी तरह रोक दिया। इस दौरान उन्होंने टायर जलाए और सड़क पर आगजनी की, जिससे पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया। स्टेट हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोगों को मजबूरन पटना-बख्तियारपुर नेशनल हाईवे 30 का रूट लेना पड़ा। घटना के बाद परिजन रोते-बिलखते नजर आए और ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। सड़क जाम की सूचना मिलते ही फतुहा एसडीपीओ अवधेश कुमार, इंस्पेक्टर माया कुमारी यादव और नदी थानाध्यक्ष शंकर झा के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने गुस्साए प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन देकर स्थिति को नियंत्रण में किया। कड़ी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे के प्रयास के बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया। बताया जा रहा है कि यह हत्या शनिवार की देर रात हुई थी, जब बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने बस्सु मियां को गोली मार दी थी। बस्सु अपने घर लौट रहे थे, तभी उन्हें गोली लगी। गंभीर हालत में उन्हें पीएमसीएच ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों को जल्द पकड़कर कानूनी कार्रवाई की जा सके। हालांकि, ग्रामीणों में अभी भी आक्रोश और दहशत का माहौल है। उनका कहना है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते, तब तक उन्हें शांति नहीं मिलेगी।

अरवल : गांधी मैदान में नशामुक्त युवा–विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता

अरवल। गांधी मैदान स्थित खेल भवन में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नशामुक्त युवा–विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी डॉ. सुनैना कुमारी ने किया। कार्यक्रम में युवाओं को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत योगाभ्यास से हुई, जिसमें प्रशिक्षकों ने बताया कि नशा केवल व्यक्ति को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार और समाज पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। इस दौरान प्रतिभागियों को नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। योगाभ्यास के बाद साइकिल रैली और पैदल मार्च का आयोजन किया गया। इसमें युवा, स्काउट-गाइड के छात्र-छात्राएं, शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाना और युवा पीढ़ी को सही दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षक अरुण चंद्र भूषण, स्काउट गाइड के अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक शतील सर और सिपाही भर्ती के प्रशिक्षणार्थी युवा भी शामिल हुए। डॉ. सुनैना कुमारी ने कहा कि नशामुक्त जीवन ही विकसित भारत का आधार है और सभी को इसे अपनाना चाहिए। जिला प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम से यह स्पष्ट हुआ कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जिले के सभी वर्ग एकजुट हैं और युवा इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

शारदीय नवरात्रि इस बार 9 नहीं 10 दिन रहेंगे

शारदीय नवरात्रि 2025 का त्योहार इस साल 22 सितंबर, सोमवार से शुरू होकर 2 अक्टूबर, गुरुवार को विजयदशमी (दशहरा) के साथ समाप्त होगा। इस बार नवरात्रि 9 दिन के बजाय 10 दिन की होगी, जिसका कारण चतुर्थी तिथि का दो दिन होना है। यह एक विशेष और शुभ संयोग माना जाता है।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

घटस्थापना के लिए 22 सितंबर 2025 को दो शुभ मुहूर्त हैं।
पहला मुहूर्त सुबह 06.11 बजे से सुबह 07.52 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त - सुबह 11.51 बजे से दोपहर 12.39 बजे तक

विशेष संयोग

इस साल शारदीय नवरात्रि के 10 दिन होने का कारण चतुर्थी तिथि का दो दिनों तक रहना है। इसके अलावा, इस बार माँ दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, जिसे सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यह एक दुर्लभ संयोग है जो पूजा के विशेष फल देगा।

देवी पूजन से पहले कलश स्थापना बेहद जरूरी

इस बार शारदीय नवरात्र 22 सितंबर से प्रारंभ होंगे और एक अक्तूबर को पूर्ण होंगे। जब भी सोमवार से नवरात्र शुरू होते है तो माताराणी हाथी पर सवार होकर आती हैं जो बहुत शुभ और फलदायी माने जाते हैं। हिंदू पुराणों में मान्यता है कि कलश को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है इसलिए देवी की पूजा से पहले कलश का पूजन किया जाता है।

शारदीय नवरात्रि पर बना बेहद शुभ संयोग

शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू होंगे। इन नौ दिनों में दुर्गा मां के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाएगी। इस बार नवरात्रि पर कई शुभ योग बन रहे हैं। माता दुर्गा गज पर सवार होकर आएंगी, जो समृद्धि का प्रतीक है।

शारदीय नवरात्रि का पर्व हर साल देशभर में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस बार 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि आरंभ हो रहे हैं। इन 9 दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। इन 9 दिनों का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि, जो भक्त इन दिनों में माता रानी की सच्ची उपासना करता है मां दुर्गा उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। शारदीय नवरात्रि का आरंभ आश्विन प्रतिपदा तिथि से होता है और समापन दशमी तिथि को होता है। वैसे को माता का वाहन शेर है लेकिन, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा अलग-अलग वाहन से आगमन और प्रस्थान करती हैं। माता के अलग-अलग वाहन पर आने और जाने का प्रभाव भी अलग होता है।

नवरात्रि का आरंभ कब से हो रहा है?

शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर से हो रहा है और 2 अक्टूबर को दशमी तिथि के दिन नवरात्रि का समापन हो जाएगा। साथ ही इस बार नवरात्रि पर ग्रहों का बहुत ही शुभ संयोग बना हुआ है। नवरात्रि पर इस बार बुधादित्य राजयोग, भद्र राजयोग, धन योग (चंद्र मंगल युति तुला राशि में), त्रिग्रह योग (चंद्रमा बुध और सूर्य की युति कन्या राशि में), और गजेसरी राजयोग का शुभ संयोग रहने वाला है। नवरात्रि का आरंभ गजकेसरी राजयोग से हो रहा है क्योंकि, गुरु और चंद्रमा एक दूसरे से केंद्र भाव में होंगे। गुरु मिथुन राशि में और चंद्रमा कन्या राशि में गोचर करेंगे जिससे गजकेसरी राजयोग का निर्माण होगा। साथ ही इस बार मां दुर्गा भी गज पर सवाल होकर आ रही हैं तो यह बेहद ही दुर्लभ संयोग हैं।

नवरात्रि 2025 मां दुर्गा का वाहन

शशिसूर्ये गजारूढ़ा , शनिभौमे तुरंगमे ।
गुरुशुक्रे च दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता ।।
फलम् - गजे च जलदा देवी , छत्रभङ्ग तुरंगमे ।
नौकायां सर्व सिद्धिस्यात् दोलायां मरणं ध्रुवम् ।।
इस बार शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर सोमवार से हो रहा है। जब भी नवरात्रि का आरंभ रविवार या सोमवार से होता है तो उस दिन माता का आगमन गज यानी हाथी पर होता है। श्रीमदेवी भागवत महापुराण के अनुसार, जब भी माता का आगमन हाथी पर होता है तो यह बेहद ही शुभ माता जाता है। माता के हाथी पर आगमन का अर्थ है कि कृषी में वृद्धि होती साथ ही देश में धन समृद्धि में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

नवरात्रि 2025 मां दुर्गा के प्रस्थान का वाहन

शशिसूर्यदिने यदि सा विजया, महिषा गमनेरूज शोककरा,
शनिभौमे यदि सा विजया चरणायुधयानकरी विकला
बुधशुक्रे यदि सा विजया गजवाहनगा शुभवृष्टिकरा ,
सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहनगा शुभसौख्यकरा ।।
शारदीय नवरात्रि का समापन 2 अक्टूबर गुरुवार विजयदशमी के दिन होगा। जब भी माता का प्रस्थान गुरुवार के दिन होता है तो मां दुर्गा मनुष्य की सवारी करके प्रस्थान करती हैं।
इस बार भी मां मनुष्य की सवारी करके प्रस्थान करेंगे जिसे बहुत ही शुभ संकेत माना गया है। इसका मतलब है कि लोगों के बीच प्रेम बढ़ेगा और सुथ शांति बनी रहेगी।

नवरात्रि किस दिन कौन सी देवी की पूजा करें?

नवरात्रि पहला दिन 22 सितंबर 2025 - मां शैलपुत्री की पूजा
नवरात्रि दूसरे दिन 23 सितंबर 2025 - मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
झनवरात्रि तीसरे दिन 24 सितंबर 2025 - मां चंद्रघंटा की पूजा
नवरात्रि तीसरे दिन 25 सितंबर 2025 मां चंद्रघंटा की पूजा
नवरात्रि चौथा दिन 26 सितंबर 2025 - मां कूष्माण्डा की पूजा
नवरात्रि पांचवां दिन 27 सितंबर 2025 - मां स्कंदमाता की पूजा
नवरात्रि छठा दिन 28 सितंबर 2025 - मां कात्यायनी की पूजा
नवरात्रि सातवां दिन 29 सितंबर 2025 - मां कालरात्रि की पूजा
नवरात्रि आठवा दिन 30 सितंबर 2025 - मां महागौरी सिद्धिदात्री की पूजा
नवरात्रि नौवां दिन 1 अक्टूबर 2025 - मां सिद्धिदात्री की पूजा
नवरात्रि दसवा दिन 2 अक्तूबर 2025 - विजयदशमी
बता दें कि इस बार नवरात्रि में तृतीया तिथि दो दिन लग रही है। इसलिए 24 और 25 सितंबर दोनों ही दिन मां चंद्रघंटा की उपासना की जाएगी।

नवरात्रि व्रत में किन-किन नियमों का करना चाहिए पालन

22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जो 2 अक्तूबर को समाप्त होंगे। देवी के आने से सभी के जीवन में खुशियां और सुख-समृद्धि का वास होता है। इस दौरान घरों व पंडालों में माता का भव्य तरीके से स्वागत किया जाता है, जिसकी तैयारी महीने भर पहले शुरू हो जाती है। नवरात्रि के ये नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों को पूरी तरह से समर्पित है। इस अवधि में देवी की विधि विधान से पूजा की जाती हैं। वहीं महिलाएं परिवार की तरक्की और खुशहाल जीवन के लिए नौ दिनों तक उपवास रखती हैं, जिससे माता रानी प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में उपवास रखने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। लेकिन व्रत के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाता है, जिससे पूजा का संपूर्ण फल मिलता है।

नवरात्रि व्रत नियम

- हिंदू धर्म में कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। नवरात्रि के व्रत का पारण हमेशा कंजका का पूजन करने के बाद होता है। ऐसे में किसी भी कन्या व महिला को अपमानित न करें। हमेशा उनके प्रति सम्मान का भाव रखें।
- नवरात्रि का व्रत रख रहे लोगों को तामसिक भोजन से परहेज रखना चाहिए। इस दौरान साधक को सात्विकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है। इस दौरान दिन के अनुसार माता के स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। पूजा में हमेशा दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तसती का पाठ करें, इससे देवी प्रसन्न होती हैं।
- नवरात्रि में अगर आपने कलश स्थापना, अखंड ज्योति या चौकी लगाई है, तो घर को कभी खाली न छोड़े। ऐसा करना अशुभ होता है।
- यदि आप नौ दिनों का उपवास रख रहें हैं, तो बीच में व्रत न तोड़ें। यदि कोई गंभीर परिस्थिति है, तो देवी से क्षमा मांगे और व्रत नियमानुसार खोल लें।
- नवरात्रि के दिनों में घर में प्याज लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं रख रहें हैं, तब भी घर में इसका सेवन न करें।
- पैराणिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा घरों में भ्रमण करती हैं, तो घर को खाली न छोड़े। हमेशा घर में उजाला व रौनक बनाएं रखें, इससे सुख-समृद्धि का वास होता है।

अद्भुत, गोपनीय और रहस्यमयी हैं मां दुर्गा के 32 नाम

दानव महिषासुर के वध से प्रसन्न और निर्भय हो गए त्रिदेवों सहित देवताओं ने प्रसन्न भगवती से ऐसे किसी अमोघ उपाय की याचना की, जो सरल हो और कठिन से कठिन विपत्ति से छुड़ाने वाला हो। 'हे देवी! यदि वह उपाय गोपनीय हो तब भी कृपा कर हमें कहें।' मां भगवती ने अपने ही बत्तीस नामों की माला के एक अद्भुत गोपनीय रहस्यमय किंतु चमत्कारी जप का उपदेश दिया जिसके करने से घोर से घोर विपत्ति, राज्यभय या दारुण विपत्ति से ग्रस्त मनुष्य भी भयमुक्त एवं सुखी हो जाता है। मां दुर्गा को अपने यह 32 नाम अति प्रिय हैं। इन्हें सुनकर वे पुलकित हो जाती हैं।

कैसे करें जाप

देहशुद्धि के बाद कुश या कंबल के आसन पर बैठकर पूर्व या उत्तर की तरफ मुंह करके घी के दीपक के सामने इन नामों की 5/ 11/ 21 माला नौ दिन करनी है और जगत माता से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की याचना करनी है।

मां दुर्गा के 32 नाम

1.दुर्गा, 2.दुर्गतिशमनी, 3.दुर्गाद्विनिवारिणी, 4.दुर्गमच्छेदनी, 5.दुर्गसाधिनी, 6.दुर्गनाशिनी, 7.दुर्गतोद्धारिणी, 8.दुर्गनिहन्त्री, 9.दुर्गमापहा, 10.दुर्गमज्ञानदा, 11.दुर्गदैत्यलोकदवानला, 12.दुर्गमा, 13.दुर्गमालोका, 14 दुर्गमात्मस्वरुपिणी, 15.दुर्गमार्गप्रदा, 16 दुर्गम विद्या, 17.दुर्गमाश्रिता, 18.दुर्गमज्ञान संस्थाना, 19.दुर्गमध्यान भासिनी, 20 दुर्गमोहा, 21.दुर्गमगा, 22.दुर्गमार्थस्वरुपिणी, 23.दुर्गमासुर संहंत्रि, 24.दुर्गमायुध धारिणी, 25.दुर्गमांगी, 26.दुर्गमता, 27.दुर्गम्या, 28 दुर्गमेश्वरी, 29.दुर्गभीमा, 30.दुर्गभामा, 31 दुर्गमो, 32.दुर्गोद्धारिणी।

कैसे मनाएं नन्ही कन्याओं के पूजन का उत्सव

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर होते हैं कन्या पूजन के लिएआइए जानें 9 दिन कैसे करें कन्या पूजन.

- सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएं। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी है। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।
- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए : गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामरथ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत: कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत: इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉइंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामरथ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि देवी जब अपने लोक जाती है तो उसे घर की कन्या की तरह ही बिदा किया जाना चाहिए। अगर सामरथ्य हो तो नौवें दिन लाल चुनर कन्याओं को भेंट में दें। उन्हें दुर्गा चालीसा की छोटी पुस्तकें भेंट करें। गरबा के डांडिए और चणिया-चोली दिए जा सकते हैं। नवरात्रि में इन सारी रीतियों के अनुसार पूजन करने व भेंट देने से देवी प्रसन्न होकर वर्ष भर के लिए सुख, समृद्धि, यश, वैभव, कीर्ति और सौभाग्य का वरदान देती है।

संक्षिप्त समाचार

कैप्टन अमरिंदर सिंह से मिले शशि थरूर, बताया पुराना दोस्त, बोले- ऐसे लोगों के साथ...

चंडीगढ़, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर गुरुवार को चंडीगढ़ पहुंचे, जहां वे अपने पुराने दोस्तों से मिले। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटोज पोस्ट करके थरूर ने बताया है कि उन्होंने पंजाब के पूर्व सीएम और कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता कैप्टन अमरिंदर समेत तमाम अन्य लोगों से मुलाकात की। ऐसे लोगों के साथ मिलकर बहुत खुशी हुई है, जिन्होंने देश की इतनी सेवा की है। थरूर ने एक्स पर पोस्ट किया, गुरुवार को चंडीगढ़ में, पूर्व आईबी प्रमुख नेहचल संधू के घर पर आयोजित एक सामाजिक भोज में कुछ पुराने दोस्तों से मुलाकात हुई, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पूर्व राज्य वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल, मणिपुर के पूर्व राज्यपाल और सेवानिवृत्त जनरल वीपी मलिक शामिल थे। ऐसे लोगों के साथ मिलकर बहुत खुशी हुई जिन्होंने देश की इतनी विशिष्ट सेवा की है।उन्होंने आगे लिखा, दोपहर के भोजन के बाद, चंडीगढ़ के डीजीपी से मुलाकात का आनंद लिया। '' शशि थरूर ने अपनी इस मुलाकात की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इसमें एक फोटो में वह कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ बैठे हुए दिखाई और बात करते हुए दिख रहे हैं। वहीं, अन्य लोगों के साथ भी तस्वीरें पोस्ट की हैं। कैप्टन अमरिंदर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। वह 2002 से 2007 और फिर 2017 से 2021 तक इस पद पर रहे। 18 सितंबर, 2021 को उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से विवाद के बाद इस्तीफा दे दिया था। बाद में वे बीजेपी में शामिल हो गए।

गाजियाबाद में पत्नी और 3 मासूम बच्चों के हत्यारे इंजीनियर को उम्रकैद

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद की एक अदालत ने पत्नी और तीन नाबालिग बच्चों की हत्या के आरोपी इंजीनियर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अभियुक्त पर 11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जघन्य हत्याकांड का यह मामला इंदिरापुरम थाना क्षेत्र का है।अदालत से मिली जानकारी के मुताबिक, पंकज सिंह की छोटी बहन अंशुबाला का विवाह वर्ष 2011 में जमशेदपुर, झारखंड निवासी सुमित कुमार से हुआ था। सुमित बेंगलुरु स्थित मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर था और इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के ज्ञानखंड में रहता था। अंशुबाला एक प्राइवेट स्कूल में टीचर थी। दोनों के तीन बच्चे थे। बताया गया कि वर्ष 2019 में सुमित की नौकरी छूट गई। नौकरी नहीं मिलने के कारण वह काफी परेशान था और आर्थिक संकट से जूझ रहा था। तीन छोटे बच्चों की जिम्मेदारी के कारण अक्सर पति और पत्नी के बीच झगड़ा होता था। 22 अप्रैल 2019 को सुमित कुमार ने अपनी पत्नी अंशुबाला, पांच साल के बेटे प्रथमेश, चार साल के पुत्र आरव और पुत्री आकृति की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। इसके बाद अपने साले पंकज सिंह को वीडियो भेजकर इसकी जानकारी दी और खुद भी आत्महत्या करने की बात कहकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही सुमित और अंशुबाला के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को भी इसकी सूचना दी। पुलिस ने बाद में सुमित को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया चाकू बरामद कर लिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में सुमित कुमार को जेल भेज दिया। इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश को संख्या-2 शिवकुमार तिवारी की अदालत में चल रही थी। अदालत ने इसे गंभीर श्रेणी का अपराध मानते हुए सुमित कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ 11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। सुमित ने वारदात को अंजाम देने के 16 घंटे बाद परिवार के वॉट्सऐप ग्रुप पर वीडियो डाला। इसमें वह परिवार की जिम्मेदारी उठाने में असमर्थता जता रहा था। साले को संबोधित करते हुए आरोपी बोल रहा था कि 'मैंने पूरे परिवार की हत्या कर दी, जाओ शव को फ्लैट से ले आओ। अब मैं भी मरने जा रहा हूं।' इसके बाद परिवार के लोगों ने एक-दूसरे को जानकारी दी और सुमित के घर पहुंचे।

गुरुग्राम के लिए गैंगस्टर बने चुनौती

इनके विदेशी ठिकानों को खंगालने में जुटी पुलिस

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम सेक्टर-45 स्थित एमएनआर बिल्डमार्क के दफ्तर पर गुरुवार देर रात 30 गोलियां दागने के मामले में 48 घंटे बीत जाने के बाद भी शूटरों की पहचान नहीं हो पाई है। इस बीच, एसटीएफ गुरुग्राम की टीम विदेश में बैठे गैंगस्टर दीपक नांदल, गैंगस्टर सुनील सरधारनिया सहित अन्य लोगों की हिस्ट्री खंगालने में जुट गई है। उनके बारे में जानकारी जुटाना जा रही है।

बिल्डर दफ्तर पर हमले मामले में गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा की टीमों के साथ एसटीएफ ने भी जांच शुरू कर दी है। जुलाई से सितंबर तक गुरुग्राम जिले में तीन फायरिंग की वारदात करवाने के बाद सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए गुरुग्राम पुलिस और एसटीएफ ने रणनीति बना ली है। सभी बदमाशों के बारे में सटीक जानकारी निकालने के बाद सभी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होगा। इसके अलावा उनकी सही लोकेशन के बारे जानकारी जुटा कर इंटरपोल की मदद से उनको विदेश से पकड़ कर भारत डिपोर्ट कर लाया जाएगा। वहीं, जरूरत पड़ने पर एक टीम वहां जाकर सभी जानकारी जुटाएगी।

कई देशों की मिली लोकेशन: पुलिस जांच में सामने आया कि विदेश में बैठे गैंगस्टर शूटर के दम पर कहीं पर

कभी भी आसानी से वारदातों को अंजाम दिलवाने में माहिर है। ऐसे में दीपक नादंल,सुनील सरधारनिया और एक म्यूजिक कंपनी के मालिक की लोकेशन सबसे पहले दुबई में मिली। उसके बाद कनाडा और अमेरिका जैसे शहरों की लोकेशन मिली है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह फिलहाल कौन से देश और शहर में हैं। इनके बारे में सटिक जानकारी निकालने के लिए एसटीएफ की टीम जांच में जुटी हुई है। अभी तक की जांच टीमों को सामने आया है कि आरोपी गुमराह करने के लिए भी पुराने फोटो को नई लोकेशन के साथ अपने सोशल मीडिया अकाउंट को अपलोड करते हैं। इससे यह लगता है कि वह इस शहर और देश में है।

बिल्डर दफ्तर पर हमले मामले की जांच शुरू: बिल्डर के कार्यालय में गुरुवार देर रात को हुई फायरिंग से पहले शूटर ने रेकी की थी। उसके बाद देर रात सवा नौ बजे के लगभग वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे। इस मामले में जांच शुरू हो गई है। पुलिस की जांच से पता चला है कि इस घटना का संबंध भी एक पुराने वित्तीय विवाद से है। गैंगस्टर दीपक नांदल ने मुंबई में तलवार नाम के व्यक्ति के कहने पर 35 लाख रुपये का निवेश किया था।

50 से अधिक गैंगस्टर-बदमाश विदेश से चला रहे गैंग= जानकारी के अनुसार 50 से अधिक गैंगस्टर विदेशों से बैठकर अपने गुर्गों के माध्यम से वारदातों को अंजाम दिलवा रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय हैं। इनके निशाने पर अक्सर वे लोग होते हैं जिनसे उनका कोई वित्तीय विवाद होता है।

विदेश में बैठे गैंगस्टर गुरुग्राम पुलिस के लिए सिरदर्द बन गए हैं। पिछले दो महीनों में गैंगस्टरों ने तीन बड़ी वारदातों को अंजाम दिलवाया है। सूत्रों के अनुसार, इन सभी घटनाओं के पीछे गैंगस्टर दीपक नांदल का नाम सामने आ रहा है। आरोप है कि रुपयों के विवाद में फाजिलपुरिया पर फायरिंग करवाई। रोहित शौकीन की हत्या कराई। विदेश में बैठा एक और गैंगस्टर हिमांशु भाऊ भी चर्चा में है।

गोरखपुर में पशु तस्कर का हाफ एनकाउंटर

गोरखपुर, एजेंसी।
यूपी के गोरखपुर में नीट के छात्र दीपक की हत्या के बाद पशु तस्करों पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में रामपुर के रहने वाले पशु तस्कर को गोरखपुर की बालाघाट पुलिस ने शनिवार की देर रात में मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया। गो तस्करी के आरोपित बदमाश इमरान अली पर 25 हजार रुपये का इनाम था। पुलिस ने उसके पास से एक मोटरसाइकिल, अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस व एक जिंदा कारतूस बरामद किया। एसएसपी के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना बेलघाट पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान इमरान अली को दबोचा। आरोपित इमरान 3 नवंबर 2024 को पकड़े गए गोवंश तस्करी के मामले (मु.अ.सं. 260/24) में वांछित था। गिरफ्तार आरोपी इमरान रामपुर के अली खिजरपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बदमाश के खिलाफ रामपुर व गोरखपुर जनपद में शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट, गिरोहबंद अधिनियम, गोवध निवारण अधिनियम समेत हत्या के प्रयास (307) जैसी संगीन धाराओं में

दर्ज 12 मुकदमे पंजीकृत हैं। उधर, मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र में युवक से मोबाइल लूटने की घटना का 24 घंटे में ही खुलासा हो गया। शुक्रवार को तीन लुटेरों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। बदमाशों से लूट का मोबाइल, तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। बीती गुरुवार रात तीन बदमाशों ने सोपरसाफ चौराहे के पास जाहिदपुर निवासी मनीष पुत्र विनोद से तमंचे की नोंक पर मोबाइल लूट लिया था। शुक्रवार रात पुलिस को सूचना मिली कि घटना में शामिल बदमाशों को लोहियानगर क्षेत्र में देखा गया है। पुलिस ने घेराबंदी कर नरहाड़ा निवासी नावेद, समद और आरिस को गिरफ्तार कर लिया।

हिमाचल: नैनादेवी मंदिर में नवरात्र मेले को लेकर तैयारी, स्पीकर समेत कई चीजों के इस्तेमाल पर लगी रोक

बिलासपुर, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में स्थित नैना देवी जी मंदिर परिसर में नवरात्र मेले के दौरान श्रद्धालुओं की आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी राहुल कुमार ने 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक निषेधाज्ञा लागू की है। इस बारे में जारी आदेश के अनुसार नैना देवी जी मेला अवधि के दौरान इलाके में लाउडस्पीकर, ड्रम, बैंड और अन्य ध्वनि-विस्तारक उपकरणों के इस्तेमाल पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा रहेगा। अगर कोई सार्वजनिक संदेश या घोषणा देनी होगी तो वह नियंत्रण कक्ष के जरिये प्रसारित की जाएगी। इसके अलावा मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के चढ़ावे के उपयोग पर भी पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से मेले के दौरान प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने और मंदिर परिसर में शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। यह आदेश

22 सितंबर से दो अक्टूबर 2025 तक प्रभावी रहेगा।

इसी प्रकार, मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी संख्या, कानून एवं व्यवस्था और जन सुरक्षा के मद्देनजर जिला मजिस्ट्रेट राहुल कुमार ने भारतीय दंड संहिता की धारा 144 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एक और निषेधाज्ञा जारी की है। आदेश के मुताबिक कोट कहलूर पुलिस थाना के अधिकार क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को हथियार, गोला-बारूद, लंबी दूरी के हथियार, तेज धार वाले हथियार आदि ले जाना 22 सितंबर से दो अक्टूबर 2025 तक पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा।

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में अभाविप की शानदार जीत, नोटा से भी पीछे एनएसयूआई

हैदराबाद, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सभी प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की है। लंबे समय से वामपंथी और दलित छात्र संगठनों के प्रभाव में रही यूनिवर्सिटी में यह नतीजे एबीवीपी के लिए ऐतिहासिक माने जा रहे हैं।

एबीवीपी पैनल से शिवा पालेपू अध्यक्ष चुने गए हैं। उपाध्यक्ष पद देवेंद्र ने जीता, जबकि श्रुति महासचिव बनीं। संयुक्त सचिव का पद सौरभ शुक्ला को मिला, खेल सचिव ज्वाला प्रसाद और सांस्कृतिक सचिव का पद वीनस के नाम रहा। केवल पदाधिकारी ही नहीं, बल्कि काउंसलर और बोर्ड सदस्य पदों पर भी एबीवीपी ने

बहुमत हासिल किया।

पिछले छह वर्षों से एचसीयू कैंपस में वामपंथी गुटों का वर्चस्व बना हुआ था। कांग्रेस से जुड़े एनएसयूआई और दलित संगठनों का गठजोड़ भी एबीवीपी के लिए चुनौती रहा। लेकिन इस बार नतीजे पूरी तरह से उलट गए। एबीवीपी प्रवक्ता अंतरिक्ष ने कहा, यह जीत छात्रों की राष्ट्रवादी सोच और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ एकजुट प्रयास का प्रतीक है। खासकर सोशल साइंस डिपार्टमेंट जैसे वामपंथी गढ़ों में जीत यह दिखाती है कि छात्र अब वैचारिक दबाव से मुक्त होना चाहते हैं।

एनएसयूआई की बड़ी हार: सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कांग्रेस से जुड़ा एनएसयूआई इस बार नोटा से भी कम वोट ला सका। यह तब हुआ है जब राज्य में कांग्रेस की सरकार है। हालांकि, एनएसयूआई का एचसीयू में कभी भी बड़ा आधार नहीं रहा, लेकिन वामपंथी संगठनों के साथ मिलकर वह हमेशा चुनावी समीकरण का हिस्सा रहा है।

एबीवीपी का कहना है कि संगठन ने कैंपस में शांति बनाए रखने, एचसीयू की जमीन की रक्षा करने और छात्र हितों को लेकर लगातार आंदोलनों में भाग लिया है। यही वजह है कि छात्रों का भरोसा इस बार बड़े पैमाने पर एबीवीपी के पक्ष में गया। एबीवीपी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, यह जीत एचसीयू के इतिहास में एक मील का पत्थर है, जिसने छात्र समुदाय के बीच एबीवीपी के प्रति बढ़ते विश्वास को साबित किया है।

राजीव गांधी के हत्यारे की विजय ने की तारीफ, कहा- ईलम तमिलों को दिया मां जैसा प्यार

नागपट्टिनम, एजेंसी।
अभिनेता से नेता बने एक्टर विजय ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मास्टरमाइंड प्रभाकरण की तारीफ कर विवाद खड़ा कर दिया है। देश में रहने वाले श्रीलंकाई तमिलों की आवाज उठाने को आवश्यकता पर जोर देते हुए विजय ने कहा कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के पूर्व प्रमुख प्रभाकरण की तारीफ करते हुए उन्हें ईलम तमिलों के लिए मां समान बताया है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में श्रीलंकाई तमिलों का मुद्दा भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण है, जिस दौरान विजय यह भाषण दे रहे थे, जनता में लोग प्रभाकरण की तस्वीर लेकर भी खड़े हुए थे।

नागपट्टिनम में तमिझागा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीलंकाई तमिलों के लिए प्रभाकरण एक मां के समान है। स्पष्ट रूप से प्रभाकरण की बात करते हुए विजय ने कहा, हमारे नाभि-संबंधी रिश्तेदार, ईलम तमिल... चाहे वह श्रीलंका में हों या फिर दुनिया के किसी भी हिस्से में मौजूद हों... वह अपने एक ऐसे नेता को खोने के बाद दुखी हैं, जिसने उन्हें मां जैसा प्यार दिया है। आज उनकी आवाज को उठाना हमारा कर्तव्य है। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि विजय ने श्रीलंकाई तमिलों के लिए विजय ने अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसके पहले भी वह 2008 में श्रीलंका में तमिल समुदाय के लोगों की हत्या के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। उनकी तरफ से कहा गया था कि हम श्रीलंकाई तमिलों का समर्थन करते हैं, लेकिन यह भारत में प्रतिबंधित लिट्टे को समर्थन देने जैसा नहीं है। आपको बता दें श्रीलंका में स्वतंत्र तमिल राज्य को लेकर युद्ध लड़ने वाले लिट्टे चीफ प्रभाकरण और उसके खुफिया प्रमुख पोट्टू अम्मान ने 1991 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या की साजिश रची थी। जानकारी के मुताबिक लिट्टे भारत के प्रधानमंत्री से 1987 में पीस कीपिंग फोर्स भेजने का बदला लेना चाहता था।

राजस्थान चपरासी भर्ती परीक्षा: अंडरगारमेंट में छुपाई स्मार्ट वॉच से पेपर की फोटो बाहर भेजी

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान ग्रेड फोर्थ (चपरासी) भर्ती परीक्षा में नकल का मामला सामने आया है। जयपुर पुलिस ने एक इंजीनियर को परीक्षा के दौरान स्मार्ट वॉच से प्रश्न पत्र बाहर भेजते हुए अरेस्ट किया। आरोपी ने न सिर्फ एग्जाम सेंटर में अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच छुपाई थी, बल्कि वॉट्सऐप के जरिए पेपर की फोटो भी बाहर भेजी।

अशोक नगर थाना पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है और आरोपी के पास से स्मार्ट वॉच और मोबाइल जब्त किया गया। एसएचओ अशोक नगर किशन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रवि झाझरिया (25) खंडेला, सीकर का निवासी है। रवि बीटेक पास है और मुरलीपुरा इलाके में आईएएस कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहता है।

परीक्षा के दौरान रवि की संदिग्ध हरकतें नजर में आईं। पहली पारी में वह एग्जाम सेंटर महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल, अशोक नगर, जयपुर आया और अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच छुपाकर ले गया। सुबह करीब 10:30 बजे उसने स्मार्ट वॉच के कैमरे से प्रश्न पत्र की फोटो खींचकर वॉट्सऐप के जरिए बाहर भेज दी।

परीक्षा हॉल में उसकी हरकतें संदिग्ध लगीं,

जिससे परीक्षा नियंत्रकों ने उसे तलाशी के लिए रोका। तलाशी में स्मार्ट वॉच मिलने पर मामले की पुष्टि हुई और पुलिस ने रवि को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही वॉट्सऐप पर पेपर भेजने के बारे में जांच करने के लिए उसके घर पर से मोबाइल भी जब्त किया गया। परीक्षा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सभी अभ्यर्थियों के जूते उतरवाए गए, कलाई पर बंधे धागे और शर्ट के एक्स्ट्रा बटन हटा दिए गए। कानों में बाली और माला पहनकर आने वाले अभ्यर्थियों से भी ये सभी चीजें हटवाई गईं। बावजूद इसके रवि ने नकल के लिए स्मार्ट वॉच का सहारा लिया। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित ग्रेड फोर्थ भर्ती परीक्षा में प्रदेशभर से 8 लाख 22 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए।

संजय राउत का बड़ा दावा- महायुति के 90 प्रतिशत विधायक वोट चोरी से बने, जनता उन्हें ढूंढ रही

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने वोट चोरी के मुद्दे पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसे-ऐसे लोग चुनकर आए हैं जिनका कुछ अता-पता नहीं। लोग उन्हें ढूंढ रहे हैं कि कौन विधायक है। मीडिया से बातचीत में राउत ने शनिवार को कहा, ये लोग वोट चोरी से महाराष्ट्र में विधायक बन गए। एकनाथ शिंदे, अजित पवार या फिर बीजेपी के 90 फीसदी विधायक तो वोट चोरी बने हुए हैं। वे घपला करके बने हैं। इसलिए जनता को उनके नाम भी नहीं मालूम हैं।

संजय राउत ने कहा कि वे आकर धमकियां देते हैं तो देने दो। उन्होंने कहा, बीजेपी का अब यह कल्चर बन गया है। कोई जयंत पाटिल के पिता जी के बारे में बोलता है तो कोई मुझे गाली देता है। मैंने जो सवाल पूछा है उसका जवाब मिलना चाहिए। लोकतंत्र में आलोचना की जा रही है। राउत ने कहा कि घुसकर मारने की बात करोगे तो वापस नहीं जाओगे। दरअसल, महाराष्ट्र के भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर ने एनसीपी (एसपी) के नेता जयंत पाटिल और उनके माता-पिता के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी।

भाजपा विधायक पडलकर की टिप्पणी से विवाद

विपक्षी दल के अध्यक्ष शरद पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फोन कर अपनी असहमति दर्ज कराई थी। पडलकर ने संबंधित टिप्पणी हाल में सांगली जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र जत में रैली के दौरान की थी। इससे उत्पन्न विवाद के बीच फडणवीस ने भी आपत्ति व्यक्त की और विधायक को संयम बरतने की सलाह दी। टिप्पणी के विरोध में एनसीपी (एसपी) ने पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र सांगली के ईश्वरपुर व ठाणे में भी प्रदर्शन किया और पडलकर का पुतला जलाया। पाटिल हाल तक एनसीपी (एसपी) के प्रदेश प्रमुख थे और वह कई वर्षों तक मंत्री रहे हैं।

मानेसर के 20 वार्डों में खुलेंगे सीएफसी सेंटर

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम जिले का मानेसर नगर निगम अब अपने नागरिकों को उनके घर के पास ही निगम की सभी सेवाएं उपलब्ध कराने जा रहा है। निगम जल्द ही हर वार्ड में नागरिक सुविधा केंद्र (सीएफसी) स्थापित करेगा, जिससे लोगों को अपने काम के लिए निगम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस संबंध में एक प्रस्ताव अगले महीने होने वाली सदन की बैठक में रखा जाएगा। पार्षदों की मंजूरी के बाद इन केंद्रों पर काम शुरू हो जाएगा। इसको लेकर सभी वार्ड में एक-एक स्थान चिह्नित कर लिया गया है।

मानेसर निगम का गठन हुए पांच साल से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन अभी तक लोगों को अपने कार्यों के लिए निगम के अलग-अलग कार्यालय में चक्कर

लगाने पड़ते हैं। लोगों की इस परेशानी को दूर करने के लिए नगर निगम ने सीएफसी केंद्र खोलने की योजना बनाई है।

ये सीएफसी केंद्र लोगों के लिए कई तरह के कामों को आसान बना देंगे। लोग अब अपने वार्ड में ही प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवा सकेंगे। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का काम भी यहीं से हो जाएगा। घरों और भवनों के नक्शे पास करवाने की प्रक्रिया भी इन केंद्रों से पूरी की जा सकेगी। इसके अलावा, निगम से जुड़े अन्य सभी छोटे-मोटे काम भी इन केंद्रों से हो सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य निगम की सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुलभ और कुशल बनाना है। इससे समय की बचत होगी और लोगों को बेवजह की परेशानियों से भी मुक्ति मिलेगी।

निगम ने 20 वार्डों में सीएफसी केंद्र स्थापित करने के लिए जगह भी प्रस्तावित कर दी है। इनमें से एक वार्ड में पहले से ही सीएफसी केंद्र मौजूद है, जबकि बाकी 19 वार्डों में नए केंद्र खोले जाएंगे। गढ़ी, हरसरू, हयातपुर, कांकड़ौला, कासन, कुकडोला, खोह, लखनौला, बधां, सिकंदरपुर, रामपुरा, शिकोहपुर और नाहरपुर कासन जैसे गांवों में कम्युनिटी सेंटर या चौपालों में केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। मानेसर में तीन अलग-अलग स्थानों पर केंद्र खोले जाएंगे, जिनमें एम1 सोसाइटी और वृद्ध आश्रम भी शामिल है। नौरंगपुर में एससी चौपाल में पहले से ही एक केंद्र संचालित है। इस कदम से निगम का कामकाज और भी व्यवस्थित होगा।

संपादकीय

चिंता की बात

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच स्ट्रैटिजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंट हुआ है। इसके मुताबिक, किसी एक के प्रति दिखाई गई आक्रामकता दूसरे के खिलाफ भी मानी जाएगी, कुछ वैसा ही समझौता जैसा नैटो के सदस्य देशों के बीच है। भले कहा जा रहा हो कि यह समझौता पाकिस्तान और सऊदी अरब के लंबे ऐतिहासिक रिश्तों का परिणाम है, लेकिन भारत के लिए यह डिवेलपमेंट चिंता बढ़ाने वाला है। सऊदी अरब खाड़ी में भारत के करीबी सहयोगियों में से एक है। व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा सहयोग समेत कई क्षेत्रों में दोनों के बीच पिछले दो दशकों में संबंध गहरे हुए हैं– खासकर क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के दौर में नई तरह की गर्मजोशी देखने को मिली है। पीएम नरेंद्र मोदी इस साल अप्रैल में ही अपने तीसरे सऊदी दौरे पर गए थे, जहां दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग पर सहमति बनी थी। केवल सऊदी ही नहीं, क्षेत्र के दूसरे देशों के साथ भी भारत का सहयोग बढ़ रहा है। ्श्व के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है और ओमान व कतर के साथ बात चल रही है। लेकिन, सऊदी अरब–पाकिस्तान समझौते से इस क्षेत्र में भारत की कोशिशों को झटका लग सकता है। चार महीने पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़ा संघर्ष हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बॉर्डर पर अब भी तनाव है। ऐसे में यह आशंका दरकिनार नहीं की जा सकती कि भारत और पाकिस्तान के तनाव में इस समझौते की वजह से सऊदी अरब भी पार्टी बन जाए। समझौते का एक और अहम एंगल है, हाल में इस्राइल ने कतर की राजधानी दोहा पर एयर स्ट्राइक कर हमास के नेताओं को निशाना बनाने का प्रयास किया था। इसे लेकर मुस्लिम वर्ल्ड में काफी गुस्सा है। इस हमले के बाद दोहा में इस्लामिक देशों का आपातकालीन शिखर सम्मेलन बुलाया गया था, जहां यह चर्चा भी उछली कि क्या नैटो जैसा कोई संयुक्त सुरक्षा बल बनाया जा सकता है। अब दूसरे मुस्लिम देश भी इस तरह के समझौते की संभावना टटोल सकते हैं। इस रक्षा समझौते से पूरे क्षेत्र में असंतुलन पैदा हो सकता है। भारत ने कहा है कि वह इसके असर को देखेगा। सरकार को अपनी चिंताओं को लेकर सऊदी अरब से खुलकर बात करनी चाहिए। ध्यान रखना होगा कि यह समझौता किसी भी तरह से नई दिल्ली–रियाद संबंधों के आड़े न आए।

डिजिटल दुनिया के रोज बढ़ रहे खतरे

डिजिटल होती दुनिया में कोई बच्चा जब स्मार्टफोन या कंप्यूटर में मशगूल रहने लगता है, तो उसके अभिभावकों की प्रथम दृष्टया धारणा यही बनती है कि वह तकनीक के उपयोग को लेकर बहुत तीक्ष्ण बुद्धि वाला है। मुश्किल तब होती है, जब तकनीक में बच्चों या किशोरों की यही व्यस्तता उनके विवेक और व्यक्तित्व पर बेहद घातक असर डालती है और कई बार जानलेवा भी साबित होती है। गौरतलब है कि लखनऊ के गांव धनुवासाढ़ में तेरह वर्षीय एक किशोर को ऑनलाइन गेम की लत लग गई थी और इसी क्रम में वह अपने पिता के खाते में जमा तेरह लाख रुपए हार गया। जब पिता को पता चला तो डर की वजह से किशोर ने आत्महत्या कर ली। यह इस तरह की कोई अकेली घटना नहीं है। ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें आनलाइन गतिविधियों में लिप्त कई बच्चों की पहुंच अपने घर के पैसों तक हो जाती है और गेम में डिजाइन किए गए लालच के जाल में फंस कर वे अपने माता–पिता की मेहनत से कमाए गए पैसे बाजी में हार जाते हैं। तकनीकी कौशल हासिल करना और अपना ज्यादातर वक्त उसमें खो देना अलग–अलग बातें हैं। आज किशोरावस्था से गुजर रहे ऐसे बच्चों की संख्या बहुत बड़ी हो चुकी है, जो अपनी पढ़ाई–लिखाई से लेकर खेल और मनोरंजन तक के लिए पूरी तरह डिजिटल संसाधनों पर निर्भर होते जा रहे हैं और दोस्ती या खेलों की वास्तविक दुनिया से कटते जा रहे हैं। इसी क्रम में कोई बच्चा इंटरनेट पर कब किस अवांछित गतिविधियों में अपना वक्त जाया करने लगता है, अभिभावकों को अंदाजा भी नहीं हो पाता। आनलाइन गतिविधियों का लती हो चुका बच्चा जब किसी जानलेवा जंजाल में फंस जाता है, तब जाकर अभिभावक चिंतित होते हैं। मगर तब तक कई बार देर हो चुकी होती है। सवाल है कि इस तरह के अंजाम तक आने से पहले जिस तरह की स्थितियां बनती हैं, अभिभावकों को उन पर गौर करना, बच्चों को वक्त देना, उन्हें असली दुनिया में वापस लाना जरूरी क्यों नहीं लगता? वहीं सरकार ने भी जुए की तरह खेले जाने वाले आनलाइन खेलों की दुनिया को लगभग खुला छोड़ रखा है।

अमृत भारत एक्सप्रेस भारतीय रेल की एक नई पहल है, जो आम यात्रियों के लिए आधुनिक, सस्ती और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प प्रस्तुत करती है। यह नॉन-एसी सुपरफास्ट ट्रेनें हैं, जिनमें आरामदायक सीटें, बायो-वैक्यूम टॉयलेट, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट और सुरक्षा उपकरण जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। बिहार में इन ट्रेनों का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। पटना, दरभंगा, सहरसा, मोतिहारी, सीतामढ़ी और गया से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, अमृतसर और बेंगलुरु तक सीधे कनेक्शन मिलने से यात्रियों का सफर आसान और तेज़ हुआ है।

अमृत भारत एक्सप्रेस : भारत के जन-जन की ट्रेन

ओम प्रकाश
आईआरटीएस (सेवानिवृत्त)
पूर्व पीसीसीएम, उत्तरी रेलवे एवं पश्चिम मध्य रेल

कनेक्टिविटी के नए युग की शुरुआत

भारतीय रेल को देश की जीवनरेखा कहा जाता है। यह हर दिन 2.3 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को सफ़र कराती है। यह केवल एक परिवहन साधन ही नहीं बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने वाली शक्ति है। अमृत भारत एक्सप्रेस इस बड़े तंत्र में एक गेम-चेंजर बनकर उभरी है। कम-लागत, आधुनिक और समावेशी पहल जो भारतीयों की यात्रा करने की शैली को बदल रही है। यद्यपि यह पूरे देश की आशाओं को पूरा करती है, इसके परिवर्तनकारी प्रभाव विशेष रूप से बिहार में उल्लेखनीय हैं। एक ऐसा प्रदेश जहाँ निवासियों का भाग्य हमेशा से रेल कनेक्शन पर बहुत अधिक निर्भर रहा है।

यह ट्रेन वाकई में जन-जन की रेल है। जहाँ प्रीमियम ट्रेनों से केवल चुनिंदा लोगों को सुविधा होती हैं, वहीं अमृत भारत आम यात्रियों के लिए है। ये नॉन-एसी सुपरफास्ट ट्रेनें हैं जिनका किराया पारंपरिक मेल-एक्सप्रेस के करीब है, लेकिन सुविधाएँ आधुनिक हैं। उदाहरण के लिए, पटना-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस की स्लीपर टिकट लगभग 560 रुपये में मिलती है। सफ़र झटकों से मुक्त है, सीटें आरामदायक हैं, बायो-वैक्यूम टॉयलेट, एलईडी लाइटिंग और मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट जैसी सुविधाएँ मौजूद हैं। सुरक्षा के लिए फायर डिटेक्शन सिस्टम, सेमी-ऑटोमैटिक कपलर और ऑनबोर्ड मॉनिटरिंग जैसी तकनीकें भी लगी हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस का नेटवर्क देशभर में तेज़ी से बढ़ रहा है। दर्जन भर से अधिक मार्गों पर ट्रेनें चल रही हैं और अगले कुछ वर्षों में 200 नई अमृत भारत ट्रेनों की योजना है। सभी ट्रेनें मेक इन इंडिया के तहत देश में ही बन रही हैं। एक-एक रेक की लागत लगभग 65 करोड़ रुपये है, जिससे निर्माण इकाइयों, आपूर्ति श्रृंखला और रखरखाव केंद्रों में रोज़गार भी बढ़ रहा है। यह न सिर्फ़ यात्री सेवा में, बल्कि औद्योगिक दृष्टि से भी आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम है।

देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार में इन ट्रेनों का असर सबसे ज़्यादा दिखता है। पहले शुरू की गई 14 सेवाओं में से 10 सीधे तौर पर बिहार से जुड़ी हैं। दरभंगा, पटना, सहरसा, मोतिहारी, सीतामढ़ी और गया से अब दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, अमृतसर और बेंगलुरु तक सीधी कनेक्टिविटी है। 3,129 किलोमीटर लंबी जोगबनी–इरोड अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार के उत्तर-पूर्वी छोर को दक्षिण भारत (तमिलनाडु) से जोड़ती है। छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और परिवारों के लिए इसका मतलब है कम यात्रा समय, आसान सफ़र और महानगरों तक सीधी पहुँच।

इसका सीधा आर्थिक असर भी हो रहा है। किसान और छोटे व्यापारी अब इन ट्रेनों के पार्सल वैन के ज़रिए जल्दी और सस्ते में अपना सामान बड़े बाज़ारों तक पहुँचा पा रहे हैं। स्टेशनों के आसपास रिक्शा चालकों, चाय विक्रेताओं, होटल व्यवसायियों और हस्तशिल्पियों को भी रोज़गार के नए अवसर मिल रहे हैं। इसके साथ ही सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना भी इन लाभों को बढ़ा रही है। जिसके अंतर्गत 1300 से अधिक स्टेशनों (केवल बिहार में 98) का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। जहाँ स्थानीय कलाकार जैसे मधुबनी पेंटिंग बनाने वाले या मिठाई बेचने वाले सीधे यात्रियों तक अपनी चीज़ें पहुँचा सकते हैं।

पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा मिला है। बिहार के बोधगया, नालंदा और पटना साहिब जैसे धरोहर स्थल पहले पहुँच की कमी से जूझते थे। अब गया, सीतामढ़ी और पटना तक सस्ती और सीधी ट्रेनों की वजह से तीर्थयात्रियों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए आना आसान हो गया है। दूसरी ओर, बिहारवासियों के लिए भी अमृतसर का स्वर्ण मंदिर या हरिद्वार जैसे पर्यटन स्थलों तक जाना सुगम हो गया है। इससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतरराज्यीय पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

अंततः अमृत भार त केवल पटरियों पर दौड़ती हुई रेलगाड़ी नहीं है, बल्कि समावेशी विकास का प्रतीक भी है। यह लाखों लोगों की यात्रा को आरामदायक और किफ़ायती बनाते हुए उद्योग, पर्यटन और रोज़गार को आगे बढ़ा रही है। यह भविष्य के लिए तैयार भारतीय रेल की ओर एक कदम है। यह एक नया अध्याय है जहाँ कनेक्टिविटी आकांक्षाओं, अवसरों और गर्व को आगे बढ़ाने वाली शक्ति बनेगी, विशेषकर बिहार के लिए।

अडाणी को क्लीन चिट मिलने के बाद क्या अब हिंडनबर्ग और राहुल गांधी माफी मांगेंगे

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि हिंडनबर्ग ने अपने तथाकथित रिसर्च रिपोर्ट में अडाणी समूह पर स्टॉक मैनिपुलेशन और फर्जी अकाउंटिंग के आरोप लगाए। रिपोर्ट ऐसे समय में जारी की गई जब अडाणी एंटरप्राइजेज अपना 20,000 करोड़ रुपये का मेगा पब्लिक ऑफर लाने जा रही थी। जनवरी 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने भारतीय उद्योग जगत के सबसे बड़े नामों में शुमार अडाणी समूह पर गंभीर आरोप लगाए। आरोपों का स्वरूप इतना सनसनीखेज था कि देखते ही देखते शेयर बाज़ार में भूचाल आ गया। करोड़ों निवेशकों की मेहनत की कमाई रातों-रात डूब गई और भारत की वैश्विक आर्थिक साख पर प्रश्नचिह्न लगाने की कोशिश हुई। यह केवल एक कॉर्पोरेट विवाद नहीं था, बल्कि भारत की औद्योगिक प्रगति को बदनाम करने की सुनियोजित साजिश थी। हम आपको याद दिला दें कि हिंडनबर्ग ने अपने तथाकथित रिसर्च रिपोर्ट में अडाणी समूह पर स्टॉक मैनिपुलेशन और फर्जी अकाउंटिंग के आरोप लगाए। रिपोर्ट ऐसे समय में जारी की गई जब अडाणी एंटरप्राइजेज अपना 20,000 करोड़ रुपये का मेगा पब्लिक ऑफर लाने जा रही थी। इसका सीधा असर यह हुआ कि निवेशकों का विश्वास हिल गया और शेयरों में भारी गिरावट दर्ज हुई। चिंता की बात यह थी कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने भी इस रिपोर्ट को सच मानकर इतना दुष्प्रचार किया मानो पूरा अडाणी समूह भ्रष्टाचार और घोटालों का अड्डा हो। संसद से लेकर सड़क तक इस रिपोर्ट को हथियार बनाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हुई। इस राजनीतिकरण ने विदेशी निवेशकों में भी भ्रम फैलाया और भारत के कॉर्पोरेट जगत की विश्वसनीयता पर आघात पहुँचा।

लेकिन लगभग दो साल की लंबी और गहन जाँच के बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने साफ कह दिया है कि अडाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार और आधारहीन थे। जाँच में पाया गया कि जिन वित्तीय लेन-देन को हिंडनबर्ग ने 'फर्जी' बताया, वे सब कानूनी रूप से वैध ऋण और पुनर्भुगतान थे। न तो धन का गबन हुआ, न ही किसी अवैध पार्टी को फायदा पहुँचाया गया। यहाँ तक कि जाँच के दौरान लिए गए सभी ऋण ब्याज समेत वापस किए गए। सेबी ने अपने आदेश में यह भी कहा कि इन लेन-देन को 'रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन' या 'फर्जीवाड़ा' नहीं कहा जा सकता। यानी, आरोपों का कोई कानूनी या आर्थिक आधार ही नहीं था। देखा जाये तो हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते जो हुआ, वह किसी भी देश के उद्योग जगत के लिए चेतावनी है। अडाणी समूह के शेयरों में अचानक भारी गिरावट आई। छोटे-बड़े करोड़ों निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा। यह नुकसान केवल अडाणी का नहीं था, बल्कि भारत के वित्तीय बाजार और निवेश माहौल का भी था। गौतम अडाणी ने स्वयं कहा कि इस विवाद से उन्हें सबसे अधिक दुख इस बात का है कि आम निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। यह कथन उनकी व्यक्तिगत पीड़ा को दर्शाता है और यह भी बताता है कि एक सुनियोजित झूठ कितनी बड़ी आर्थिक तबाही ला सकता है। देखा जाये तो हिंडनबर्ग की यह रिपोर्ट मात्र एक रिसर्च डॉक्युमेंट नहीं थी। यह स्पष्ट था कि इसके पीछे राजनीतिक और आर्थिक स्वार्थ छिपे हुए थे। एक तरफ अमेरिकी और पश्चिमी ताकतें भारत की तेज़ आर्थिक वृद्धि और उसके वैश्विक प्रभाव से चिंतित थीं, दूसरी तरफ कुछ घरेलू राजनीतिक दलों ने इसे अपने लाभ के लिए हथियार बना लिया।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5860

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5859

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5860

1	2		■	3		4	■
5		■	6		■		■
	■	7			■	8	9
■	10		■	11	12		
■	■	13	14			■	
15	16	■	17		■	18	
■	19	20		■	21		
22			■	■	■	■	

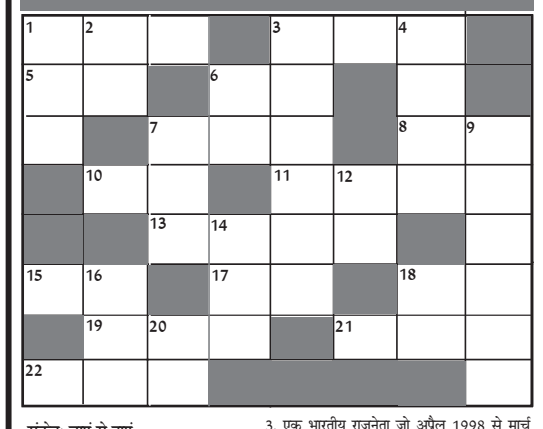

संकेतः बाएं से दाएं
1. इस देश में पहली बार 1960 को सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट की गई (3)
3. यह देश 1945 को संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ (3)
5. लट, अलकपाश, अलकावली (2)
6. एक प्रकार की छोटी सरसों, बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य (2)
7. पचा, पचित, गबन (3)
8. इकरार, वचन, प्रतिज्ञा (2)
10. एक प्रकार का श्वास रोग (2)
11. उत्तरप्रदेश का प्रमुख नगर जो महामाया नगर जिले में स्थित है (4)
13. ये जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थकर है, वीरश्रेष्ठ, वीरकेसरी (4)
15. खड़्ग, वक्र, तलवार (2)
17. भाव, निर्ख, दहलीज, चौखट (2)
18. बंदर, वानर, मरूत (2)
19. महर्षि परशुराम का शस्त्र (3)
21. धीमा ध्वनि, पदचाप, खटका, टोह, भनक (3)
22. शक्ल, आकार, रूप, मुखमंडल (3)
23. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)

ऊपर से नीचे
1. फौज का दस्ता, लाम (3)
2. पलाश, होली का रंग (2)
3. एक भारतीय राजनेता जो अप्रैल 1998 से मार्च 2003 तक की अवधि में मध्यप्रदेश के राज्यपाल रहे (6)
4. यह छत्रपति शिवाजी का शस्त्र है (4)
6. हुकुमत, प्रभुत्वकाल, शासन (2)
7. वाष्प स्नान कक्ष, स्नानागार (3)
9. कार्ल मार्क्स की एक कृति जिसमें पूंजीवाद का विश्लेषण है (6)
12. बाघ की मांद, तह, परत (2)
14. दुर्घटना, आपत्ति, वारदात, विपत्ति (3)
16. बिंदू, शून्य चिन्ह (3)
18. अभिव्यक्ति करना, कथित करना, फरमाना, बोलना (2)
20. मनोयोग से लगा हुआ, आसक्त, लीन (2)

वर्ग पहेली 5859 का हल

हं	ग	री	■	अ	न	जा	न
स	म	ता	■	■	ल	त	■
वा	क	■	जू	ठा	■	■	न
ह	■	मु	नि	■	अ	सु	र
नी	ल	■	य	दि	■	र	म
■	की	क	र	■	सौं	■	■
प	र	म	■	ची	फ	■	पे
द	■	ला	ल	ची	■	गु	रू

आज का राशिफल

मेष
आज कारोबार के मामले में दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहने वाला है। किसी बात को लेकर आपका मन अशांत रह सकता है। लेकिन कोई भी निर्णय जल्दबाजी या भावुकता में लेने से बचें। हालांकि, माता-पिता के आशीर्वाद और सहयोग से धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होती जाएगी। कार्यक्षेत्र में मधुर वाणी का प्रयोग करने से आपको लाभ प्राप्त होगा और धीरे-धीरे उन्नति मिलेगी।

वृष
आज व्यापार के मामले में नए संपर्क बनाने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है और भाग्य भी आपका साथ देने लगेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा और दोस्तों के साथ किसी लंबी यात्रा पर जाने का प्लान बना सकते हैं। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी परिस्थिति में अधिक क्रोध से बचना होगा, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मिथुन
आज कार्यक्षेत्र में विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। लेकिन उनकी बातों पर आपको ध्यान देने से बचना होगा। अपने कार्य पर लगे रहने से लाभ जरूर प्राप्त होगा और भविष्य में आपको सफलता हासिल होगी। सामाजिक क्षेत्र में आपकी नए लोगों के साथ मुलाकात हो सकती है।

तुला
आज व्यवसाय के क्षेत्र में आपको लाभ प्राप्त होने की संभावना बनी हुई है। वहीं, अगर नौकरी और व्यापार के मामले में कुछ समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब आपको उनका समाधान मिल सकता है। आपका छोटा व्यवसाय भी आगे चलकर बड़ा बन सकता है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के सहयोग से प्रोजेक्ट समय पर पूरे होंगे।

वृश्चिक
आज नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा वे आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं। इससे आपके कार्यों में भी बाधाएं आ सकती हैं। व्यापार के मामले में आपको नई उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे समाज में मान-सम्मान भी बढ़ेगा। लेकिन आर्थिक मामलों में किसी भी अनजान व्यक्ति से लेनदेन करने से बचें।

धनु
आज कार्यक्षेत्र में आपको सोच-समझकर सही निर्णय लेने से लाभ मिलेगा। इसी के चलते आपका मन भी प्रसन्न रहेगा और आप रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रुचि दिखा सकते हैं। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी विशेष व्यक्ति का सहयोग मिल सकता है। वहीं, बिजनेस के मामले में आपको अचानक लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि, विपरीत परिस्थिति में क्रोध से बचना होगा।

कर्क
आज कार्यक्षेत्र में आपको सतर्क रहने की जरूरत है, अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों से किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। ऐसे में अपनी वाणी पर संयम रखना जरूरी होगा। वहीं, कुछ विरोधी सक्रिय हो सकते हैं लेकिन आप बुद्धिमानी से स्थिति के सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। व्यापार के मामले में आपको अपने आसपास मौजूद अवसरों को पहचानना होगा।

सिंह
आज यह दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। व्यापार के क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी। वहीं, वाहन या भूमि खरीदने का भी शुभ संयोग बन रहा है। इसके अलावा, स्थान परिवर्तन होने की संभावना भी बनी हुई है। आपके सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी परिवार का माहौल सुखद रहेगी और घर के लिए कुछ सामान खरीद सकते हैं।

कन्या
आज शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों की किसी प्रतियोगिता में जीत हो सकती है। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करने होंगे। कार्यक्षेत्र में कोई खास उपलब्धि प्राप्त होने से मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, आप अपनी संतान के भविष्य की ओर भी कुछ ध्यान दे सकते हैं।

मकर
आज यह दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप कुछ विशेष काम करने या योजना बनाने में लगे रह सकते हैं। अधिकारी वर्ग से आपका मेलजोल बढ़ेगा। इससे भविष्य में लाभ भी मिल सकता है। आपको किसी सरकारी संस्था से दूरगामी लाभ मिलने की संभावना है। वहीं, परिवार में संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है।

कुंभ
आज आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है। अगर आपका धन लंबे समय से कहीं अटका हुआ था तो अब वह अचानक से आपको वापस मिल सकता है। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन आपको कार्यस्थल पर अधूरे पड़े जरूरी कार्यों को पूरा करने पर भी ध्यान देना होगा। व्यापार के मामले में नए संपर्कों से लाभ की स्थिति बन सकती है। ऐसे में तनाव कुछ कम होगा।

मीन
आज कार्यस्थल पर अपने पद और अधिकारों को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। वहीं, कुछ समस्याओं का हल न मिल पाने के कारण भी मन अशांत रहेगा। ऐसे में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा। व्यापार के मामले में यात्रा के योग बन सकते हैं। लेकिन इस समय आपको किसी भी प्रकार के जोखिम भरे कार्य या निर्णय से बचना होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

मिथुन मनहास को मिल सकती है BCCI अध्यक्ष की जिम्मेदारी

मुंबई, एजेंसी। 45 वर्षीय मिथुन मनहास का क्रिकेट करियर लंबा और सफल रहा है। उन्होंने 1997/98 सीजन में दिल्ली से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिल सकी। बीसीसीआई के नए अध्यक्ष के नाम पर से जल्द पर्दा उठ सकता है। दिल्ली से खेलने वाले जम्मू-कश्मीर के पूर्व बल्लेबाज मिथुन मनहास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष बन सकते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में हुई बीसीसीआई की बैठक में मनहास सबसे मजबूत उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 21 सितंबर तय है, जबकि चुनाव 28 सितंबर को होंगे।

घरेलू क्रिकेट के स्टार रहे मनहास

45 वर्षीय मिथुन मनहास का क्रिकेट करियर लंबा और सफल रहा है। उन्होंने 1997/98 सीजन में दिल्ली से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिल सकी क्योंकि उस दौर में सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज बल्लेबाज टीम का हिस्सा थे।

इसके बावजूद, मनहास घरेलू क्रिकेट में बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित हुए। उन्होंने दिल्ली रणजी टीम की कप्तानी भी की और शुरुआती दिनों में विराट कोहली ने उनके नेतृत्व में खेला। 2007-08 रणजी सीजन में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 921 रन बनाए और उनका औसत 57.56 का रहा। उसी सीजन में दिल्ली ने खिताब जीता था।

2015 में मनहास अपने गृहनगर जम्मू-कश्मीर लौट आए। उनके फर्स्ट क्लास करियर में 157 मैच, 9714 रन, और 27 शतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।

मिथुन मनहास को 2008 में पहले आईपीएल सीजन में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) ने खरीदा था। वे 2010 तक टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद उन्होंने पुणे वॉरियर्स इंडिया और 2014 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खेला। आईपीएल में मनहास ने कुल 55 मैच खेले और 514 रन बनाए। उनका औसत 22.34 का रहा। मनहास का स्ट्राइक रेट 109.36 का रहा।

अगर मैं एंडी पाइक्रॉफ्ट होता, तो आप मुझसे माफी मांगते : अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इन दिनों गलत कारणों से चर्चा में है। मौजूदा टी20 एशिया कप 2025 में पीसीबी ने भारत द्वारा हाथ मिलाने की अनदेखी पर नाराजगी जताई और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर अपना गुस्सा निकाला। यूएई मैच से पहले पाइक्रॉफ्ट की पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से मुलाकात की रिकॉर्डिंग को लेकर जहां पीसीबी मुश्किल में है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बेवजह के ड्रामे के लिए बोर्ड की आलोचना की। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, एंडी पाइक्रॉफ्ट ने वाकई सबको ऐसा घटिया तमाशा देखने से बचा लिया। उन्होंने आगे कहा, भारत ने मैच रेफरी को पहले ही बता दिया था, यह हमारा फैसला है और हम इसका पालन करेंगे। बस। इतने सारे ड्रामे के बाद आप मैच हार गए। तो आप किस बात की शिकायत कर रहे हैं? आप इसलिए नहीं हारे क्योंकि हमने हाथ नहीं मिलाया। कृपया जाकर पता लगाएं कि आप असल में क्या सुधार कर सकते हैं।

अगर भारत के साथ हाथ न मिलाना आपकी समस्या थी, तो आप यूएई के मैच में उस समस्या का हल क्यों ढूंढ रहे थे? आपको एंडी पाइक्रॉफ्ट को बलि का बकरा क्यों बनाना पड़ा? उसने कुछ भी गलत नहीं किया। अश्विन ने आगे कहा, वह कोई स्कूल टीचर नहीं है। वह कोई प्रिंसिपल नहीं है। वह जाकर सूर्या को नहीं ला सकता और कह सकता है, आओ हाथ मिलाओ। यह उसका काम नहीं है। आखिर पाइक्रॉफ्ट की क्या गलती है।

स्मृति मंधाना ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 50 गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 50 गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बन गईं। इस मामले में उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, कोहली ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में शतक लगाया था और एक दशक से ज्यादा समय तक यह रिकॉर्ड उनके ही नाम था।

मंधाना ने करेन रोल्टन को पीछे छोड़ा

महज 50 गेंदों में शतक जड़कर मंधाना महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2000-01 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए 57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2012-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं।

विश्व कप 2025 के लिए

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम का किया समर्थन

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के समर्थन में देश को एकजुट करने के लिए आवाज उठाई है और प्रशंसकों से महिला क्रिकेट के लिए भी वैसा ही जुनून और समर्थन दिखाने का आग्रह किया है जैसा वे पुरुष क्रिकेट के लिए दिखाते हैं।

इस साल महिलाओं के प्रमुख टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता, जियोहॉटस्टार द्वारा जारी एक वीडियो में अक्षय कुमार ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। महिला क्रिकेट टीम का समर्थन करने के महत्व पर बात करते हुए अक्षय कुमार ने 2017 विश्व कप फाइनल देखने के अपने अनुभव को याद किया और अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, ÷मुझे 2017 विश्व कप फाइनल आज भी याद है। मैं स्कॉटलैंड से ट्रेन पकड़कर फाइनल देखने स्टेडियम गया था। मैंने हमारी महिला क्रिकेट टीम का जुनून देखा।

मैं क्यों गया था? क्योंकि तभी मुझे समझ आया कि क्रिकेट में कोई लिंग भेद नहीं होता। बस एक जर्सी, एक जुनून और एक टीम होती है। टीम इंडिया।

उन्होंने कहा, हम आमतौर पर पुरुष टीम का उत्साहवर्धन करते हैं। लेकिन असली समर्थन तब मिलेगा जब हम अपनी महिला टीम का भी उतना ही उत्साहवर्धन करेंगे, जितना हम पुरुष टीम का करते हैं। असली प्रशंसक वह है जो हर खिलाड़ी के साथ खड़ा हो, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यही असली नीले रंग की निशानी है।

जर्सी वही, जज्बा वही। वीडियो में, अक्षय भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना की 18 नंबर की जर्सी पकड़े हुए भी दिखाई दे रहे हैं, जिससे यह बात पुख्ता होती है कि विराट कोहली हों या स्मृति मंधाना, जर्सी एक ही रहती है। भारत, श्रीलंका के साथ मिलकर आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी कर रहा है, जिसका पहला मैच 30 सितंबर को गुवाहाटी में शुरू होगा। भारत अपने घरेलू मैदान पर अपना पहला आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब जीतने की उम्मीद कर रहा है।

बांग्लादेश खिलाफ अफगानिस्तान टीम की घोषणा

● सीमित ओवर की सीरीज के लिए टीम में हुए 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश खिलाफ 2 अक्टूबर से यूएई में शुरू होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा की।

टी20 एशिया कप 2025 के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद अफगान चयनकर्ताओं ने तीन बड़े बदलाव किए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी , ऑलराउंडर गुलबदीन नैब और करीम जनत को टीम में जगह नहीं मिली। फारूकी की जगह लंबे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद को टीम में शामिल किया गया। वह अफगानिस्तान के लिए पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अंडर-19 स्तर पर अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया है और पांच लिस्ट ए और 14 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 38.16 की औसत से 12 टी20 विकेट लिए हैं।

इस सूची में एक और अनकैप्ड खिलाड़ी 18 वर्षीय शीर्ष क्रम बल्लेबाज वफीउल्लाह तरखिल हैं। अफगानिस्तान की बल्लेबाजी टीम को जूझना पड़ा है और 2026 के टी20 विश्व कप से पहले वे अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना चाहेंगे। तरखिल ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 28.35 की औसत और 145.95 के स्ट्राइक रेट से 794 रन बनाए हैं।

उनके नाम पांच टी20 शतक हैं। अल्लाह गजनफर और रहमत शाह को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। वे वनडे टीम का हिस्सा बने रहेंगे।

● **अफगानिस्तान टी20 टीम:**

राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, वफीउल्लाह तारखिल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, शराफुद्दीन अशरफ, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, बशीर अहमद, फरीद अहमद मलिक, अब्दुल्ला अहमदजई।

रिजर्व: एएम गजनफर और रहमत शाह।

● **अफगानिस्तान वनडे टीम:**

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांगेयालिया खारोटे, एएम गजनफर, अब्दुल्ला अहमदजई, बशीर अहमद, मोहम्मद सलीम सफी।

रिजर्व: बिलाल सामी और फरीदून दाऊदजई।

मेसी का धमाकेदार प्रदर्शन

इंटर मियामी ने यूनाइटेड को 3-2 से हराया

मियामी , एजेंसी। मियामी की जीत और दो गोलों के बाद मेसी के इस सीजन में कुल 22 गोल हो गए हैं, जिससे वे नैशविल एससी के सैम सर्रिज से एक गोल आगे निकल गए हैं और गोल्डन बूट रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। मेजर लीग सॉकर में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए अपनी टीम इंटर मियामी को डी.सी. यूनाइटेड के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। अर्जेंटीनी स्टार ने इस मैच में एक असिस्ट और दो गोल किए।

पहले हाफ में असिस्ट, दूसरे हाफ में दो गोल

पहले हाफ में मेसी ने 35वें मिनट में तादेओ एलेन्डे के गोल में असिस्ट किया और इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मेसी का इस सीजन का 12वां असिस्ट था, जो लीग में चौथे सबसे ज्यादा असिस्ट के बराबर है। दूसरे हाफ में डी.सी. यूनाइटेड ने क्रिश्चियन बेंटेके के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया, लेकिन मेसी ने 66वें मिनट में शानदार गोल दागकर इंटर मियामी को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद 85वें मिनट में मेसी ने एक और गोल कर टीम की जीत लगभग पक्की कर दी। डी.सी. यूनाइटेड ने इंजरी टाइम में एक गोल जरूर किया, लेकिन स्कोर 3-2 पर ही रहा।

मेसी गोल्डन बूट रेस में सबसे आगे

मियामी की जीत और दो गोलों के बाद मेसी के इस सीजन में कुल 22 गोल हो गए हैं, जिससे वे नैशविल एससी के सैम सर्रिज से एक गोल आगे निकल गए हैं और गोल्डन बूट रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए नूर और मुजीब को मिले डिमेरिट अंक

दुबई, एजेंसी। अफगानिस्तान के स्पिनर नूर अहमद और मुजीब उर रहमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर एक-एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। यह घटना गुरुवार को अबु धाबी में एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान हुई। नूर अहमद को आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन करते पाया गया, जिसका मतलब है अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाना। जबकि मुजीब पर आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करने का आरोप लगा, जो क्रिकेट उपकरण, कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिटिंग्स का दुरुपयोग करने से संबंधित है। मुजीब ने मैच के दौरान अपने तौलिये से स्टंप तोड़ दिए थे। नूर ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर में असहमति जताई थी, जब अंपायर ने उनकी एक गेंद को वाइड करार दिया था। मैदान पर मौजूद अंपायर आसिफ याकूब और वीरेंद्र शर्मा, तीसरे अंपायर फैसल अफरीदी और चौथे अंपायर रोहन पंडित ने आरोप लगाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने अपराध स्वीकार कर लिए और मैच रेफरी रिची रिचडर्सन द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। गौर है कि अफगानिस्तान का एशिया कप अभियान श्रीलंका से छह विकेट से हारने के बाद समाप्त हो गया। उस मैच में नूर और मुजीब ने एक-एक विकेट लिया था।

पीकेएल-12: अंतिम रेड पर नीरज को लपक पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी का विजय रथ रोका

जयपुर, एजेंसी। दबंग दिल्ली केसी का लगातार छह मैचों से चला आ रहा विजय रथ आखिरकार रुक गया है। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में शनिवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 43वें मुकाबले में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने अंतिम रेड में नीरज नरवाल को लपक 33-30 के अंतर से मैच जीत लिया। दिल्ली को पहली हार मिली जबकि पटना को सात मैचों में दूसरी जीत मिली।

एक समय 12 अंक से पीछे चल रही पटना की जीत में अंकित (12) का अहम योगदान रहा। उन्होंने मैच में पटना की वापसी कराई और फिर स्कोर बराबर भी किया। दिल्ली के लिए आशू मलिक ने 6 अंक लिए जबकि नीरज नरवाल ने 8 अंक जुटाए। पटना के लिए कप्तान अंकित ने डिफेंस में 6 अंक जुटाए। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मिनट में ही 4-1 की लीड बना ली थी लेकिन सुधाकर ने फजल का शिकार कर फासला दो का कर दिया।

फिर अजिंक्य को लपक अंकित ने स्कोर 3-4 कर दिया। सौरव ने मिलन को लपका तो अयान ने डिफेंस में हाथ साफ करते हुए नीरज का शिकार कर स्कोर 4-6 कर दिया। इस बीच दिल्ली ने अयान को लपका और फिर अजिंक्य ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 8-4 कर दिया। ब्रेक के बाद सुधाकर ने एक अंक लिया तो नीरज ने दिल्ली को दो अंक दिला दिए। संदीप और सुरजीत ने हालांकि अगली रेड पर सुधाकर को लपक लिया लेकिन अंकित ने अजिंक्य का शिकार कर स्कोर 6-11 किया। फिर सुरजी ने अकेले दम पर मिलन को लपक लीड फिर दोगुना कर दी। इस

बीच आशू ने दो अंक लेकर पटना को दो खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया।

अगली रेड पर नीरज ने हालांकि उन्हें रिवाइव करा लिया। फिर नीरज ने ही पटना को आलआउट की ओर धकेला और फिर सुरजीत ने हाफटाइम से ठीक पहले आलआउट लेते हुए दिल्ली को 19-10 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद दिल्ली ने लगातार दो अंक लेकर पकड़ मजबूत की। इस बीच सौरव ने अयान को लपक स्कोर 22-11 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर सौरव का शिकार कर लिया लेकिन अजिंक्य ने मिलन को आउट कर हिसाब बराबर किया। दिल्ली का डिफेंस अयान को नहीं चलने दे रहा था लेकिन डिफेंस ने हाथ खोल दिए थे। नवदीप ने अजिंक्य को लपक लिया। पिछली रेड पर नीरज को आउट करने वाले अंकित ने अगली दो रेड पर सुरजीत और फजल को आउट कर स्कोर 16-25 कर दिया। फिर डिफेंस ने नीरज को लपक दिल्ली को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। अंकित ने इसके बाद डू ओर डाई रेड पर संदीप का शिकार कर दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला।

अंकित ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ दिल्ली को आलआउट कर स्कोर 22-26 कर दिया। आलइन के बाद आशू ने नवदीप को बाहर किया। इस बीच अंकित ने बोनस लिया और फिर आशू ने दो अंक की रेड क साथ स्कोर 29-23 कर दिया। फिर अंकित के बोनस के बाद पटना के डिफेंस ने अजिंक्य को लपक फासला 5 का कर दिया। फिर अंकित ने सौरव का शिकार कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए।

न्यूज बाइट्स

एससी-एसटी कांड में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

देवकुंड (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले में एससी-एसटी कांड से जुड़े तीन वांछित अभियुक्तों को औरंगाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई देवकुंड थाना द्वारा की गई। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों की गिरफ्तारी से मामले की जांच में तेजी आएगी और दोषियों को कानून के तहत सजा दिलाई जाएगी। इस कार्रवाई से जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और एससी-एसटी कानून के उल्लंघन को रोकने में मदद मिलेगी।

पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में औरंगाबाद पुलिस ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए दो एनबीडब्ल्यू (नॉटिस वारंट) वॉरंट के अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी ग्राम कठौतिया से की गई। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई सलैया थाना द्वारा अंजाम दी गई। गिरफ्तार अभियुक्तों को कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस गिरफ्तारी से अपराधियों में डर और जिले में सुरक्षा का संदेश मजबूत हुआ है।

पुलिस रात्री गश्ती में सतर्क, सुरक्षा सुनिश्चित

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जिले में सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए औरंगाबाद पुलिस रात्री गश्ती और ओ.डी. (ऑपरेशन ड्यूटी) पर तैनात पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की उपस्थिति और सतर्कता सुनिश्चित कर रही है। वरीय पदाधिकारी लगातार गश्ती दलों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का पालन करवाते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित माहौल बनाए रखना है। औरंगाबाद पुलिस ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि वह हमेशा जनता की सेवा और सुरक्षा में तत्पर है।

किलकारी के बच्चे सुरक्षा से लेकर अनुशासन की संभालेंगे कमान

पटना (नि.सं.)। किलकारी के 14 बच्चे अब सुरक्षा से लेकर अनुशासन तक का कमान संभालेंगे। इसके लिए किलकारी बाल भवन ने इन बच्चों का चयन किया है। ये बच्चे अलग-अलग समिति के माध्यम से पूरे किलकारी परिसर में सुरक्षा, देखरेख और अनुशासन बनाये रखने की जिम्मेवारी उठायेंगे। रविवार को चयनित सभी 14 बच्चों के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। इसमें सभी बच्चों ने ईमानदारी और मिलजुल कर काम करने की शपथ ली। बता दें कि किलकारी बाल भवन के बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता का विकास हो, इसके लिए किलकारी बच्चों को बचपन से ही तैयार करता है। हर साल किलकारी बाल भवन में कुछ बच्चों का चयन होता है जो किलकारी के प्रशासनिक, कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर पूरे परिसर को देखरेख करते हैं। इसमें अनुशासन समिति, बाल चौपाल समिति, बागवानी समिति और भवन रख रखाव समिति शामिल है। हर समिति में अध्यक्ष के अलावा चार सदस्य होते हैं।

नवरात्र के लिए गंगा जल लाने गए दो युवक डूबे

पटना (नि.सं.)। पटना के मरीन ड्राइव घाट पर रविवार की सुबह गर्दनीबाग के रहने वाले दो युवक डूब गए। दोनों कल से शुरू होने वाली नवरात्र पूजा के लिए गंगा जल लेने घाट आए थे। दोनों युवकों के शव अभी तक बरामद नहीं किए जा सके हैं। तीसरा युवक सोना कुमार भी उनके साथ आया था, जो डूबने से किसी तरह बच गया है। हादसे के बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान एक युवक की बॉडी पीरबहोर इलाके के काली घाट के पास मिली है। फिलहाल, बॉडी को पीएमसीएच पोस्टमॉर्टम में रखा गया है और उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। दोनों युवक की पहचान बंटी कुमार (31 वर्ष) और सुमित कुमार (30) के तौर पर हुई है। दोनो गर्दनीबाग दमडिया रोड नंबर 20 के रहने वाले थे।

रात के अंधेरे में चोरी, चोरों ने आठ लाख रुपए का आभूषण-नकदी किया गायब

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र के खपिया गांव में हुई, जिसने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी। बीती रात अज्ञात चोरों ने युगल सिंह के घर में चोरी की। पुलिस सूत्रों के अनुसार चार से पांच की संख्या में चोरों ने पहले छत के रास्ते घर में प्रवेश किया और फिर कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़ दिया। इस वारदात में लाखों रुपये के सोने और चांदी के आभूषण तथा 12 हजार रुपए नकदी चोरी हो गए।

घटना का पता घरवालों को सुबह तब चला जब उन्होंने अपनी नींद से जागकर कमरे का मंजर देखा। चोरी करने के दौरान चोरों ने जिस कमरे में लोग सो रहे थे, उसका कुंडी बाहर से बंद कर दिया था। शोर मचाने पर आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे और कमरे का कुंडी खोलकर घरवालों को बाहर निकाला। तब तक अज्ञात चोर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। कमरे में अलमारी टूटी हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था।

घटना की सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों ने डायल-112 को जानकारी दी। तुरंत टीम घटनास्थल पर पहुंची और चोरी की छानबीन में जुट गई। शुरुआती जांच में पता चला कि घटनास्थल से लगभग 500 मीटर दूर नहर के पास एक टूटा हुआ बक्सा मिला है। यह बक्सा चोरी के सामान से संबंधित होने की संभावना जताई जा रही है। युगल सिंह ने बताया कि इस चोरी में उन्हें लगभग आठ लाख रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि घर का माहौल पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया और घरवालों में भारी तनाव और चिंता की स्थिति रही।

थानाध्यक्ष इमरान आलम ने मामले पर ध्यान देते हुए बताया कि फिलहाल छानबीन जारी है। उन्होंने कहा कि साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया जा रहा है। हालांकि अभी तक चोरी की कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर बेहद चिंतित हैं और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से ग्रामीण क्षेत्रों में सतर्कता और पुलिस के नियमित गश्त की आवश्यकता कितनी महत्वपूर्ण है। इस चोरी की वारदात ने क्षेत्र में भय और सुरक्षा की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि वे सभी संभावित सुरागों का अध्ययन कर, चोरों की पहचान कर जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करेंगे।

वहीं, पुलिस और ग्रामीणों के बीच सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका इस मामले में उजागर हुई है, जिससे आगे ऐसे अपराधों की संभावना को कम किया जा सके।

कुटुंबा में शिव गुरु महोत्सव : हर व्यक्ति मान सकता है शिव को अपना गुरू

- किसी भी व्यक्ति को शिव का शिष्य बनने के लिए पारंपरिक औपचारिकता या दीक्षा की आवश्यकता नहीं है।

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

कुटुंबा प्रखंड में आयोजित शिव गुरु महोत्सव में लोगों को यह संदेश दिया गया कि हर व्यक्ति महेश्वर शिव को अपना गुरू मान सकता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह समझाना था कि शिव के गुरू स्वरूप से एक-एक व्यक्ति का शिष्य बनना संभव है और इससे जीवन में ज्ञान की प्राप्ति भी हो सकती है। कार्यक्रम में शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द जी के संदेश को आधार बनाकर मुख्य वक्ता रामेश्वरम मंडल ने कहा कि शिव केवल नाम के गुरु नहीं हैं, बल्कि कर्म और ज्ञान के भी गुरु हैं। उन्होंने बताया कि शिव के औढ़रदानी स्वरूप से धन, धान्य, संतान और संपत्ति प्राप्ति का प्रचलन व्यापक है, लेकिन उनके गुरू स्वरूप से ज्ञान प्राप्त करना भी उतना ही आवश्यक है। ज्ञान के बिना किसी संपत्ति का उपयोग घातक साबित हो सकता है। रामेश्वरम मंडल ने स्पष्ट किया कि शिव जगतगुरु हैं और जगत का प्रत्येक व्यक्ति, चाहे किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय या लिंग का हो, शिव को अपना गुरू बना सकता है। इसके लिए किसी पारंपरिक औपचारिकता या दीक्षा की आवश्यकता नहीं है। केवल यह विचार कि "शिव मेरे गुरू हैं" ही शिव की शिष्यता की स्वयमेव शुरुआत करता है। इस विचार का स्थायी रूप लेना ही किसी को शिव का शिष्य बनाता है। कार्यक्रम में अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, संतोष सिंह, वीरेंद्र सिंह, संतोष सोनी, विनय, सहेंद्र कुमार, बलिराम सिंह, ओंकार सिंह, सत्येंद्र सिंह, ओम जी सहित सैकड़ों महिला–पुरुष उपस्थित थे।

इस महोत्सव ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि शिव को गुरू मानने के लिए किसी भी औपचारिक प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं है और हर व्यक्ति अपने जीवन में उनके ज्ञान और मार्गदर्शन का लाभ ले सकता है।

विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

- प्रशिक्षण का महत्वः सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करना और पुलिस कर्मियों को आगामी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार करना।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

रविवार को पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) द्वारा ब्लॉक मोड़ स्थित अशोक सम्राट भवन में सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को आगामी विधानसभा चुनाव-2025 से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

साथ ही, पुलिस उपाधीक्षक, यातायात ने डीआरसीसी भवन में सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनावी प्रक्रिया, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के संबंध में निर्देश और मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य चुनाव के दौरान सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण से पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों को दक्षता और पारदर्शिता के साथ निभाने के लिए तैयार होंगे।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन : नित्यानंद राय ने साधा राजद पर निशाना

- उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक बिहार से वामपंथ का सफाया होना तय है। जनता अब भ्रष्टाचार और परिवारवाद से ऊब चुकी है।

निज संवाददाता | गोह(औरंगाबाद)

गोह प्रखंड के हाई स्कूल पथरौल मैदान में रविवार को एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने की, जबकि संचालन भाजपा जिला महासचिव रविशंकर शर्मा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय रहे। अपने संबोधन में नित्यानंद राय ने राजद और महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि "मार्च 2026 तक बिहार से वामपंथ का सफाया होना तय है। जनता अब भ्रष्टाचार और परिवारवाद से ऊब चुकी है।" उन्होंने लालू प्रसाद के शासनकाल को घोटालों से भरा बताते हुए कहा कि गरीबों के विकास के बजाय केवल परिवार का कल्याण हुआ।

तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि "तेजस्वी कंस की तरह बिहार को बर्बाद कर रहे हैं। महुआ में प्रधानमंत्री मोदी और उनकी माता को गाली देना बड़ा पाप है, जिसका जवाब जनता वोट के माध्यम से देगी।" सम्मेलन में पूर्व विधायक डॉ. रण विजय कुमार सिंह ने कहा कि गोह की जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है। वहीं पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने एनडीए की एकजुटता को बिहार के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र चंद्रवंशी, लोजपा(आर) के जिलाध्यक्ष सोनू सिंह और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद रहे।

बीआरबीसीएल टाउनशिप में स्वच्छता अभियान का हुआ सफल आयोजन

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

आयोजन के तहत स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत बीआरबीसीएल के सोन ऊर्जा टाउनशिप में रविवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम अशोका शॉपिंग सेंटर परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक रंजन देहुरी, सभी विभागों के प्रमुख, कर्मचारी और टाउनशिप की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान सभी ने सामूहिक रूप से परिसर की सफाई की और लोगों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया। प्रतिभागियों ने यह संकल्प भी लिया कि शॉपिंग सेंटर और टाउनशिप को हमेशा स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखेंगे।

यह अभियान न केवल सफाई तक सीमित रहा बल्कि जनभागीदारी और सामूहिक प्रयास का भी सशक्त उदाहरण बना। इससे स्पष्ट संदेश गया कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज की नींव है और इसे बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

सरस्वती शिशु मंदिर में सप्तशक्ति संगम कार्यशाला का आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सप्तशक्ति संगम कार्यशाला 2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत "नवयुग का विचार– नव चेतना भरा जीवन" से हुई। मंच संचालन रानी कुमारी और सृष्टि ने किया। दीप प्रज्वलन और पुष्पार्जन डॉ. निहारिका सिंह कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ, जो कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्य अनीता ने किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक और विभाग निरीक्षक धरणीकांत पाण्डेय भी उपस्थित रहे। अतिथियों का परिचय अनुपम कुमारी ने कराया, जिसने कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ा दी। प्रस्तावना में अनीता ने शब्द शक्ति संगम की महत्ता और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में कुटुंब प्रबोधन पर अनंता सिन्हा ने विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि बालक की सही परवरिश मां की गोद और संस्कारों से जुड़ी होती है। उन्होंने 16 संस्कारों की महत्ता बताई और परिवार में दयालु एवं संस्कारी वातावरण के बिना बच्चों के समुचित विकास की संभावना कम होने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने 'हम दो हमारे दो' नीति और वृद्धों की उचित देखभाल न होने जैसी सामाजिक समस्याओं पर भी ध्यान आकर्षित किया। प्रेरणादाई संदेशों में नंदनी और नीलकमल ने महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय नारी समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। माताओं को बच्चों के विकास, पर्यावरण संरक्षण, जल और वृक्ष संरक्षण तथा कर्तव्यनिष्ठा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. निहारिका सिंह ने माताओं की जागृति, सामाजिक समानता, बच्चों के संस्कार और सनातन धर्म की रक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि माताओं की सक्रिय भागीदारी से ही समाज और देश का विकास संभव है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों और वरिष्ठ व्यक्तियों का सम्मान, प्रश्नोत्तरी और संकल्प ग्रहण भी किया गया। अंत में सभी ने वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की महत्ता स्वीकार की। प्रधानाचार्य अनीता ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी है और नारी सशक्तिकरण तथा संस्कारी परिवार निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आभार ज्ञापन माया पांडे और संकल्प माया मिश्रा द्वारा संपन्न हुआ।

खाद की कालाबाजारी को लेकर किसान ने डीएओ को लिखा पत्र

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि.सं.)। रफीगंज के सरावक गांव के किसान सुरेंद्र कुमार सिंह ने औरंगाबाद के जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) को पत्र लिखकर गांव में खाद की कालाबाजारी का आरोप लगाया है।

किसान ने अपने आवेदन में कहा कि किसानों को खाद लेने के लिए 12 घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि बिचौलियों के माध्यम से खाद लेने वाले को आसानी से खाद मिल जाती है। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले की तुरंत जांच और उचित कार्रवाई करने की मांग की। अधिकारियों ने जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। हालांकि रफीगंज में संबंधित अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास असफल रहा।

विष्णु धाम पुनपुन तीर्थ संगम तट पर 17 दिवसीय गया पिण्ड के पूर्व प्रथम पिंड का धूमधाम से समापन

- यह कार्यक्रम अनंत चतुर्दशी तिथि से आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक आयोजित किया गया।
- यह पौराणिक स्थल त्रेता युग से महत्वपूर्ण माना गया है। कहा जाता है कि त्रेता युग में भगवान श्री राम, द्वापर युग में युधिष्ठिर महाराज और कलियुग में राजा विक्रमादित्य ने यहां आकर प्रथम पिंड दान किया।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम, जो मोक्षदायिनी पुनपुन और पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर स्थित है, में पितृपक्ष के 17 दिवसीय प्रथम पिंड दर्पण का समापन बड़े धूमधाम से हुआ। यह कार्यक्रम अनंत चतुर्दशी तिथि से आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक आयोजित किया गया।

जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि संगम तट से उत्तर वाहिनी होकर पुनपुन का बहाव स्वावित होता है। इस स्थल पर गया पिण्ड दान के पूर्व प्रथम पिंड देने की प्रथा शास्त्रों में वर्णित है और यह युगों युगों से चलती आ रही है। यह पौराणिक स्थल त्रेता युग से ही महत्वपूर्ण माना गया है। कहा जाता है कि त्रेता युग में भगवान श्री राम ने अपने पूर्वजों की मुक्ति की कामना के लिए प्रथम पिंड दान किया था। द्वापर युग में युधिष्ठिर महाराज और कलियुग में राजा विक्रमादित्य भी यहां आए और प्रथम पिंड दान कर पुण्य प्राप्त किया। संगम तट की पौराणिकता शास्त्रोक्त है और गया तीर्थ में प्रवेश करने से पूर्व प्रथम पिंड देने की परंपरा पिंड दानी के लिए अनिवार्य मानी जाती है। इस आयोजन में तीर्थ पुरोहितों कुंदन पाठक, पुरुषोत्तम पांडेय और नरोत्तम पांडेय सहित अन्य आचार्यों की भूमिका सराहनीय रही, जिन्होंने पिंडदान और तर्पण कार्यों का संचालन किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि स्थानीय श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों के लिए भी आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बना।

आज से शुरू होगा राशन कार्ड निर्माण अभियान, 10 अक्टूबर तक चलेगा

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने पात्र वंचित लाभकों के लिए राशन कार्ड निर्माण अभियान आज से शुरू करने की घोषणा की है। अभियान प्रत्येक पंचायत मुख्यालय पर आयोजित किया जाएगा। मुख्यालय में उपस्थित अधिकारी और कर्मचारी लैपटॉप के माध्यम से आवेदन प्राप्त करेंगे। अभियान के दिन ही सभी आवेदकों को ऑनलाइन रसीद प्रदान की जाएगी। आवेदन की समीक्षा के बाद पात्रता के आधार पर राशन कार्ड जारी किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य सभी पात्र लाभकों तक सरकारी सुविधाओं को शीघ्र पहुंचाना है।

यह अभियान 10 अक्टूबर तक चलेगा। प्रत्येक पंचायत मुख्यालय पर अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। लाभार्थियों को आवेदन ऑनलाइन अपलोड करने और उनकी समीक्षा के बाद राशन कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

महापरिवर्तन आंदोलन का शिष्टमंडल गठन, भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के संकल्प के साथ आंदोलन को विस्तार देने का निर्णय

निज सं. | कुटुंबा/अंबा (औरंगाबाद)

शनिवार को प्रखंड मुख्यालय अंबा स्थित डी एन एस पब्लिक स्कूल के प्रांगण में महापरिवर्तन आंदोलन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री अरुण कुमार ने की और कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रखंड शिष्टमंडल का गठन किया गया। जिला शिष्ट मंडल की मौजूदगी में सर्वसम्मति से विजय कुमार सिंह को प्रखंड संयोजक, अरुण कुमार को सह संयोजक, रिंकू सिंह को प्रखंड अध्यक्ष, मनोज कुमार पाण्डेय को सचिव और मिथलेश कुमार को प्रवक्ता नियुक्त किया गया। जिला संयोजक श्री संतोष कुमार ने बताया कि महापरिवर्तन आंदोलन के सूत्रधार पूर्व डीजीपी वीके सिंह बिहार दौरे पर हैं। उन्होंने अपने पांच सूत्री कार्यक्रम के माध्यम से पंचायत स्तर तक स्वच्छ छवि और बुद्धिजीवी लोगों की भागीदारी से बिहार को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का संकल्प लिया है और आंदोलन को व्यापक बनाने में जुटे हैं।

बैठक में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने महापरिवर्तन आंदोलन जिला औरंगाबाद को पूरे प्रदेश में नंबर एक बनाने पर जोर दिया। बैठक में रामजन्म सिंह, धीरेन्द्र दुबे, सत्येंद्र शर्मा, अजय पाण्डेय, विजय कुमार कश्यप सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। प्रखंड संयोजक विजय कुमार सिंह और प्रखंड अध्यक्ष रिंकू सिंह ने संयुक्त बयान में कहा कि बड़ी-बड़ी बातों से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी कोशिशों से बड़ी सफलता मिलती है। हम सभी दृढ़ संकल्प के साथ इस पुनीत कार्य को कार्यान्वित करने के लिए अधिकारियों और लोगों के बीच जाएंगे। प्रखंड प्रवक्ता मिथलेश कुमार ने कहा कि वक्त से हार या जीत नहीं जाती, केवल सीखने का अवसर मिलता है। हम सभी महापरिवर्तन आंदोलन की रीढ़ हैं। बैठक के अंत में अरुण कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

त्योहारों के मौसम में फेस्टिवल स्पेशल बस सेवा का शुभारंभ

पटना (नि.सं.)। त्योहारों के अवसर पर घर लौटने वाले प्रवासी कामगारों, छात्रों और आम यात्रियों की यात्रा को आसान बनाने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने 20 सितंबर 2025 से बीएसआरटीसी (बिहार राज्य सड़क परिवहन निगम) के माध्यम से फेस्टिवल स्पेशल बस सेवा शुरू की है। यह पहल बिहार सरकार की त्योहारों में जनता को राहत देने और यात्रा को किफायती बनाने की दूरदर्शी सोच का उदाहरण है। बीएसआरटीसी द्वारा संचालित इस सेवा में यात्रियों को किराए में विशेष छूट दी गई है। उदाहरण के लिए, दिल्ली से पटना का एसी बस किराया, जिसकी वास्तविक लागत 1,873 रुपये थी, अब घटाकर मात्र 1,254 रुपये कर दिया गया है। इस सब्सिडी का लाभ लेने वाले यात्रियों में प्रवासी मजदूर, विद्यार्थी और अन्य सामान्य यात्री शामिल हैं।

जीएसटी में संशोधन से दुर्गापूजा की खुशी दोगुनी : विजय सिन्हा

निज संवाददाता | पटना

आयकर और जीएसटी की दरों में संशोधन से ढाई लाख करोड़ की बचत हुई है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रविवार की शाम पांच बजे राष्ट्र के नाम संबोधन में जीएसटी की दरों में कमी की विस्तृत जानकारी जनता को दी गई। पीएम के इस निर्णय से सभी परिवारों की दुर्गापूजा की खुशी दोगुनी हो गई है। उपमुख्यमंत्री ने जारी बायन में कहा कि जीएसटी की नयी दरों के आधार पर अब कम आय वाले परिवार भी ज्यादा वस्तुओं की खरीद कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक नारा दिया है। गर्व से कहो ये स्वदेशी है। कहा कि यह नारा 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के समय करो या मरो के नारे से भी ज्यादा प्रभावशाली होगा और आने वाले समय में भारतीय उद्योग जगत के लोग स्वदेशी निर्माण की दिशा में अग्रसर होंगे। भारत की आम जनता भी स्वदेशी उत्पादों के खरीद के लिए प्रेरित होगी। कहा कि वर्ष 2025 में आयकर और जीएसटी की दरों में संशोधन से भारत के आमजनों को ढाई लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। स्वाभाविक रूप से इससे भारतीय परिवारों की क्रय क्षमता बढ़ेगी और उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

रेल यात्रियों के मोबाइल और गहने उड़ाने वाले आठ गिरफ्तार

निज संवाददाता | पटना

रेल पुलिस ने पटना जंक्शन से शनिवार को ट्रेनों में सक्रिय चोर गिरोह के आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वे रेल में कृत्रिम भीड़ उत्पन्न कर यात्रियों के मोबाइल फोन और गहने उड़ा लेते थे। आरोपितों के पास से चोरी के आठ स्मार्ट फोन बरामद हुए हैं। आरोपितों की पहचान मालसलामी निवासी विकास राउत, जक्कनपुर के आकाश कुमार, मसौढ़ी निवासी विकास कुमार, मधेपुरा के रहने वाले अभिषेक आनंद, सिगौड़ी निवासी दिनेश यादव उर्फ पप्पू, अथमलगोला के गौतम कुमार, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग निवासी प्रमोद थापा और जहानाबाद निवासी मोहम्मद हामिद के रूप में हुई है। इनकी उम्र 19 से 50 वर्ष के बीच है। आरोपितों के खिलाफ पटना जंक्शन रेल थाना में पहले से चार केस दर्ज हैं। पुलिस यह पता लगा रही है कि बदमाश चोरी का सामान कहां खपाने थे। रेल एसपी अमृतेंदु शेखर ठाकुर ने बताया कि गहने, मोबाइल चोरी और अटैची लिफ्टिंग जैसे अपराधों की रोकथाम के लिए रेल पुलिस लगातार जांच अभियान चला रही है। वहीं, आगामी त्योहार और चुनाव के मद्देनजर भी पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। रेल स्टेशनों पर लगातार गश्त की जा रही है। रेल पुलिस कर्मी 20 सितंबर को पटना जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या-05/06 के पश्चिमी छोर के समीप गश्त कर रहे थे कि तभी उन्होंने कुछ संदिग्ध लोगों को देखा।